ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पत्र लिखने वाले निरीक्षक को किया जाना चाहिए बर्खास्त: अश्वथ नारायण @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 23 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-264

क्वाड का मिलकर साथ चलना मानवता के लिए महत्वपूर्ण : मोदी

क्वाड ने की कैंसर मूनशॉट, शिप ऑब्जर्वर मिशन, पोर्ट्स पार्टनरशिप की घोषणा

विलमिंगटन (फिलाडेल्फिया), 22 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत ने मौजूदा कालखंड के तनावों और संघर्षों से घिरे विश्व के लिए साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर आस्ट्रेलिया, भारत , जापान एवं अमेरिका के चतुष्कोणीय गठजोड़ क्वाड का मिलकर साथ चलना मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर बाइडेन की मेजबानी में जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज़ के साथ छठवीं क्वाड शिखर बैठक में भाग लिया।

श्री मोदी ने अपने वक्तव्य में क्वाड की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर श्री बाइडेन को बधाई दी और कहा कि उनके नेतृत्व में 2021 में क्वाड के पहली शिखर बैठक का आयोजन किया गया और इतने कम समय में हमने अपने सहयोग को हर दिशा में अभूतपूर्व तरीके से बढ़ाया है। इसमें व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रपति बिडेन की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी बैठक ऐसे समय हो रही है जब विश्व तनावों और संघर्षों से घिरा हुआ है। ऐसे में साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर, क्वाड का मिलकर साथ चलना, पूरी मानवता के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। श्री मोदी ने कहा, हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। हम सभी एक नियम आधारित

अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान, और सभी मसलों के शांतिपूर्ण ढंग से हल निकालने का समर्थन करते हैं। स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिन्द प्रशांत क्षेत्र हमारी साझा प्राथमिकता और साझा प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि हमने मिलकर स्वास्थ्य सुरक्षा, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, जलवायु परिवर्तन और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में कई सकारात्मक और समावेशी पहले आरंभ की हैं। हमारा संदेश साफ है, क्वाड का अस्तित्व सहायता करने के लिए, साझीदारी करने के लिए और पूरक बनने के लिए हमेशा रहेगा।

श्री मोदी 2025 में क्वाड नेताओं की शिखर बैठक भारत में किये जाने का उल्लेख करते हुए नेताओं को आमंत्रित किया।

क्वाड नेताओं के छठवीं शिखर बैठक में हिन्द प्रशांत क्षेत्र में सर्वाइकल कैंसर का पता लगाने, रोकथाम और उपचार के लिए क्वाड कैंसर मूनशॉट तथा क्वाड देशों के तट रक्षकों के बीच अंतरसंचालनीयता में सुधार के लिए कभी क्वाड-एट-सी शिप ऑब्जर्वर मिशन की स्थापना सहित अनेक अहम घोषणाएं की गई हैं। जिनमें क्वाड कैंसर मूनशॉट: हिन्द प्रशांत क्षेत्र में जीवन बचाने के लिए एक नए जमाने की साझीदारी। क्वाड-एट-सी शिप ऑब्जर्वर मिशन: 2025 में पहली बार तटरक्षक बलों के बीच समुद्री सुरक्षा और अंतरोपयोगिता में सुधार के लिए। क्वाड हिन्द प्रशांत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क: आपदा में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए साझा एयरलिफ्ट क्षमता के लिए एक पायलट परियोजना। क्वाड भविष्य के लिए बंदरगाहों की साझीदारी: स्थायी और मजबूत बंदरगाह ढांचे के विकास के लिए विशेषज्ञता साझा करना। सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला आकस्मिकता नेटवर्क: सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में मजबूती बढ़ाने के लिए। बैठक में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार को लेकर भी चर्चा हुई तथा चारों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को अधिक प्रतिनिधि, समावेशी, पारदर्शी, कुशल, प्रभावी, लोकतांत्रिक और जिम्मेदार बनाने के लिए सुधार करने पर सहमति व्यक्त की। इसी तरह से ऊर्जा दक्षता के बारे में विचार करते हुए नेताओं ने हिन्द प्रशांत क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता में सुधार और सस्ती प्रशीतन प्रणाली की तैनाती के लिए सामूहिक प्रयास किये जाने पर बल दिया।

क्वाड के भारत के योगदान की चर्चा करते हुए सूत्रों ने कहा कि भारत ने क्वाड डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के सिद्धांत पर समान पहुंच और सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार, कैंसर देखभाल और डिजिटल स्वास्थ्य के लिए एक करोड़ डॉलर की तकनीकी सहायता, हिन्द प्रशांत क्षेत्र के देशों के 75 लाख डॉलर मूल्य के एचपीवी वैक्सीन, मॉरीशस के आसपास खराब मौसम की घटनाओं एवं जलवायु प्रभावों की निगरानी के लिए अंतरिक्ष-आधारित वेब पोर्टल, फिजी, कोमोरोस, मेडागास्कर और सेशेल्स में 20 लाख डॉलर के निवेश वाली सौर परियोजनाएं, समुद्री सुरक्षा पहल के अंतर्गत प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए एमएआईटआरआई की शुरुआत, हिन्द प्रशांत क्षेत्र के छात्रों के लिए नई श्रेणी की छात्रवृत्ति, स्थायी बंदरगाह ढांचे के विकास के लिए पहली क्वाड पोर्ट्स कॉन्फ्रेंस की मेजबानी जैसी पहलों के माध्यम से अहम योगदान दिया है।

तिरुपति लड्डू विवाद: जब हिंदू मंदिरों को अपवित्र किया जाता है तो हमें चुप नहीं रहना चाहिए

आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने शुरू की प्रायश्चित दीक्षा

- कहा- भगवान से क्षमा मांगी उपवास रख रहा
- मस्जिद-चर्च में ऐसा होता तो देश भड़क उठता
- जगन सरकार की गलती से हिंदू जाति पर कलंक लगा

अमरावती, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) में प्रसादम (लड्डुओं) में जानवरों की चर्बी मामले में आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने कहा- जब हिंदू मंदिरों को अपवित्र किया जाता है तो हमें चुप नहीं रहना चाहिए। अगर ऐसा मस्जिदों या चर्चों में होता तो देश में गुस्सा भड़क उठता।

पवन कल्याण ने रविवार से 11 दिनों की प्रायश्चित दीक्षा की शुरुआत की। इस दौरान वह उपवास करेंगे। पवन ने कहा- मुझे अफसोस है कि मैं मिलावट के बारे में पहले क्यों नहीं पता लगा पाया। मुझे दुख हो रहा है। इसके लिए प्रायश्चित करूंगा। पवन कल्याण ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, पवित्र माने जाने वाले तिरुमाला लड्डू प्रसादम को जगन रेड्डी की सरकार की भ्रष्ट नीतियों के कारण अपवित्र कर दिया गया है। इस पाप को शुरू में न पहचान पाना हिंदू जाति पर एक कलंक है। जिस पल मुझे पता चला कि लड्डू प्रसादम में जानवरों की चर्बी हैं, मैं हैरान रह गया। खुद को दोषी महसूस कर रहा हूं। चूंकि मैं लोगों के कल्याण के लिए लड़ रहा हूं, इसलिए मुझे दुख है कि मैं इसे पहचान क्यों नहीं पाया।

सोशल मीडिया एक्स पर पवन कल्याण ने लिखा कि, हमारी संस्कृति, आस्था, विश्वास और श्रद्धा की धर्मधुरी, श्री तिरुपति बालाजी धाम के प्रसाद में, कुत्सित प्रयासों के तहत, जो अपवित्रता का संचार करने की कोशिश की गई, उससे मैं व्यक्तिगत स्तर पर, अत्यंत मर्माहत हूं, और सच कहूं तो, अंदर से अत्यंत छला गया, महसूस कर रहा हूँ। प्रभु वेंकटेश्वर से, मेरी प्रार्थना है कि, इस दुःख के क्षण में हमें, और समस्त सनातनियों को, अपनी अहैतुकी कृपा से, सबलता प्रदान करें। पवन कल्याण ने आगे लिखा कि, मैं अभी इसी क्षण, भगवन से क्षमा प्रार्थी हूं, प्रायश्चित दीक्षा हेतु, प्रण सिद्ध कर रहा हूं, और ग्यारह दिवसीय उपवास हेतु, धर्म संकल्पित हो रहा हूं। ग्यारह दिवसीय, प्रायश्चित दीक्षा, के उत्तरार्ध में एक और दो अक्टूबर को मैं तिरुपति जाकर प्रभु के साक्षात दर्शन कर क्षमा प्रार्थी हो, विनती करूंगा और तब भगवन के समक्ष मेरे प्रायश्चित दीक्षा की पूर्णाहूति होगी। इससे पहले पवन कल्याण ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए सनातन धर्म रक्षण बोर्ड के गठन की आवश्यकता पर जोर दिया था। इससे पहले पवन कल्याण ने ट्वीट कर जगन रेड्डी पर जमकर निशाना साधा था। कल्याण ने ट्वीट कर लिखा था कि, पिछली सरकार के कार्यकाल दौरान, तिरुपति बालाजी प्रसाद में पशु मेद (मछली का तेल, सूअर की चर्बी और बीफ़ वसा) मिलाए जाने की बात के संज्ञान में आने से हम सभी अत्यंत विक्षुब्ध हैं। तत्कालीन वाईसीपी (वाईसीपी) सरकार द्वारा गठित टीटीडी (टीटीडी) बोर्ड को कई सवालों के जवाब देने होंगे। इस सन्दर्भ में हमारी सरकार हरसंभव सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। ▶10 पर

जिन्ना के रास्ते पर चल रही कांग्रेस : आचार्य कृष्णम

राहुल गांधी देश के बाहर जाकर देश का मान-सम्मान खराब कर रहे

उज्जैन, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

सनातन आगे बढ़ेगा तभी भारत मजबूत होगा, सनातन और भारत को एक दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। यूथ विद सनातन पूरे देश में आभियान का स्वरूप लेगा। भारत को विश्व गुरु बनाना है तो सनातन को और भी शक्तिशाली करना पड़ेगा। सनातन को नष्ट करने की साजिश हो रही है, इसमें पूरी दुनिया की बड़ी-बड़ी ताकतें शामिल हैं। भारत के कई राजनीतिक दल भी इस साजिश में शामिल हैं। तिरुपति मंदिर इसका एक उदाहरण है, जहां सनातन को नष्ट करने की साजिश की गई। यह बात उत्तरप्रदेश के संभल स्थित कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने गंगाघाट स्थित श्री मौनतीर्थ पीठ में आयोजित यूथ विद सनातन कार्यक्रम के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए कही।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि देश को आजाद करने में कांग्रेस की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन वर्तमान में कांग्रेस जो काम कर रही है, वह महात्मा गांधी की कांग्रेस नहीं है। उनकी कांग्रेस में सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना आजाद, सुभाषचंद्र बोस, पंडित जवाहरलाल नेहरू हुआ करते थे, लेकिन अभी की कांग्रेस मोहम्मद अली जिन्ना के रास्ते पर चल रही है। इसीलिए, राहुल गांधी देश के बाहर जाकर देश को नंगा करते हैं और मान सम्मान खराब करते हैं। देश में रहकर भी यहां की बात की जा सकती है, ▶10 पर

अमेरिका ने भारत को 297 पुरावशेष लौटाए

- **सभी पुरावशेष 2000 ईसा पूर्व से 1900 ईस्वी तक लगभग 4000 वर्षों की समयावधि के हैं**
- **इनमें भगवान गणेश, कृष्ण, कार्तिकेय और जैन तीर्थंकर की मूर्तियां भी शामिल**

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों को ध्यान में रखते हुए और अधिक सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने के लिए भारत से चुराकर अमेरिका पहुंची 297 प्राचीन दुर्लभ कलाकृतियां और पूरा अवशेषों को भारत को सौंपे है। अमेरिका ने यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बीच उठाया है।

भारत और अमेरिका के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सहयोग बढ़ाने के लिए अमेरिकी विदेश विभाग के शैक्षिक और सांस्कृतिक मामलों के ब्यूरो और भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत भारतीय पुरा-तत्व सर्वेक्षण ने इसे पूरा करने के लिए जुलाई 2024 में एक सांस्कृतिक संपत्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए सहयोग बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा जून 2023 में जारी संयुक्त बयान में भी प्रतिबद्धताएं व्यक्त की गई थीं।

कार्यालय की रविवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी की वर्तमान अमेरिका यात्रा के अवसर पर अमेरिकी पक्ष ने भारत से चोरी या तस्करी की गई 297 पुरावशेषों की वापसी की सुविधा प्रदान की। इन्हें शीघ्र ही भारत वापस लाया जाएगा। एक प्रतीकात्मक प्रस्तुति में विलमिंगटन, डेलावेयर में उनकी द्विपक्षीय बैठक के मौके पर श्री मोदी और श्री बाइडेन को कुछ चुनिंदा टुकड़े दिखाए गए। प्रधानमंत्री ने इन कलाकृतियों की वापसी में समर्थन के लिए राष्ट्रपति श्री बाइडेन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ये वस्तुएं न केवल भारत की ऐतिहासिक भौतिक संस्कृति का हिस्सा थीं, बल्कि इसकी सभ्यता और चेतना के आंतरिक केंद्र का निर्माण करती थीं।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि ये पुरावशेष 2000 ईसा पूर्व से 1900 ईस्वी तक लगभग 4000 वर्षों की समयावधि के हैं और इनकी उत्पत्ति भारत के विभिन्न हिस्सों में हुई है। अधिकांश पुरावशेष पूर्वी भारत की टेराकोटा कलाकृतियां हैं, जबकि अन्य पत्थर, धातु, लकड़ी और हाथीदांत से बने हैं और देश के विभिन्न हिस्सों से संबंधित हैं। सौंपे गए कुछ उल्लेखनीय पुरावशेष इस प्रकार हैं। 10-11वीं शताब्दी ई.पू. की मध्य भारत की बलुआ पत्थर की अप्सरा, 15-16वीं सदी के मध्य भारत के कांस्य से निर्मित जैन तीर्थंकर, पूर्वी भारत से तीसरी-चौथी ▶10 पर

आतंकवाद खत्म होने तक पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं: शाह

जम्मू, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि आतंकवाद के पूरी तरह खत्म होने तक पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। श्री शाह ने जम्मू-कश्मीर चुनाव के 25 सितंबर को होने वाले दूसरे चरण के लिए पार्टी उम्मीदवार रविंदर रैना के समर्थन में नौशेरा निर्वाचन क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आतंकवाद पूरी तरह खत्म होने तक पाकिस्तान से बातचीत की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने सीमा पर सुरक्षा और शांति सुनिश्चित की है।

उन्होंने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों में बंकरों की कोई जरूरत नहीं है और अगर पाकिस्तान ने एक भी गोली चलाने की हिम्मत की, तो हम उसे मुंहतोड़ जवाब देंगे।

श्री शाह ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करने और क्षेत्र में अशांति पैदा करने के लिए पिछली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों की आलोचना की। गृह मंत्री ने कहा, ये तीनों राजनीतिक दल जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को वापस लाने के लिए नियंत्रण रेखा के पार से व्यापार बहाल करने की वकालत कर रहे हैं, लेकिन हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे। श्री शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास और प्रगति का एक नया युग शुरू हुआ है। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से क्षेत्र में आतंकवाद समाप्त हो गया है और फारूक अब्दुल्ला जैसे नेता इसे वापस लाना चाहते हैं, ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 76,270/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 90,930/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 22^0

सेना के जवानों को ले जा रही ट्रेन को उड़ाने की साजिश

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

देश के 3 राज्यों में रविवार को ट्रेन पलटने की साजिश की गईं। हालांकि, तीनों जगहों पर ही लोको पायलट ने साजिश को नाकाम कर दिया। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में सेना के जवानों को ले जा रही ट्रेन में विस्फोट की कोशिश की गई थी। यह घटना 18 सितंबर की है। जानकारी अब सामने आई है। मामले में आरपीएफ, एटीएस के अलावा देश की कई सुरक्षा और खुफियां एजेंसियां जांच में जुट गई हैं। रेलवे सूत्रों के अनुसार, दिल्ली-मुंबई ट्रैक पर सागफाटा से डोंगरगांव के बीच 10 डेटोनेटर करीब एक से डेढ़ फीट के अंतराल से रखे गए थे। ट्रेन खंडवा से होते हुए तिरुवनंतपुरम जा रही थी। इसमें आर्मी के अफसर, कर्मचारी और हथियार थे।

मामले को रेलवे मंत्रालय ने काफी गंभीरता से लिया है। आर्मी के अधिकारी भी जांच में जुटे हैं। वे पूछताछ के लिए चाबीदार और ट्रैकमैन की कस्टडी मांग रहे हैं। मध्य रेलवे भुसावल मंडल के पीआरओ जीवन चौधरी ने कहा है कि अभी मामले की जांच चल रही है। डॉग स्क्वायड की मदद से भी छानबीन की जा रही है। रेलवे सूत्रों ने बताया कि बुरहानपुर के नेपानगर में रेलवे ट्रैक पर डेटोनेटर बिछाए गए। हालांकि, ट्रेन के पहुंचने से पहले ही कुछ डेटोनेटर फूट गए। इससे रेलवे अधिकारी अलर्ट हो गए और स्टेशन पर ट्रेन रुकवा दी गई थी।

ट्रैक पर बिछाए डेटोनेटर, कानपुर में फिर ट्रैक पर मिला सिलेंडर, पंजाब में पटरी पर सरिया रखी गईं

यूपी के कानपुर में प्रेमपुर स्टेशन के पास ट्रैक पर एक छोटा सिलेंडर रखा मिला। जेटीटीएन गुड्स ट्रेन के लोको पायलट ने सिलेंडर देखते ही इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को 10 फीट पहले ही रोक लिया।

पंजाब के बठिंडा में रेलवे ट्रैक पर सरियों का बंडल रख दिया गया। इसे देखकर मालगाड़ी के लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया, जिससे हादसा टल गया। बिहार के मुजफ्फरपुर में शनिवार रात मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर रेल लाइन के बीच इंजन के कुल 6 चक्के पटरी से उतर गए। घटना शनिवार की रात 8.31 की है। शुरुआती जांच में लोको पायलट और पॉइंट मैन की लापरवाही सामने आई है। 18 सितंबर को मध्य प्रदेश के बुरहानपुर से आर्मी की ट्रेन गुजरने वाली थी। ट्रेन खंडवा से होते हुए तिरुवनंतपुरम जा रही थी। इसमें आर्मी के अफसर, कर्मचारी और काफी असलाह मौजूद था। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, सागफाटा के पास ट्रैक पर 10 डेटोनेटर करीब एक से डेढ़ फीट की दूरी पर रखे गए थे। सूचना मिलने पर ट्रेन को सागफाटा में रोक दिया गया और ट्रेन डिरेल करने की साजिश नाकाम हो गई। सागफाटा स्टेशन के कंट्रोल रूम में नेपानगर से ट्रैक पर डेटोनेटर होने की सूचना दी गई।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

पदासीन व्यक्ति के व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन में संयम जीवन का विकास जरूरी: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्धप्रभा जी के सानिध्य में तेयुप विजयनगर एवं टीपीएफ विजयनगर द्वारा हिम्मत मांडोत का तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम - राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मनोनित होने पर तेयुप विजयनगर एवं टीपीएफ बेंगलूरु चैप्टर द्वारा अभिनंदन एवं सम्मान समारोह तेरापंथ सभा भवन विजयनगर में आयोजित किया गया। साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने मंगल प्रेरणा देते हुए सभी को मांडोत परिवार से प्रेरणा लेकर संयमी, तत्वज्ञ, सरल एवं संयुक्त परिवार के गुणों का विकास करने की सलाह दी। साध्वी मलय यशा जी, आस्था प्रभा जी, दीक्षा प्रभा जी ने कार्यक्रम के उत्तरार्ध में गीतिका का संगान किया। कार्यक्रम की शुरुवात साध्वी द्वारा नवकार मंत्र के मंगल मंत्रोच्चार से हुआ। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए नवमोनोनित टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगामी कार्यकाल के लिए मंगल कामना की। टीपीएफ बेंगलूरु के अध्यक्ष हितेश गिडिया ने सभी का अभिनंदन करते हुए हिम्मत के अनेक योगदानों का उल्लेख करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया, महासभा के पूर्व अध्यक्ष हीरालाल मालू, अणुविभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत, सुरेश दक, राजस्थान मित्र मंडल अध्यक्ष महेंद्र टेबा, कर्नाटक स्थानकवासी संघ अध्यक्ष पुखराज मेहता, तेयुप पूर्व अध्यक्ष अमित दक, मांडोत परिवार से सुरेश मांडोत, टीपीएफ के पूर्व मुख्य ट्रस्टी एमसी बालडोटा, अरविंद मांडोत, शांति लाल शांत, नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर प्रकाश छाजेड़ ने शुभकामनाएं प्रेषित की। टीपीएफ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत ने अपने वक्तव्य में तेरापंथ धर्म संघ को महान बताते हुए गुरु कृपा को विशेष बताया। टीपीएफ बेंगलूरु और राष्ट्रीय स्तर पर संगठन के विस्तार, विकास और सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। तेयुप विजयनगर द्वारा मांडोत का अभिनंदन पत्र द्वारा सम्मान किया गया। अभिनंदन पत्र का वाचन निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने किया। आभार सहमंत्री पवन बैद ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन तेयुप मंत्री संजय भटेवरा ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। खिवान्दी गांव का वार्षिक क्षमापना एवं स्नेह मिलन समारोह आदि संस्कार धाम एवं पार्श्व लब्धि धाम में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्व प्रथम परमात्मा आदिनाथ दादा के दरबार में परमात्मा का भव्य स्नात्र महोत्सव मनाया गया। उसके बाद पार्श्व लब्धि धाम में आम सभा का आयोजन हुआ एवं इस वर्ष जिन्होंने तपस्या की थी उन तपस्वियों का बहुमान किया गया। आगामी तीन वर्षों के लिए नयी कमेटी का गठन हुआ। पांच सहलाकर एवं ग्यारह कमेटी के सदस्यों की नियुक्ति हुई। भूतपूर्व कमेटी के सदस्यों द्वारा क्षमायाचना की गई। अतं में सुप्रसिद्ध संगीतकार कमलेश कुमार एंड पार्टी द्वारा भक्ति रस का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

श्री सुसवाणी माता भक्त मंडल की साधारण सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सुसवाणी माता भक्त मंडल बेंगलूरु की तृतीय साधारण आम सभा अध्यक्ष जितेन्द्र दुगड़ की अध्यक्षता में स्थानीय गोड़वाड़ भवन में आयोजित हुई।

दुगड़ ने स्वागत अभिनंदन किया। विगत वर्ष में हुए सम्पूर्ण कार्यक्रमों का विवरण सचिव नवीन सुराणा ने प्रस्तुत किया। आय व्यय का लेखा-जोखा कोषाध्यक्ष प्रसन्न दुगड़ ने पटल पर प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। आगामी वर्ष के लिए अशोक सुराणा चार्टर्ड एकाउंटेंट को अंकेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। इस वर्ष अक्टूबर में पड़ने वाले आसोज की दूज के दिन माता सुसवाणी के जन्मोत्सव को श्री सुसवाणी माता धाम होसूर रोड में धुमधाम से मनाने के साथ साथ उस दिन मंदिर प्रांगण में अन्नदानम करवाने का प्रस्ताव राजेन्द्र सुराणा ने प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। भक्त मंडल के अंतर्गत विभिन्न सेवा के प्रकल्पों को आयोजित करने पर विस्तार से विचार विमर्श के पश्चात इसके क्रियान्वयन हेतु एक पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया। अंत में बिपुल दुगड़ के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा संपन्न हुई।

प्रेम त्रिकोण के कारण युवक की हत्या, दोस्त गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक लड़की को लेकर दो दोस्तों के बीच हुई तीखी बहस ने जानलेवा घटना का रूप ले लिया, जिसके परिणामस्वरूप शनिवार को संजयनगर पुलिस स्टेशन की सीमा में उनमें से एक की मौत हो गई।

मूल रूप से उडुपी का रहने वाला वरुण कोटियन (24) पीड़ित था। उसके दोस्त दिवेश (25) को कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, वरुण, दिवेश और लड़की स्कूल के दोस्त थे और पिछले एक साल से बेंगलूरु के गेड्डालाहल्ली में किराए के घर में साथ रह रहे थे। लड़की रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करती थी। जबकि दिवेश जोमैटो में कार्यरत था और वरुण एक कंपनी में सुरक्षा अधिकारी के रूप में काम करता था। दिवेश और लड़की रिलेशनशिप में थे, लेकिन ऐसा लगता है कि लड़की मैसेजिंग के जरिए वरुण से संपर्क बनाए हुई थी। दोनों दोस्त अक्सर उसके साथ अपने संबंधों को लेकर बहस करते थे। शनिवार की सुबह, दिवेश ने कथित तौर पर वरुण के सिर पर एक खोखले ब्लॉक (एक बड़ी, हल्की इमारत की ईंट) से वार करके उसकी हत्या कर दी। संजयनगर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

नेत्रदान जागरूकता अभियान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित दृष्टिहीनों के लिए दृष्टि अभियान के तहत तेरापंथ युवक परिषद् राजाजीनगर ने श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर द्वारा आयोजित गुरु अमर अमृत संयम महोत्सव के पावन अवसर पर टोलगेट सर्किल स्थित अल्लमप्रभु आत्मज्ञान मंडप में नेत्रदान जागरूकता अभियान का आयोजन किया। महोत्सव में पधारे सदस्यों से वार्तालाप करते हुए नेत्रदान कब, कौन, कैसे कर सकते है एवं नेत्रदान के पश्चात कैसे उन नेत्रों का उपयोग होता है, की विस्तृत जानकारी परिषद सदस्यों द्वारा प्रदान की गई। कार्यक्रम में लगभग 2000 से भी अधिक श्रावक-श्राविका समाज की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर राज्य सभा सदस्य लहर सिंह सिरोया, विजयनगर क्षेत्र के विधायक कृष्णप्पा एवं अन्य संघीय संस्थाओं के पदाधिकारियों ने आयाम की खूब-खूब प्रशंसा की। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा ट्रस्ट राजाजीनगर के अध्यक्ष अशोक चौधरी, पूर्व अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी एवं मंत्री चंद्रेश मंडोत भी मौजूद थे। तेयुप से अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, जयंतीलाल गांधी, चेतन मांडोत, विनोद कोठारी, मुकेश नाहर, चेतन टेबा, किशोर मंडल से संयोजक नमन श्रीश्रीमाल, भरत देरासरिया, हर्ष कोठारी, तुषार कोठारी ने नेत्रदान जागरूकता के इस महा अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

नेत्र दान एवं रक्त दान जागरूकता अभियान के तहत निकाली बाइक रैली

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

हासन तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में रविवार को नेत्र दान एवं रक्त दान जागरूकता अभियान के तहत बाइक रैली का आयोजन किया गया। हासन तेरापंथ सभा भवन से शुरू हुई बाइक रैली विभिन्न इलाकों में होते हुए तेरापंथ सभा भवन में समाप्त हुई।

उसके बाद विशेष अतिथि नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर शिवप्रसाद ने कार्यक्रम में कहा एक आदमी के नेत्र दान से चार लोगों की जिंदगी से अंधेरा दूर होता है। उन्होंने कहा हर आदमी नेत्र दान कर सकता है।

कर्नाटक भाजपा के प्रधान कार्यदर्शी प्रीतम जे गौड़ा ने कहा रक्त दान जीवन दान के समान है। हासन भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष पुनीत ने उदाहरण देकर समझाया कि आपको अगर पैसा चाहिए तो एक बार मिल सकता है पर नेत्र चाहिए तो नेत्र दान बहुत जरूरी है। तेरापंथ युवक परिषद, हासन एवं भाजपा युवा मोर्चा के संयुक्त अभियान के तहत रक्त दान कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें 45 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ एवं 100 जनों ने नेत्र दान का संकल्प लिया। इस मौके पर हासन तेरापंथ सभा के अध्यक्ष शो-हनलाल तातेड, मंत्री विमल कोठरी, अभूतपूर्व अध्यक्ष डॉ. जयंतीलाल कोठरी, मलनाड तेरापंथ अध्यक्ष महावीर भंसाली, हासन अणुव्रत के अध्यक्ष चांदमल सुराणा, मूर्तिपूजक अध्यक्ष अमृतलाल भंडारी, युवक परिषद अध्यक्ष नितेश सुराणा, मंत्री मनीष तातेड, नेत्र दान हासन प्रभारी दिनेश सेठिया ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन जयंत गुलगुलिया ने किया। तत्पश्चात युवक परिषद के अभूतपूर्व अध्यक्ष, मंत्री एवं युवक परिषद का मंथन कार्यक्रम हुआ। मनीष तातेड ने आभार व्यक्त किया।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर ने अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष का किया स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु के सदस्यों ने शहर में महावीर इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर अनिल जैन का स्वागत सम्मान किया। अनिल जैन, जो अपने मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते हैं, ने सदस्यों के साथ सहजता से जुड़ाव महसूस किया। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने महावीर इंटरनेशनल द्वारा पूरे भारत में की गई व्यापक गतिविधियों और पहलों के बारे में बात की। उन्होंने संगठन की अखिल भारतीय परियोजनाओं का विस्तृत विवरण दिया और महावीर इंटरनेशनल की विरासत के प्रति उनके समर्पण के लिए सदस्यों की प्रशंसा की, जिसने सफलतापूर्वक 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं। अनिल ने सदस्यों को संगठन के प्रभाव को और अधिक विस्तारित करने के लिए बड़ी, दीर्घकालिक परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भी प्रेरित किया।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु की अध्यक्ष भारती चाजेड़ तलेसरा ने अनिल के आगमन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। कर्नाटक जोन के अध्यक्ष सुशील तलेसरा ने भी अनिल को उनकी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और सदस्यों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, वरिष्ठ सलाहकार रमेश दक और कैलाश संकलेचा सहित कई प्रमुख सदस्यों की उपस्थिति ने समारोह को गौरवान्वित किया। इस दौरान पदम जैन, राजेश श्रीश्रीमाल, कंचन जैन, काजल जैन, अक्षय दक, अशोक गांधी, दिव्या पिरगल, आशिक पिरगल और नवी मुंबई शाखा के अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

कोर्ट के आदेश के बाद बेलगावी नगर निगम ने मालिकों को जमीन लौटाने की प्रक्रिया की तेज

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलील के बाद, बेलगावी नगर निगम ने एक व्यवसायी को जमीन लौटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसकी जमीन कथित तौर पर भूमि अधिग्रहण की उचित प्रक्रिया के बिना ली गई थी। यह प्रक्रिया सोमवार तक पूरी होने की उम्मीद है। बीसीसी ने पहले शाहपुर में पैटसन ऑटोमोबाइल एजेंसियों के मालिक बालासाहेब पाटिल को मुआवजा देने का संकल्प लिया था, जिन्होंने सड़क चौड़ीकरण और विकास के लिए लगभग 22 गुंटा जमीन खो दी थी। उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया था और कहा था कि शहरी स्थानीय निकाय ने उनकी सहमति या मुआवजे के बिना उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया था। पाटिल द्वारा नगर निगम से बार-बार अनुरोध करने के बाद भी चार साल बाद भुगतान नहीं करने पर अदालत ने अवमानना याचिका स्वीकार कर ली। हाल ही में एक असाधारण बैठक में, बीसीसी ने लगभग 23 करोड़ का मुआवजा देने का संकल्प लिया। परिषद ने नगर निगम आयुक्त और विधि अधिकारी को कानूनी ढांचे के भीतर निगम और शहर के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखने का अधिकार भी दिया। मंत्री सतीश जारकीहोली और लक्ष्मी हेब्बालकर ने भूमि खोने वालों को मुआवजा देने के परिषद के फैसले से असहमति जताई थी। सतीश जारकीहोली ने कहा कि अगर बीसीसी को विकास और प्रशासन के लिए निर्धारित 35 करोड़ रुपए में से 23 करोड़ रुपये का भुगतान करना पड़ा तो उसे अपने अधिकांश फंड से हाथ धोना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि निगम को 100 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान करना होगा क्योंकि छह अन्य समान मामले थे। अधिकारियों ने अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया कि वे जमीन वापस कर देंगे और उक्त स्थल पर सड़क विकास कार्य रोक देंगे। अदालत ने उन्हें 23 सितंबर को अगली सुनवाई से पहले हस्तांतरण पूरा करने का आदेश दिया। राजस्व और भूमि अभिलेख अधिकारियों ने शुक्रवार और शनिवार को सड़क और उसके कंधों सहित विकसित भूमि का सर्वेक्षण किया। मौके पर निरीक्षण और इलाके के निवासियों के पांच गवाहों के हस्ताक्षर एकत्र करने का काम पूरा किया गया। अधिकारियों ने बैंक ऑफ इंडिया कॉर्नर से लेकर पुराने पुणे-बेंगलूरु रोड तक की सड़क को बंद कर दिया, जो संपत्ति पर बनी थी। बीसीसी आयुक्त अशोक दुदागुंती, स्मार्ट सिटी की प्रबंध निदेशक सईदा आफरीन बानू बल्लारी और अन्य अधिकारियों ने जमीन वापस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बीसीसी के एक अधिकारी ने कहा संपत्ति का भौतिक कब्जा हस्तांतरित कर दिया गया है। सभी संबंधित दस्तावेजों को या तो साझा किया जा रहा है, हस्तांतरित किया जा रहा है या यदि आवश्यक हो तो म्यूटेशन किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा पूरी प्रक्रिया एक दिन में पूरी हो जाएगी और सोमवार को अदालत में पूरा होने का पत्र प्रस्तुत किया जाएगा। अपने हालिया आदेश में, अदालत ने अधिकारियों को 22 सितंबर तक हस्तांतरण पूरा करने और यदि आवश्यक हो तो पुलिस सहायता लेने के लिए कहा। इसने आयुक्त को जुर्माना और सेवा रिकॉर्ड में प्रविष्टियों की चेतावनी दी।

गणेशोत्सव में भाग लेने से रोकने के लिए

पत्र लिखने वाले निरीक्षक को किया जाना चाहिए बर्खास्त: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. अश्वथ नारायण ने कहा कि तुमकुरु विश्वविद्यालय के चांसलर और कुलाधिपति को पत्र लिखने वाले निरीक्षक को बर्खास्त किया जाना चाहिए, जिन्होंने छात्रों को गणेशोत्सव में भाग लेने से रोकने के लिए एक परिपत्र जारी करके समाज के अधिकारों को रोकने की कोशिश की।

मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इन दोनों को सेवा से बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इस मुद्दे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विश्वविद्यालय कठपुतली की तरह कार्य कर रहा है। जो लोग कानून को आश्वस्त और समझ नहीं सकते, वे ऐसे जिम्मेदार पद पर बने रहने के लायक नहीं हैं। उन्होंने पूरे समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने मांग की कि अगर सरकार में नैतिकता है तो इन लोगों को तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए। हिंदू समाज की, भारत के लोगों की, पूरे भारत की, पूरे कर्नाटक की भावना प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की ऐसी हरकत पूरी तरह से निंदा योग्य है। विनायक चतुर्थी सार्वजनिक रूप से मनाई जाती है। विनायक की चतुर्थी के माध्यम से समाज संगठित हुआ और इसने स्वतंत्रता आंदोलन को भी प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि यह आजादी के पहले से ही चला आ रहा है। ऐसी संस्कृति, पृष्ठभूमि और इतिहास वाले लोग विनायक चतुर्थी के उत्सव को खतरे में डाल रहे हैं। गृह विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई विनायक चतुर्थी कार्यक्रम न हो। उन्होंने आपत्ति जताई कि अगर धरने में गणेश प्रतिमा रखी गई तो उसे पुलिस जीप में रखा जा रहा है। कैसे स्वायत्त विश्वविद्यालय के चांसलर ने तुमकुरु विश्वविद्यालय के मूल्यांकन चांसलर को पुलिस निरीक्षक द्वारा लिखे गए पत्र पर एक परिपत्र जारी किया जिसमें कहा गया कि असामाजिक और उत्तेजक लोग समस्याएं पैदा कर सकते हैं। यदि इंस्पेक्टर कहे तो क्या आप इसे लिख लेंगे? इंस्पेक्टर का मतलब जिला प्रशासन? उनका दायरा क्या है? उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें नहीं पता कि ऐसे चांसलर और वाइस चांसलर कहां से ढूंढ कर लाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर जुलूस में अवैध ताकतें आनी थीं तो एहतियात के तौर पर उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि तुष्टिकरण के लिए ऐसे लोगों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर विधिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक वसंतकुमार, प्रदेश प्रवक्ता मोहन विश्व सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

कांग्रेस की है बीपीएल कार्ड रद्द करने की योजना : कोटा श्रीनिवास पुजारी

पार्टी कार्यकर्ता करें शिकायत

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकसभा सदस्य कोटा श्रीनिवास पुजारी ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने आवास परियोजना के लिए धन स्थापित करने के लिए बीपीएल कार्ड रद्द करने का कदम उठाया है, और भाजपा कार्यकर्ताओं को इसका विरोध करना चाहिए और जिला कलक्टर के पास एक याचिका दायर करनी चाहिए। शहर में जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने चिकमगलूरु जिले में लगभग 50,000 बीपीएल कार्ड रद्द किए जाने की संभावना के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस संबंध में एक सर्वेक्षण भी करा रही है। हजारों गरीबों को परेशानी होगी। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में पार्टी की महिला मोर्चा या किसी अन्य इकाई को जिलाधिकारी से शिकायत दर्ज कर चेतावनी देनी चाहिए कि अगर गरीबों का राशन कार्ड रद्द किया गया तो वे आंदोलन करेंगे। इससे कम से कम बीपीएल कार्ड वालों को कुछ छूट मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे गरीबों को फायदा हो सकता है। पूरे देश में पार्टी का सदस्यता अभियान चल रहा है। हमें अपने बूथों पर अभियान तेज करना चाहिए। कुछ स्थानों पर बहुत अच्छा काम किया गया। उन्होंने महाशक्ति केन्द्रों एवं मण्डलों में सदस्यता अभियान को और अधिक सक्रियता से संचालित करने का आह्वान किया। मंडलों और शक्ति केंद्रों की वास्तविक शक्ति तक पहुंच सदस्यता पंजीकरण पर आधारित है। इस पृष्ठभूमि में, उन्होंने पार्टी के सभी मोर्चों से जिम्मेदारी लेने और अभियान को सफल बनाने के लिए अपने-अपने बूथ, शक्ति केंद्र और मंडल के नेताओं के साथ समन्वय करने का आह्वान किया है। विधान परिषद सदस्य सीटी रवि ने कहा कि सदस्यता अभियान सिर्फ संख्यात्मक नहीं बल्कि पर्याप्त नहीं है। यह एकाधिक होना चाहिए। सदस्यता पार्टी के कार्य के विस्तार का कारक है। उन्होंने कहा कि इस पृष्ठभूमि में मलिन बस्तियों के बाहरी लोगों को सदस्य बनाया जाना चाहिए। जनता के मुद्दों को सामने रखकर संघर्ष करने का नतीजा है कि जो भाजपा शहर में चौथे स्थान पर थी, वह आज पहले स्थान पर पहुंच गयी है। पार्टी का सक्रिय सदस्य बनने के लिए कम से कम 100 लोगों को सदस्य बनाना होगा। तब वे पार्टी में जिम्मेदारियां संभालने के पात्र हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि सदस्यता अभियान प्रक्रिया के तकनीकी पहलू अभी भी समझ में नहीं आ रहे हैं, तो उन्हें महत्व-पूर्ण लोगों से मिलना चाहिए और किसी भी भ्रम को दूर करना चाहिए। भाजपा शहर अध्यक्ष केम्पनहल्ली पुशवराज, जिला भाजपा अध्यक्ष एमआर देवराज शेट्टी, महासचिव डॉ. नरेंद्र, बेल-वादी रवींद्र, नेता प्रेम कुमार, बी राजप्पा, जसंतनिल कुमार, पवित्रा, संतोष कोटयान, बसवराज, जी शंकर उपस्थित थे।

कांग्रेस प्रतिशोध की राजनीति कर रही: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस युवा विंग के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कांग्रेस पर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी से डरी हुई है। निखिल ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस कुमारस्वामी को निशाना बना रही है, क्योंकि वह हमेशा दस्तावेजों के सहारे बोलते रहे हैं। कांग्रेस के नेता इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि कुमारस्वामी केंद्रीय मंत्री बन गए हैं। वे सभी उनसे डरे हुए हैं, क्योंकि वह सच बोलते हैं और जनता के सामने सब कुछ रख देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता केंद्रीय मंत्री के खिलाफ पुराने मामलों को खोदने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और पूरा मंत्रिमंडल कुमारस्वामी के खिलाफ दस्तावेज खोजने की कोशिश कर रहा है, ताकि उनकी छवि खराब की जा सके। निखिल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री का उनके खिलाफ कथित डीनोटिफिकेशन मामले से कोई लेना-देना नहीं है। कुमारस्वामी पहले ही इस पर स्पष्टीकरण दे चुके हैं। जेडी(एस) युवा विंग के अध्यक्ष ने कहा यह मामला 2015 में दर्ज किया गया था और इसका उनसे कोई लेना-देना नहीं है। निखिल ने कहा कि एनडीए का उम्मीदवार चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा इस मुद्दे पर भाजपा आलाकमान के स्तर पर पहले ही चर्चा हो चुकी है। राज्य के भाजपा नेताओं ने भी कुमारस्वामी से मुलाकात की है और इस मामले पर चर्चा की है। उपचुनाव की तारीखों की घोषणा अभी होनी बाकी है।

114 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर उपकरण की खरीद में भ्रष्टाचार : एन. रविकुमार

डॉ. शरण प्रकाश पाटिल से इस्तीफा मांगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार ने कहा कि चिकित्सा उपकरणों की खरीद में 117 करोड़ का घोटाला हुआ है और राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरणप्रकाश पाटिल को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने मांग की कि मामले की जांच एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश या एक स्वतंत्र जांच निकाय द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को तुरंत मंत्री डॉ. शरणप्रकाश पाटिल से इस्तीफा मांगना चाहिए। हम इसकी शिकायत मंगलवार को लोकायुक्त से करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष से चर्चा कर राज्यपाल को भी अनुरोध सौंपा जायेगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग में बड़ा घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा कि हावेरी, गुलबर्गा, कोप्पल, यादगिरि, बेंगलूरु, मैसूरु आदि राज्य के 18 मेडिकल कॉलेजों के लिए 114 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर उपकरण खरीदे गए हैं और 176.70 करोड़ खर्च किए गए हैं। टेंडर मंगाने के लिए कंपनी का नाम बदल दिया गया और करोड़ों का भ्रष्टाचार हुआ है। ऐसी खबर है कि इस घोटाले में चिकित्सा शिक्षा मंत्री, चिकित्सा शिक्षा विभाग के आला अधिकारी शामिल थे। उन्होंने बताया कि सरकार 60 फीसदी और संबंधित संस्था 40 फीसदी राशि आंतरिक संसाधन से दे रही है। केरल मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की एमएस क्रिएटिव हेल्थ टेक प्राइ-वेट लिमिटेड, जिसने पहले 50 उपकरणों की आपूर्ति की थी, ने समान मॉड्यूलर थिएटर उपकरण के लिए प्रत्येक के लिए लगभग 50 लाख का टेंडर रखा था। 3 साल की वारंटी बताई गई है। उन्होंने बताया कि बेलगावी स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने केआईएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के लिए मॉड्यूलर थिएटर के लिए शिवॉन इंडिया कंपनी को 1.10 करोड़ (एमएस क्रिएटिव 50 लाख छोड़कर) का ऑर्डर दिया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रत्येक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर के लिए 1 करोड़ 29 लाख 69 हजार रुपए और जीएसटी 23,33,800 रुपए के साथ कुल 1.52 करोड़ रुपए में एक साल की वारंटी के लिए एमएस लक्ष्मण्या वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। उन्होंने कहा कि केरल में इसे करीब 50 लाख में खरीदा गया होगा। उन्होंने कहा कि कीमत केरल की कंपनी की तुलना में लगभग 3 गुना अधिक है और यह एक घोटाला है। उन्होंने कहा कि 114 उपकरणों के लिए 117 करोड़ रुपये फिजू-लखर्ची है। टेंडर में करोड़ों रुपये की दलाली दी गई है। टेंडर में 4 कंपनियों ने बोलियां जमा की और 3 कंपनियों ने खारिज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी भी कंपनी से यह नहीं पूछा गया कि कितनी बोली लगाई है और इसकी जानकारी भी नहीं दी गई।

असहाय अवस्था में मिला बुजुर्ग व्यक्ति

सामाजिक कार्यकर्ता ने की मदद

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी में जिला नागरिक समिति ने असहाय अवस्था में एक बुजुर्ग व्यक्ति को बचाया। वह व्यक्ति सड़क पर फंसा हुआ था, खुद की देखभाल करने में असमर्थ था और उसे तत्काल सहायता की आवश्यकता थी। जिला नागरिक समिति के संयोजक और सामाजिक कार्यकर्ता नित्यानंद ओलाकाडू ने व्यक्ति को उचित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की। ओलाकाडू ने बुजुर्गों, विशेष रूप से परित्यक्त या असुरक्षित परिस्थितियों में रहने वाले लोगों के लिए आश्रय और पुनर्वास प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि बचाए गए व्यक्ति को वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन द्वारा संचालित पुनर्वास केंद्र में ले जाया जाए, जहां उसे आवश्यक देखभाल और सहायता मिल सके। ओलाकाडू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस तरह की घटनाएं लगातार हो रही हैं और परित्यक्त वरिष्ठ नागरिकों के मुद्दे को संबोधित करने के लिए अधिक सामुदायिक भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने बुजुर्गों को समय पर सहायता प्रदान करने के लिए अधिक मजबूत प्रणालियों की आवश्यकता पर बल दिया, जिनमें से कई परिवार के समर्थन के बिना रह गए हैं। वरिष्ठ नागरिकों की हेल्पलाइन, अन्य स्थानीय सेवाओं के साथ, यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि ऐसे व्यक्तियों को वह देखभाल दी जाए जिसके वे हकदार हैं। जिला नागरिक समिति के त्वरित हस्तक्षेप की बदौलत अब बचाए गए व्यक्ति को उचित पुनर्वास और देखभाल मिलने की उम्मीद है।

सेक्स स्कैंडल्स से भाजपा और जेडीएस पार्टियों के करिश्मे पर लग रहा झटका!

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा और जद (एस) नेताओं के खिलाफ सिलसिलेवार सेक्स स्कैंडल के आरोपों ने राज्य में पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया है और कार्यकर्ताओं में असंतोष और भ्रम पैदा किया है। साथ ही इन आरोपों से विपक्षी दलों का नैतिक बल कमजोर हुआ है और सरकार के खिलाफ संघर्ष खड़ा करने में झटका लगा है। रमेश जारकीहोली, प्रज्वल रेवन्ना, सूरज रेवन्ना, रेवन्ना, मुनिरत्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप और गिरफ्तारी की घटना ने भाजपा और जेडीएस नेताओं को शर्मनाक स्थिति में डाल दिया है। इसके साथ ही भाजपा में आधा दर्जन से ज्यादा नेता ऐसे हैं जो अपने खिलाफ किसी आपत्तिजनक वीडियो को जारी होने से रोकने के लिए कोर्ट जा चुके हैं। इनमें दो पूर्व मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। इस बीच पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ भी पॉक्सो का मामला दर्ज किया गया है। ऐसा आरोप एक महिला ने लगाया है। कोर्ट ने इस मामले में येदियुरप्पा की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। प्रज्वल रेवन्ना, एचडी रेवन्ना और सूरज रेवन्ना पर गंभीर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था। इस मामले में जहां एचडी रेवन्ना और सूरज रेवन्ना को जमानत मिल गई है, वहीं प्रज्वल रेवन्ना हिरासत में जेल में हैं। इस मामले से भाजपा और जेडीएस को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। इससे अगर हासन में जेडीएस की हार हुई तो राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को भी शर्मिंदगी उठानी पड़ी। इस मामले में भाजपा के पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा पर भी आरोप लगे। वहीं भाजपा में रामदास और अरविंद लिंबावली पर भी ऐसे आरोप सुनने को मिले। इन सबका असर उनके राजनीतिक जीवन पर पड़ा है। भाजपा कोलकाता में हुए रेप मामले के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग कर रही है। यह ठीक भी है। लेकिन कर्नाटक में भाजपा और गठबंधन पार्टी के नेताओं, विधायकों, पूर्व सांसदों, पूर्व मुख्यमंत्रियों पर लगे इन तमाम आरोपों पर भाजपा आलाकमान क्या करेगा? यह भी संदिग्ध है। पार्टी के इन सभी घटनाक्रमों से कार्यकर्ताओं में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। भाजपा खुद को अनुशासन वाली पार्टी कहती है। हालांकि, पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच ऐसी स्थिति है कि वे पार्टी नेताओं पर लगे आरोपों का विरोध और बचाव नहीं कर पा रहे हैं। जद(एस) पार्टी के कार्यकर्ता भी इसके अपवाद नहीं हैं। सामान्य तौर पर यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोपों की सुनवाई होने पर पार्टी द्वारा की गई कार्रवाई बहुत महत्व-पूर्ण होती है। यह सच है कि अगर कार्रवाई के बजाय औचित्य होगा तो इससे पार्टी के करिश्मे को और नुकसान होगा।

कर्नाटक सत्र न्यायालय अभिनेता दर्शन की जमानत याचिका पर आज करेगा सुनवाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। 102 दिनों की गिरफ्तारी के बाद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन ने रेणुकास्वामी हत्याकांड में सत्र न्यायालय में जमानत याचिका दायर की है। इसके बाद उनके वकील ने मामले की आपातकालीन सुनवाई की गुहार लगाई। हालांकि, न्यायालय ने विशेष लोक अभियोजक को नोटिस जारी कर मामले की सुनवाई सोमवार के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, इस क्रूर हत्याकांड में मुख्य आरोपी दर्शन की साथी पवित्रा गौड़ा ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में जमानत याचिका दायर की थी, लेकिन बाद में इसे वापस ले लिया। दर्शन के वकील ने गिरफ्तारी के बाद पहली बार जमानत याचिका दायर की हैं। उम्मीद थी कि वे आरोपपत्र दाखिल होने के तुरंत बाद जमानत याचिका दायर करेंगे। हालांकि, यह कदम 4 सितंबर को आरोपपत्र दाखिल होने के दो सप्ताह बाद उठाया गया। पवित्रा गौड़ा और अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाएं पहले निचली अदालत ने खारिज कर दी थीं। मामले में राज्य की अलग-अलग जेलों में बंद पवित्रा और 15 आरोपी भी अपनी जमानत याचिका दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भी 10 सितंबर को एक गैग ऑर्डर जारी किया था, जिसमें दर्शन के खिलाफ दायर आरोपपत्र के विवरण को प्रसारित करने, छापने या प्रसारित करने से मीडिया आउटलेट्स को प्रतिबंधित किया गया था। अदालत ने केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि मीडिया घराने आदेश का पालन करें। यह आदेश दर्शन द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में पारित किया गया था, जिसमें आरोपपत्र और अन्य संबंधित सामग्रियों से गोपनीय जानकारी के प्रसार को रोकने के लिए निर्देश मांगा गया था, क्योंकि मामला अभी भी न्यायिक प्रक्रिया में है। दर्शन को फार्मासिस्ट रेणुकास्वामी की हत्या के सिलसिले में 11 जून को गिरफ्तार किया गया था। रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर दर्शन की लंबे समय से साथी पवित्रा गौड़ा को अनुचित संदेश भेजे थे। दर्शन, पवित्रा और 15 अन्य पर 9 जून को बेंगलूरु में जब्त वाहनों की पार्किंग के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शेड में रेणुकास्वामी को प्रताड़ित करने और मारने का आरोप है। बाद में उन्होंने शव को एक स्टॉर्मवॉटर ड्रेन के पास फेंक दिया। पवित्रा को मुख्य आरोपी बनाया गया है, जबकि दर्शन को दूसरा आरोपी बनाया गया है। अग्रहारा जेल में विशेष लाभ प्राप्त करने की तस्वीरें वायरल होने के बाद दर्शन को 29 अगस्त को बेल्लारी जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था।

पीओके के लोग भारत में विलय के इच्छुक, हम स्वागत को तैयार: राजनाथ

जम्मू, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले (पीओके) कश्मीर के निवासी हमारे भाई हैं और हम उस हिस्से का भारत में विलय करना चाहते हैं।

श्री सिंह ने चुनाव प्रचार के तहत एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पीओके के लोग भारत में मिलना चाहते हैं क्योंकि वे जम्मू-कश्मीर में हो रहे बदलाव और भारत में हो रहे विकास से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, हम पीओके के लोगों को खुले दिल से गले लगाने और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पाकिस्तान पर हमला करते हुए कहा कि वह सांपों को पाल रहा है और उनका व्यापार करने के परिणाम हमेशा बुरे होते हैं। रक्षा मंत्री ने राजौरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, पाकिस्तान ऐसी स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि सांपों को पालने और उनका व्यापार करने के हमेशा बुरे परिणाम होते हैं।

श्री सिंह ने कहा कि आतंकवाद के निर्यात का पाकिस्तान का कारोबार अब धीमा पड़ गया है और जम्मू-कश्मीर की धरती से इसे पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीमा पार से पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने की मांग कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, भारत में रहने वाले नेताओं को इन चुनावों में केवल अपने देश की राजनीति करनी चाहिए, पाकिस्तान की ओर से नहीं बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से आने वाले लोग बार-बार टूटे हुए इंडिया समूह के मुद्दे क्यों उठा रहे हैं... इसकी क्या जरूरत है। ये वही लोग हैं जिन्होंने पुलवामा की घटना, सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक पर सवाल उठाए और सबूत मांगे। यही सवाल पाकिस्तान से आ रहे हैं, ऐसा क्यों होता है, उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के गलवान का मुद्दा भी उठाया।

श्री सिंह ने कहा, यह स्पष्ट है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस-पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी एजेंडा चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

मैं सीमा पार सभी को बताना चाहता हूं कि भारत अब जम्मू-कश्मीर की धरती पर पाकिस्तानी एजेंडा चलने नहीं देगा। लोगों ने बहुत बलिदान दिये हैं और आतंकवाद ने अनगिनत परिवारों को बर्बाद कर दिया है। दुनिया की कोई भी ताकत जम्मू-कश्मीर को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा, पाकिस्तान दुनिया के सबसे गरीब और सबसे बुरे लोगों का अंतरराष्ट्रीय ब्रांड एंबेसडर बन गया है। वे अपने देश की देखभाल नहीं कर सकते, लेकिन हमेशा भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करते रहते हैं। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से सात अरब अमेरिकी डॉलर के बेलआउट पैकेज का आग्रह किया है। पाकिस्तान आईएमएफ से जो पैकेज मांग रहा है, भारत सरकार ने पीएम पैकेज फंड के तहत जम्मू-कश्मीर को उससे दस गुना ज्यादा पैकेज मंजूर किया है।

रक्षा मंत्री ने कहा, पाकिस्तान भीख मांगने की स्थिति में पहुंच गया है, क्योंकि सांप पालने और उनका कारोबार करने वालों का यही हश्र होता है। पाकिस्तानी आतंकवाद का निर्यात खत्म होने के कगार पर है और मैं, भारत का रक्षा मंत्री, आपको आश्वासन देता हूं कि जम्मू-कश्मीर की धरती से आतंकवाद का खात्मा किया जाएगा।

पीएम मोदी ने जापान और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों के साथ की द्विपक्षीय बैठकें

विलमिंगटन (फिलाडेल्फिया), 22 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को क्वाड नेताओं की छठवीं शिखर बैठक के इतर जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज़ के साथ अलग अलग मुलाकातें कीं और भारत के इन दोनों देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री श्री मोदी और जापान के प्रधानमंत्री श्री किशिदा की मुलाकात में दोनों नेताओं ने अपनी कई बातचीतों, खासकर मार्च 2022 में अपने पहले वार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद से हुई भेंटों को गर्मजोशी से याद किया। प्रधानमंत्री ने पिछले वर्षों में भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझीदारी को आगे बढ़ाने में उनके अटूट समर्पण और नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री किशिदा को धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझीदारी के 10वें वर्ष में होने और इस दौरान संबंधों में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों की समीक्षा की और रक्षा और सुरक्षा संबंधों तथा बी2बी और पी2पी सहयोग सहित सहयोग को और गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जापानी प्रधानमंत्री किशिदा को विदाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता और पूर्णता की कामना की।

इसके बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री अल्बानीज़ की मुलाकात हुई। मई 2022 के बाद से यह उनकी नौवीं व्यक्तिगत बातचीत थी। दोनों नेताओं ने राजनीतिक और रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और निवेश, शिक्षा और अनुसंधान, जलवायु परिवर्तन और नवीकरणीय ऊर्जा और लोगों से लोगों के संबंधों जैसे व्यापक क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। भारत एवं आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने स्वीकार किया कि उच्च-स्तरीय संपर्कों की आवृत्ति ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत गति प्रदान की है। दोनों नेताओं ने बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझीदारी को और भी अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सरकार की नाकामी का परिणाम है सड़कों पर उतरे लोग: जयराम

शिमला, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि प्रदेश की सुक्खू सरकार पूरी तरह से नाकाम हो गई है। आज प्रदेश का हर वर्ग सरकार के खिलाफ सड़कों पर है। बीते रोज़ सरकार के खिलाफ विभिन्न संगठनों ने प्रदेश भर में प्रदर्शन भी किया।

श्री ठाकुर ने रविवार को यहां जारी बयान में कहा कि लगभग डेढ़ साल में ही प्रदेश के सभी वर्ग द्वारा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने के पीछे की वजह है कि सत्ता में आने के लिए कांग्रेस ने चुनाव के दौरान बड़े बड़े वादे किए व झूठी गारंटियां दी। लेकिन सत्ता में आने के बाद सारी की सारी गारंटियां भूल गए और एक तानाशाह की तरह शासन करने लगे। जब मन में आया डीजल के दाम बढ़ा दिए, सीमेंट के दाम बढ़ा दिए, डिपुओं में मिलने वाले राशन के दाम बढ़ा दिए। जब मन में आया कर्मचारियों का डीए रोक दिया, वेतन को विलंबित करने का फार्मूला भी सरकार की इसी नासमझी और दूरदर्शिता रहित सोच का परिणाम है।

श्री ठाकुर ने कहा कि आज प्रदेश के ख़िलाफ़ समाज का कोई एक वर्ग अथवा संगठन ही नहीं हैं बल्कि सभी वर्गों के लोग सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, सड़कों पर आ रहे हैं, प्रदर्शन कर रहे हैं इसके बाद भी सरकार लोगों की भावनाओं को समझ नहीं पा रही है। लोगों की अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पा रही है। मुख्यमंत्री समेत पूरी सरकार के लिए यह आत्मचिंतन का समय है कि मात्र 21 महीने के कार्यकाल में ही ऐसी स्थितियां क्यों आ गई। सरकार को यह स्वीकार करना होगा कि वह पूरी तरह के फेल हो चुके है। चुनाव के समय प्रदेश के लोगों से किया गया एक भी वादा वह निभा नहीं पाए है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार ने समूचे प्रदेश के लोगों को निराश किया है। सरकार के अब तक का प्रदर्शन देखकर लोगों का सरकार से भरोसा उठ चुका है। क्योंकि यह सरकार अपनी नाकामी को स्वीकार नहीं कर रही है और जब तक अपनी नाकामी को स्वीकार नहीं करेगी अब तक सुधार की कोई गुंजाइश भी नहीं होने वाली है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से निवेदन करते हुए कहा कि वह प्रदेश की ज़मीनी हक़ीक़त को समझें और लोगों के हितों के लिए एक कल्याणकारी राज्य के मुखिया की तरह कार्य करें। अगर समाज का हर वर्ग सरकार के ख़िलाफ़ आंदोलित है तो यह स्पष्ट है कि सरकार हर मोर्चे पर नाकाम है। सरकार जनता की अपेक्षाओं की उपेक्षा नहीं कर सकती है।

तीर्थयात्री ने सुरक्षा गार्ड की पिस्तौल से खुद को गोली मार की आत्महत्या

अमृतसर, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

पंजाब के अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब के पास एक तीर्थयात्री ने सुरक्षा गार्ड की पिस्तौल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह घटना पवित्र स्थल के घंटाघर प्रवेश द्वार के पास शनि मंदिर के बाहर हुई, जिससे आगंतुकों के बीच अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी अनुसार प्रवासी पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश को सौंपी गई सुरक्षा टुकड़ी से बंदूक हासिल करने में कामयाब रहा, जो उस दिन श्री हरमंदिर साहिब का दौरा कर रहे थे।

पुलिस और सुरक्षाकर्मी न्यायाधीश के साथ तैनात थे, और यह घटना तब हुई जब एएसआई अश्विनी कुमार मौजूद थे। पुलिस के अनुसार, अज्ञात व्यक्ति ने एएसआई अश्विनी कुमार से हथियार छीनने के बाद खुद को गोली मार ली, जो न्यायाधीश के साथ पायलट वाहन में सुरक्षा दल का हिस्सा थे। दुखद रूप से, तीर्थयात्री की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस दुखद घटना के आसपास की परिस्थितियों की जांच करने के कारण क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। पुलिस मृतक और घटना से पहले की घटनाओं के बारे में अधिक जानकारी जुटाने के लिए काम कर रही है।

भारत ने प्रशांत क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक समझौतों पर किए हस्ताक्षर

डेलावेयर (अमेरिका)/ नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत ने शनिवार को डेलावेयर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में समृद्धि के लिए भारत-प्रशांत क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक समझौते (आईपीईएफ) के तहत स्वच्छ अर्थव्यवस्था, निष्पक्ष अर्थव्यवस्था और आईपीईएफ व्यापक व्यवस्था पर केंद्रित अपनी तरह के पहले समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह जानकारी रविवार को एक सरकारी विज्ञप्ति में दी गई।

विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। श्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्वच्छ अर्थव्यवस्था, निष्पक्ष अर्थव्यवस्था और व्यापक आईपीईएफ समझौते पर केंद्रित इन तीन समझौतों पर हस्ताक्षर और अनुसमर्थन के लिए इस महीने की शुरुआत में मंजूरी दे दी थी। इन समझौतों पर गत 06 जून को सिंगापुर में आईपीईएफ मंत्रिस्तरीय बैठक में सदस्यों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। उस समय भारत ने तब औपचारिक रूप से इस पर हस्ताक्षर नहीं किए थे क्योंकि इसके अनुमोदन के लिए देश में आंतरिक प्रक्रिया चल रही थी।

सरकार के अनुसार व्यापक आईपीईएफ समझौते के अंतर्गत स्वच्छ अर्थव्यवस्था संबंधित समझौते का उद्देश्य तकनीकी सहयोग, कार्यबल विकास, क्षमता निर्माण और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देना है और ऊर्जा सुरक्षा और संक्रमण, जलवायु लचीलापन और अनुकूलन और ग्रीनहाउस गैसे (जीएचजी) उत्सर्जन शमन की दिशा में आईपीईएफ भागीदारों के प्रयासों को सामूहिक रूप से तेज करने के उद्देश्य से स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु-अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास, पहुंच और तैनाती की सुविधा के लिए सहयोग करना है। यह समझौता क्षेत्र में निवेश, विशेष रूप से छोटे और मझोली उद्योग (एमएसएमई) उद्योगों के लिए रियायती वित्तपोषण, संयुक्त सहयोगी परियोजनाओं, कार्यबल विकास और तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण सहित परियोजना वित्तपोषण की सुविधा प्रदान करेगा और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं विशेष रूप से भारत में भारतीय कंपनियों के एकीकरण की सुविधा प्रदान करेगा। ये गतिविधियाँ सहकारी कार्य कार्यक्रम, आईपीईएफ कैटेलिटिक कैपिटल फंड, आईपीईएफ एक्सेलेरेटर आदि जैसे संयुक्त सहयोगी कार्यों के माध्यम से की जाएंगी। आईपीईएफ के व्यापक समझौते के तहत निष्पक्ष अर्थव्यवस्था संबंधी समझौते का उद्देश्य पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद व्यापार और निवेश वातावरण बनाना है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, आईपीईएफ भागीदार रिश्वतखोरी सहित भ्रष्टाचार को रोकने और मुकाबला करने में अपने प्रयासों को बढ़ाने और कर पारदर्शिता, सूचना के आदान-प्रदान, घरेलू संसाधन जुटाने और कर प्रशासन में सुधार के लिए पहल का समर्थन करने के लिए सहयोग करेंगे। व्यापक आईपीईएफ समझौता एक छतरी नुमा प्रशासनिक समझौता है जिसमें एक मंत्री-स्तरीय निरीक्षण तंत्र स्थापित करने की व्यवस्था है। यह तंत्र सामान्य मार्गदर्शन और लक्ष्य निर्धारित करते हुए व्यापक समझौते के विभिन्न स्तंभों के बारे में सदस्य देशों के नेताओं के दृष्टिकोण और जनादेश का मार्गदर्शन करने का एक उच्च स्तरीय राजनीतिक निरीक्षण ढांचा स्थापित करेगा। इस समझौते में मुख्य रूप से प्रशासनिक और संस्थागत प्रावधान शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, सात पर 31 लाख का इनाम

दंतेवाड़ा/बीजापुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान नक्सली आंदोलन को गहरा झटका देते हुए चार महिला समेत सात इनामी माओवादियों के साथ कुल 12 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया।

दंतेवाड़ा से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को तीन महिला नक्सलियों और एक पुरुष नक्सली ने आत्मसमर्पण कर दिया। इन नक्सलियों पर कुल 20 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस ने यह जानकारी दी।पड़ोसी सुकमा जिले के रहने वाले इन चारों लोगों को 25-25 हजार रुपये की सहायता दी गई है और सरकार की नीति के अनुसार उनका पुनर्वास लोन वर्राटू (स्थानीय गोंडी बोली में बोले जाने वाला शब्द जिसका अर्थ है अपने घर/गांव वापस लौटो) अभियान के तहत किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि एक दंपति समेत चार नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि इनमें से हुंगा तामो उर्फ तामो सूर्या (37) और उसकी पत्नी आयती ताती (35) माओवादियों की क्षेत्रीय कंपनी नंबर-2 में सक्रिय थे और दोनों पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इसके अलावा दो महिला नक्सलियों देवे उर्फ विज्जे (25) और माडवी पर क्रमशः तीन लाख रुपये और एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। वहीं बीजापुर से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक जिले में माओवादियों के पार्टी विलय दिवस के पहले दिन शनिवार को हिंसा छोड़कर आठ सक्रिय माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

इनमें आठ लाख रुपये के इनामी प्लाटून नम्बर 12 का कमाण्डर, दो लाख की इनामी प्लाटून नम्बर 02 की पार्टी सदस्या, एक लाख के इनामी जनताना सरकार अध्यक्ष कुल 11.00 लाख के तीन ईनामी माओवादी सहित कुल आठ माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पित नक्सली वर्ष 1994 से कई बड़ी घटनाओं आगजनी, मुठभेड़, हत्या, लूटपाट, आईडी ब्लास्ट, अपहरण और हत्या जैसे बड़ी घटनाओं में शामिल थे। कुछ नक्सलियों पर वारंट भी लंबित थे। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक वर्ष 2024 में अब तक 178 माओवादियों ने किया पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण, वहीं विभिन्न माओवादी घटनाओं में शामिल 378 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया। छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति तथा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चलाये जा रहे नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर गंगालूर एरिया कमेटी, नेशनल पार्क एरिया कमेटी एवं उसूर-पामेड़ एरिया कमेटी के प्लाटून मांडर (पीपी-सीएम), पार्टी सदस्य एवं जनताना सरकार अध्यक्ष सहित आठ माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने पर इन्हें उत्साहवर्धन हेतु शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत 25000-25000 रुपए की नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

जम्मू कश्मीर में प्रचंड बहुमत से बनेगी भाजपा की सरकार: यादव

सांबा (जम्मू कश्मीर), 22 सितंबर (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को दावा करते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर में प्रचंड बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनेगी। डॉ. यादव ने जम्मू-कश्मीर के घगवाल में आज सांबा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सुरजीत सिंह सलाथिया के समर्थन में आयोजित विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता-जनार्दन का उत्साह और समर्थन देखकर स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने जा रही है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि नेशनल कान्फ्रेंस और कांग्रेस के नेता पाकिस्तान की भाषा बोल रहे है। उन्होंने कहा कि समझ में ही नहीं आ रहा है कि इनकी पार्टी का रजिस्ट्रेशन और कार्यालय नई दिल्ली में है या इस्लामाबाद में है। जो कहते थे कि अनुच्छेद 370 हटा तो खून की नदियां बह जाएंगी, आज वे जहां भी होंगे, देख रहे होंगे। वर्तमान में देश प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के गलत निर्णयों ने राज्य को प्रगति पथ पर आगे नहीं बढ़ने दिया। आज जम्मू-कश्मीर नव ऊर्जा के साथ नवीन ऊंचाइयों को स्पर्श करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में चहुंमुखी प्रगति और समृद्धि के नए कीर्तिमान रचते जम्मू-कश्मीर की जनता ने तय कर लिया है कि वह प्रगति व विकास के साथ शांति, सुरक्षा और राष्ट्रवाद के लिए मतदान करेगी, कमल के फूल को अपना सम्पूर्ण आशीर्वाद देगी।

21 साल से फरार इनामी अपराधी बिहार बार्डर से गिरफ्तार

रूद्रपुर/नैनीताल, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड में विगत 21 साल से फरार नाबालिग के अपहरण के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर 25000 रुपए का ईनाम भी घोषित था।

ऊधम सिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मणिकांत मिश्रा के अनुसार वर्ष 2003 में ऊधम सिंह नगर के किच्छा स्थित चुटकी देवरिया से एक 13 साल की नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया गया था। तब नाबालिग स्कूल गयी थी। नाबालिग के पिता विजेन्द्र मूल निवासी सेलोर, जिला सीवान, बिहार की ओर से किच्छा थाना में नाबालिग की गुमशुदगी दर्ज करायी गयी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस को जांच में नाबालिग के अपहरण के तथ्य हाथ लगे तथा अपहरण में सुरेन्द्र महतो और उसके भाई छोटे लाल निवासी महुआ, थाना बरमटियागंज, बिहार का हाथ पाया गया। छोटे लाल को पुलिस ने वर्ष 2004 में गिरफ्तार कर लिया और जेल भेज दिया था जबकि सुरेन्द्र महतो फरार हो गया। इसी दौरान अदालत ने आरोपी को फरार घोषित कर दिया। आरोपी की तलाश में बिहार, उप्र, झारखंड और छत्तीसगढ़ पुलिस टीमें भेजी गयीं लेकिन आरोपी हाथ नहीं आया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी पर 25000 रुपये का ईनाम घोषित कर दिया। इसी दौरान किच्छा के वरिष्ठ उप निरीक्षक उमेश कुमार की अगुवाई में पुलिस की एक टीम आरोपी की तलाश में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर गयी हुई थी। पुलिस टीम को पता चला कि आरोपी बिहार बार्डर पर उप्र के देवरिया चंदौली में छिपा हुआ है। पुलिस टीम ने चंदौली में छापा मार कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस रविवार को आरोपी को किच्छा लेकर पहुंची और मीडिया के सामने पेश किया गया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

7015 कुख्यात अपराधियों पर हुई एसटीएफ की कार्रवाई

सात साल में 49 अपराधी मुठभेड़ में ढेर

लखनऊ, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराध और अपराधियों की लगातार कमर तोड़ रही है। इसी के तहत यूपीएसटीएफ ने प्रदेश के दुर्दांत अपराधियों, अवैध नशे के सौदागरों, हथियार तस्करों, साइबर अपराधियों समेत परीक्षा माफिया के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रदेश में 7 हजार से अधिक कुख्यात और इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 49 कुख्यात अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। वहीं, बड़ी मात्रा में अवैध हथियार, नशीला पदार्थ, प्रतिबंधित जानवरों की खाल व हड्डियां भी बरामद की हैं। इसके अलावा, एसटीएफ ने अपनी सूझबूझ से 559 से अधिक अपराधिक घटनाओं को घटित होने से पहले ही रोककर अपराधियों की योजना को नाकाम कर दिया।

एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप, प्रदेश में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए एसटीएफ की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, एसटीएफ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में कुल 7,015 कुख्यात और इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है जबकि इस दौरान 49 अपराधी मारे गये। इन

सभी पर 10 हजार से लेकर 5 लाख का इनाम घोषित था। इसके अलावा, जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सजगता और सतर्कता के फलस्वरूप 559 से अधिक अपराधिक घटनाओं को घटित होने से पहले रोका गया। इसमें जनप्रतिनिधि, प्रतिष्ठित व्यक्ति, आम नागरिकों के अपहरण, लूट, हत्या जैसे अपराध की घटनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही 3970 संगठित अपराधियों को अरेस्ट किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एसटीएफ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक जैसी धांधली को रोकने एवं जड़ से खत्म करने के लिए 193 गिरोहों के 926 सरगना और साल्वरों के खिलाफ कार्रवाई की। एसटीएफ की इस कार्रवाई से युवाओं में योगी सरकार की साख बढ़ी है। वहीं, साइबर अपराधों में लिप्त 379 साइबर अपराधियों को भी दबोचा गया है।

इसके अलावा, अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर 189 अपराधियों की गिरफ्तारी कर उनके कब्जे से 2080 अवैध शस्त्र और 8229 अवैध कारतूस बरामद किए गए हैं। एसटीएफ ने अवैध शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों से शराब की तस्करी करने वाले 523 शराब तस्करों को गिरफ्तार कर उनसे 80579 पेटी शराब, 330866 लीटर रेक्टिफाइड स्प्रिंट और 7560 लीटर तैयार देशी शराब बरामद की गई है।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी दीपक सिंह ने बताया कि एजेंसी ने मादक पदार्थों के अवैध व्यवसाय में लिप्त 1082 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास से 91147.48 किलो गांजा, 2054.651 किलो चरस, 19727.1 किलो डोडा/पोस्ता, 7.06 किलो मॉरफीन, 723.758 किलो स्मैक, 21.521 किलो हेरोइन, 181.012 किलो अफीम, 6.1 किलो ब्राउन शुगर, 6.938 किलो मैथाड्रोन और 280899 अदद प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद की गयी। इस दौरान मादक पदार्थों के परिवहन में प्रयुक्त वाहनों की भी बरामदगी करते हुए उचित कार्रवाई की गई। वहीं, प्रतिबन्धित वन्य जीवों का शिकार कर उनकी तस्करी करने वाले विभिन्न गिरोह के 170 अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 341 किलो कछुआ कैलीपी, 2 पैगोलिन, 1 बाघ की खाल, 18 किग्रा बाघ की हड्डी, 2 अदद हाथी दांत, 8011 कछुए, 4922 प्रतिबंधित पक्षी, 1 लकड़बग्धे का कंकाल, 20 अदद ग्रे लंगूर, 1 तेंदुए की खाल, 4.12 किलो अम्बरगेरिस, 1 पैंगोलीन स्कलप, 4 जंगली शूकर के दाँत, 563.1 किग्रा लाल चन्दन की लकड़ी, 44 हाथी दांत से बनी वस्तुएं, 25 अदद तेंदुए के दांत, 24 अदद तेंदुए के नाखून, 110 सियार सिंगी, 140 इंद्रजाल के पेड़, 1 बाघ का ढांचा, 1 अजगर और 1 स्नेक बरामद किया गया। वहीं, इनके लिए प्रयुक्त किये जाने वाले वाहन, नगद धनराशि आदि की भी बरामदगी की गई। इस दौरान एसटीएफ ने कुल 2670 सराहनीय कार्य किए।

साइबर अपराधियों पर काल बनी योगी सरकार

379 बड़े साइबर अपराधियों को भेजा गया जेल

लखनऊ, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रदेशवासियों की गाढ़ी कमाई पर डाका डालने वाले साइबर अपराधियों पर नकेल कसने के लिए कई बड़े कदम उठाए। इनमें 18 रीजनल साइबर क्राइम थानों, डिजिटल फॉरेंसिक लैब समेत हर थाने में साइबर हेल्प डेस्क आदि शामिल है। वहीं सीएम योगी के निर्देश पर साइबर अपराधियों को नेस्तनाबूद करने के लिए एसटीएफ द्वारा पिछले साढ़े सात वर्षों में बड़ी कारवाई की गई है। एसटीएफ की कार्रवाई में साइबर अपराध में लिप्त 379 साइबर अपराधियों को अरेस्ट किया गया है। इनमें एसजीपीजी-ीआई की एसोसिएट प्रोफेसर को डिजिटल अरेस्ट करके करीब 2 करोड़ की ठगी करने वाले गैंग के 16 साइबर अपराधी भी शामिल हैं, जिन्हे एसटीएफ ने लखनऊ और गौतमबुद्धनगर से अरेस्ट किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देशभर में बढ़ते साइबर अपराध को देखते हुए प्रदेश में साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए रीजनल साइबर क्राइम थानों, डिजिटल फॉरेंसिक लैब समेत कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये। इसके साथ ही प्रदेश में साइबर अपराध को रोकने, बड़े साइबर अपराधियों और गिरोह की कमर तोड़ने के लिए यूपीएसटीएफ को लगाया। इसी का परिणाम है कि पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रदेश में साइबर अपराध के मामलों में काफी गिरावट दर्ज की गई है। सीएम योगी के निर्देश पर यूपीएसटीएफ ने साइबर अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया, जो आज भी जारी है। इस दौरान एसटीएफ ने क्लोन चेक बनाकर बैंक से ठगी, फर्जी टेलीकॉलिंग सेंटर से ऑनलाइन ठगी, बीमा कंपनियों के नाम पर ठगी समेत फर्जी बीमा कंपनी खोलकर ठगी करने वाले दर्जनों गिरोह का पर्दाफाश किया। एसटीएफ ने इस कार्रवाई में पिछले साढ़े सात वर्षों में 379 साइबर अपराधियों को सलाखों के पीछे धकेला है। इस दौरान एजेंसी ने बड़ी मात्रा में कंप्यूटर, लैपटॉप, वॉकी टॉकी, मोबाइल, सिम कार्ड, नकदी समेत अन्य सामान बरामद किया है। एसटीएफ ने प्रदेश में सबसे बड़े ऑनलाइन ठगी के गिरोह का भंडाफोड़ कर 105 साइबर अपराधियों को अरेस्ट किया। इस गिरोह के पास से करीब 2 लाख प्वाइंट डाटा (रिलायंस फ्यूचर, एक्साईड, बिरला सन लाइफ, मैक्स लाइफ, पीएनबी मेट लाइफ, एचडीएफसी एग्रो, पेटीएम ऑनलाइन शॉपिंग, शायक्लूज, फ्लिपकार्ट, इंडिया शॉपिंग मॉल) प्राप्त हुआ, जिसके जरिए गिरोह ठगी को अंजाम दे रहा था।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी दीपक सिंह ने बताया कि प्रदेशभर में साइबर अपराधियों की दबोचने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। पिछले साढ़े सात वर्षों में सबसे अधिक गौतमबुद्धनगर, लखनऊ, गाजियाबाद में अभियान चलाकर साइबर अपराधियों को पकड़ा गया है।

इनमें सबसे अधिक गौतमबुद्धनगर में 225 बड़े साइबर अपराधियों, लखनऊ से 116 अपराधियों, गाजियाबाद से 9 अपराधियों, प्रयागराज, आगरा और दिल्ली के पांच-पांच साइबर ठगों को दबोचा गया है। इसी तरह प्रतापगढ़, जौनपुर, कानपुर नगर से एक-एक, फतेहपुर, गोरखपुर से चार-चार, राजस्थान के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा वाराणसी के ऑनलाइन ठगी के मामले में बिहार से एक साइबर ठग को ट्रांजिस्ट रिमांड पर लेकर कई ठगी के मामलों का खुलासा किया गया।

अब अयोध्या के सपा सांसद का बेटा बौराया

अपहरण और मारपीट का मामला दर्ज

विधानसभा उपचुनाव लड़ने की कर रहा तैयारी

अयोध्या, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजित प्रसाद के खिलाफ अपहरण और मारपीट करने का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि जमीन विवाद में एक युवक को अगवा कर उसके साथ मारपीट करने के मामले में सपा सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे और उप-चुनाव में सपा से मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के दावेदार अजित प्रसाद समेत तीन लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

दर्ज एफआईआर में पूराकलंदर थाना क्षेत्र के पलिया रिसाली निवासी रवि तिवारी ने बताया कि क्षेत्र के अंकवारा निवासी शीतला प्रसाद की जमीन बेचने के एवज में उन्होंने एक लाख रुपये शीतला प्रसाद को दिए थे। यह जमीन उन्होंने सांसद के पुत्र अजीत प्रसाद और राजू यादव को बैनामा करवा दिया। एक लाख रुपये का चेक अजीत प्रसाद ने उन्हें दिया था। 21 सितंबर को वह सिविल लाइन में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा के पास खड़े थे। तभी सांसद पुत्र अजीत प्रसाद, सिपाही शशिकांत राय और राजू यादव पहुंचे और उन्हें गाड़ी में जबरदस्ती बैठा लिया, उनसे मारपीट भी की और कुछ दूर ले जाकर उन्हें छोड़ दिया। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

तिरुपति प्रसादम षडयंत्र

मथुरा-वृंदावन में भी प्रसाद की जांच शुरू

मथुरा, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

तिरुपति बालाजी का मामला सामने आने के बाद मथुरा में खाद एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम अलर्ट हो गई है। टीम ने पिछले 48 घंटे में तीन मंदिरों के बाहर बिक रहे प्रसाद के सैंपल एकत्रित किए हैं। उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया है। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रसाद में मिलावट का मामला सामने आने के बाद टीम ने बांके बिहारी मंदिर श्री कृष्ण जन्मभूमि और गोवर्धन मंदिर के बाहर प्रसाद की दुकानों से सैंपल भरे हैं। उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने के बाद साफ हो पाएगा कि प्रसाद में किसी तरह की मिलावट है या नहीं। उन्होंने बताया कि सोमवार से पूरे जनपद में बृहद स्तर पर प्रसाद की जांच के लिए टीम कार्रवाई करेगी ।

रामपुर में नए कानून के तहत पहली सजा

दुष्कर्म के दोषी को 26 दिन में 20 साल की कैद

रामपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

बालिका के साथ दुष्कर्म के दोषी को कोर्ट ने 20 साल की कैद और एक लाख रुपए जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने 26 दिन में अपना फैसला सुनाया है।

नए कानून के तहत जिले में पहली सजा है। 27 अगस्त को मामले में आरोप तय होने के बाद कोर्ट ने मात्र 12 तारीखों में यह फैसला सुना दिया।

अदालत ने इस मुकदमे का संज्ञान 21 अगस्त को लिया था। मामला बिलासपुर कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी से जुड़ा है। कॉलोनी निवासी एक मजदूर की पांच वर्ष की बेटी अपनी बहन दो वर्षीय बहन के साथ घर में खेल रही थी। पड़ोस में ही रहने वाला आरोपी अश्वनी उसकी गैरमौजूदगी में घर में घुस गया और उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया।

चीखने पर बालिका की मां और पिता आ गए। आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजन बालिका को लेकर पहले रुद्रपुर और फिर हल्द्वानी के अस्पताल पहुंचे, जहां पर उसका उपचार हुआ। घटना की रिपोर्ट वादी ने ग्राम बांदा भड़याल थाना ताडीयावावा जिला हरदोई निवासी अश्वनी के खिलाफ दर्ज कराई।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की। शनिवार को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट रामगोपाल सिंह की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुमित शर्मा ने वादी मुकदमा सहित आठ गवाहों के बयान दर्ज कराए। साथ ही बालिका की मेडिकल रिपोर्ट और बयानों का हवाला देते हुए आर-ोपी को कड़ी सजा देने की मांग की। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि आरोपी को झूठा फंसाया गया है। घटना का कोई स्वतंत्र साक्षी नहीं है, लिहाजा आरोपी को बरी किया जाए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अश्वनी को दोषी मानते हुए 20 साल की कैद और एक लाख रुपए का जुर्माना अदा करने की सजा सुना दी।

इससे पहले कोर्ट ने दुष्कर्म के दो मामलों में 40 दिन में फैसला सुनाया था, जिसमें एक मामला अजीमनगर थाना क्षेत्र के एक गांव का है।

जिसमें दुष्कर्म करने वाले दोषी हेमकरन को छह साल की बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। जबकि दूसरा मामला स्वार कोतवाली क्षेत्र का है, जिसमें कोर्ट ने दोषी कुलदीप को 40 दिन में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

चित्रकूट के आध्यात्मिक और पर्यटक स्थलों के विकास पर सरकार का जोर

लखनऊ, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार का प्रदेश में पर्यटन विकास पर सर्वाधिक जोर है। ऐसे में, पर्यटन के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश के मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन के तौर पर स्थापित हो रहा है। प्रदेश देश तथा विदेश के सैलानियों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और इस प्रक्रिया में और बढ़ोत्तरी हो इसलिए योगी सरकार द्वारा विभिन्न मंडलों में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए कई प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसी क्रम में, चित्रकूट मंडल के जिलों में भी पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख विकास व निर्माण कार्यों को गति देने की रूपरेखा तय कर ली गई है।

परियोजना के अंतर्गत चित्रकूट के प्रसिद्ध रामघाट के सौंदर्यीकरण, विकास व

चौड़ीकरण की प्रक्रिया को 18.30 करोड़ की लागत से पूरा किए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। वहीं, चित्रकूट के लालापुर व बांदा में कलिंजर फोर्ट के समीप टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर, महोबा में सालट फोर्ट के समीप पार्किंग व टूरिस्ट फैसिलिटी को बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, चित्रकूट के चर स्थित सोमनाथ मंदिर व हमीरपुर के पातालेश्वर मंदिर में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने तथा चित्रकूट में वाल्मीकि आश्रम के समीप म्यूजियम के निर्माण कार्य को भी जल्द पूरा किए जाने पर फोकस किया जा रहा है। इन सभी निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड को सौंपी गई है।

सीएम योगी के विजन अनुसार, चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के किनारे स्थित रामघाट पर बड़े स्तर पर सौंदर्यीकरण प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। यह कार्य इस प्रकार होगा कि यह सांस्कृतिक व शहरी कायाकल्प की मिसाल पेश करेगा। मान्यता है कि यह वही स्थल है जहां गोस्वामी तुलसीदास जी को प्रभु श्रीराम के दर्शन हुए थे। ऐसे में, इस स्थल की आध्यात्मिक व ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित करते हुए उसे मॉडर्न सिविक एमेनिटीज से युक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परियोजना के अंतर्गत रामघाट पर 18.30 करोड़ रुपए की लागत से सौंदर्यीकरण, चौड़ीकरण संपर्क मार्ग के सुधार व विस्तारीकरण व पर्यटक सुविधाओं के निर्माण व विकास प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। इस कार्य को वर्षा अवधि के अतिरिक्त 2 वर्षों की समयावधि में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

परियोजना के अंतर्गत चित्रकूट के लालापुर व बांदा में कलिंजर फोर्ट के समीप टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर तथा महोबा में सालट फोर्ट के समीप पार्किंग व टूरिस्ट फैसिलिटीज को बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा। लालापुर में टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर संबंधी कार्यों को 7.01 करोड़ की लागत से जबकि व बांदा में कलिंजर फोर्ट के समीप 3.83 करोड़ रुपए की लागत से कार्यों को पूरा किया जाएगा। इन दोनों कार्यों को वर्षा अवधि के अतिरिक्त 12 व 9 महीनों की समयावधि में पूरा किया जाएगा। वहीं, महोबा के सालट फोर्ट के समीप पार्किंग व टूरिस्ट फैसिलिटीज के विकास को वर्षा अवधि के अतिरिक्त 9 महीने में 3.81 करोड़ की लागत से पूरा किया जाएगा। चर में सोमनाथ महादेव मंदिर में वर्षा अवधि के अतिरिक्त 9 महीनों की समयावधि में टूरिस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर व विकास कार्यों को 1.48 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। वहीं, हमीरपुर के पातालेश्वर महादेव मंदिर में पर्यटन विकास प्रक्रिया को 6 महीने के अंदर 68.86 लाख रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। इसी प्रकार, चित्रकूट में वाल्मीकि आश्रम के समीप म्यूजियम के निर्माण कार्यों को भी जल्द पूरा किए जाने पर फोकस किया जा रहा है।

चिकोरी कॉफी कमा रही नाम 12 देशों में लोग ले रहे स्वाद

अलीगढ़ और एटा में हो रही चिकोरी कॉफी की खेती

अलीगढ़, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

विदेशों में बनने वाली कॉफी में अलीगढ़ मंडल की चिकोरी भी घुल रही रही है। यहां की चिकोरी 12 देशों में कॉफी के स्वाद और खुशबू को बढ़ा रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में इसका 184 करोड़ रुपये का बड़ा निर्यात हुआ है। स्थानीय स्तर पर भी देश की नामीगिरामी कॉफी निर्माता कंपनियां इसकी खरीदारी कर रही हैं। जिससे इसका कारोबार 200 करोड़ रुपए के पार पहुंच रहा है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में एटा से 122 करोड़ रुपए की चिकोरी का निर्यात हुआ है। 15 हजार 197 मीट्रिक टन चिकोरी विदेशों में भेजी गई है। चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल से अगस्त के बीच 1514 करोड़ रुपए का निर्यात हुआ है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में अलीगढ़ जिले से पहली बार 62 करोड़ रुपए की चिकोरी विदेश भेजी गई है। चिकोरी प्रोटीन और विटामिन से भरपूर होती है। इसको कॉफी में मिलाया जाता है। जिससे कॉफी की खुशबू और स्वाद बढ़ जाता है। चिकोरी का तैयार पाउडर 100 रुपए, कच्चा फल 37 रुपए और रोस्टेड फल 54 रुपए किलो के भाव से निर्यात किया जा रहा है। अलीगढ़ के छर्रा, अतरौली और इगलास में किसान इसकी पैदावार करते हैं। अतरौली और इगलास में इसके 15 प्लांट स्थापित हैं। अलीगढ़ जिले से पहली बार 62 करोड़ रुपए की चिकोरी का निर्यात इस वर्ष हुआ है। अब इसके आगे बढ़ने की उम्मीद है। पहली अक्टूबर से चिकोरी का बीज मिलना शुरू हो जाएगा।

यहां पैदा होने वाली चिकोरी यूक्रेन, ताइवान, तुर्किए, वियतनाम, इंडोनेशिया, बेलारूस, अल्जेरिया, अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, मलयेशिया सहित 12 देशों में भेजी जा रही है। चिकोरी एक पौधे की जड़ है। इस पौधे का वानस्पतिक नाम चिकोरियम एंटीबस है। इसका बीज थाईलैंड से आता है। जिसे अक्टूबर में बोया जाएगा। इसकी फसल मार्च में तैयार होगी। इसकी जड़ में विषाक्तता मुक्त करने के लक्षण होते हैं। ये वजन कम करने और किडनी की पथरी के उपचार में भी मदद करता है। इसमें जिंक, मैग्नीशियम, कैल्शियम, लौह, फोलिक पोटेशियम, विटामिन, ए, बी-6 सी, ई और के होता है। इसकी जड़ को सुखाकर रोस्ट कर कॉफी में मिलाया जाता है।

एटा में इसके निर्यात की शुरुआत वर्ष 2007 से हुई थी। उस वक्त एक ही फर्म मुरली कृष्णा चिकोरी ने यह काम शुरू किया था। इसके बाद वर्ष 2015 में मुरली कृष्ण फूड और वर्ष 2016 में जूपिटर फूड प्राइवेट लिमिटेड भी निर्यात में उतर आई है। जिले में लगभग 85 चिकोरी के प्लांट स्थापित है। दस बड़ी कंपनियां इसका पाउडर बना कर निर्यात कर रही हैं।

रोशनी छीन सकता है आईलाइनर लगाने का गलत तरीका

आईलाइनर आंखों की खूबसूरती में चार चांद लगा देता है। छोटी आंखें भी आईलाइनर लगा लेने भरी से और खूबसूरत लगने लगती हैं। लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। लगत तरीके से आईलाइनर नगाने से न सिर्फ मेकअप खराब होता है, बल्कि आपकी आंखों को काफी नुकसान पंहुचा सकता है। आई एंड कांटेक्ट लेंस जर्नल में प्रकाशित एक नए शोध के अनुसार यदि लैश लाइन की रेखा के भीतर आईलाइनर लगाया जाए तो ये नजर को धुंधला कर सकता है।

मोटे होने का सपना हुआ साकार

कहते है मोटापा हर किसी को परेशान करता है, लेकिन इस महिला का सपना ही था की वे मोटी हो जाए, दरअसल इस महिला का सपना था की वे दुनिया की सबसे मोटी महिला बने, जिसके चलते इस महिला ने 721 किलो का वजन बढाकर खुद के लिए एक नई मुसीबत पैदा कर ली क्यूंकि इस महिला ने 10 साल तक हर दिन 13,000 कैलोरी खाकर खुद का वजन बड़ा लिया, जिससे इनका ब्रेकअप हो गया।

पास्ता खाने का शौक बना सकता है डिप्रेशन का मरीज

अगर आप पास्ता खाने के शौकीन हैं तो आपको सावधान होने की जरूरत है क्योंकि पास्ता खाने से आप डिप्रेशन के मरीज बन सकते है। जी हां, ज्यादा मात्रा में कार्बोहाइड्रेट आपके भीतर चिड़चिड़ापन और चिंता बढ़ा सकता है। एक रिसर्च के मुताबिक चावल और पास्ता जैसी खाने की चीजें आपको डिप्रेशन का शिकार बना सकती हैं, पर इस खतरे को अनाज और हरी सब्जियां कम कर सकती हैं।

क्या है गोलगप्पे की असलियत?

गोलगप्पे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आने लगता है। चटाखेदार मसाला पानी, उबले आलू मटर से भरे गोल-गोल गोलगप्पों को बच्चे से लेकर बड़े सभी बहुत शौक से खाते हैं। चटपटे पानी से भरे इन गोलगप्पों को हर अवसर के मेन्यू में शामिल किया जाता है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसे ज्यादा मात्रा में लेने से आपके शरीर का पाचन तंत्र भी प्रभावित होता है यह सूजी से भी बनाएं जाते है और आटे से भी। ये जायकेदार गोलगप्पे भारत के कई राज्यों में खाए जाते हैं और इन्हें हर जगह अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है।

गोलगप्पे के अलग-अलग नाम

दिल्ली शहर मे बिना सूजी के गोलगप्पे खाए और बिना चटपटा पानी पिए खरीददारी अधूरी लगती है। वहीं यह मुंबई में पानी पुरी के नाम से जाने जाते है और कोलकाता मे फुचके। इसके अलावा गुजरात के कुछ हिस्सों में इन्हें पकौड़ी भी कहा जाता है। यहां इसमें सेव और प्याज भी डाली जाती है। इसका पानी पुदीना और हरी मिर्च के पेस्ट से तैयार किया जाता है जो गाढ़ा होता है। चटक मसाले वाला पानी गोलगप्पे में डाल कर खाने का मजा ही कुछ और है लेकिन इसको बनाने की विधि शायद आप नहीं जानते हों। लेकिन आज हम आपको इसके बनाने का तरीका बताने वाले हैं, जिसको देखकर शायद आप गोलगप्पे खाना छोड़ दें और आपके मुंह में जो गोलगप्पों को देखकर पानी आ जाता है वह भी आना बंद हो जाएगा।

गोलगप्पे बनाने का गलत तरीका

जी हां गोलगप्पों के पीछे छिपी एक ऐसी सच्चाई जो अगर आपको पता चल जाए तो शायद आप अगली बार गोल गप्पे खाने की हिम्मत न कर सकें। और ऐसा देखकर ये तो पक्का है कि आपके मुंह में पानी नही आएगा लेकिन हां उबकाई जरूर आ सकती है। तो देर किस बात की आइए जानें क्या है वह सच्चाई। दरअसल हर गली मोहल्ले में बिकने वाले इस स्वादिष्ट गोलगप्पे को जिस आटे से तैयार किया जाता है उसे गूंथने के लिए काफी समय और मेहनत लगती है। इसे हाथों से गूंथना थोड़ा मुश्किल होता है इसलिए इसे बनाने वाले कारीगर इसे जमीन पर रखकर पैरों से गूंथते हैं। साथ ही गोलगप्पों का लजीज स्वाद आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक हो सकता है। डीप फ्राई की हुई ये पूरियां आपके लिए पूरी तरह से हानिकारक हैं। क्योंकि इन्हें तलने के लिए बार-बार एक ही तेल का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा इसकी चटनी और पानी आपको पेट के लिए हानिकारक होते हैं। क्यों अब क्या कहना है आपका इन गोलगप्पों के बारे में! जी हां, आप इसे कितना भी साफ सुथरा मान लें लेकिन यह उतना साफ होता नहीं है। तो देर न करें बल्कि अपने परिवार के लोगों और दोस्तों के साथ भी इस जानकारी को शेयर करें, क्योंकि जिसे आप अच्छा समझ कर खा रहे हैं वह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

ज्यादा डकार आना गंभीर बीमारियों का संकेत

जिस प्रकार हम सामान्य रूप से हवा अंदर लेते हैं तो उसी तरह वो बाहर भी निकलती है, जिसे हम डकार कहते हैं। अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। यह एक प्राकृतिक क्रिया है और आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि खाया गया भोजन हजम हो जाने का डकार एक संकेत होता है। वास्तविकता में ऐसा नहीं है, जब खाना खाते समय या उसके बाद बार-बार डकार आए इसका मतलब है कि खाने के साथ ज्यादा मात्रा में हवा निगल ली गई है। यह पेट से गैस के बाहर निकलने का एक प्राकृतिक तरीका है, और अगर पेट से हवा बाहर न निकले तो यह पेट से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, जैसे पेट में तेज दर्द या पेट में अफारा आदि। लेकिन अगर डकार ज्याद आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। तो चलिए जानें कि कैसे ज्यादा डकार आना हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का इशारा -

ऐरोफेजिया होने पर

अकसर ऐसा होता है कि हम खाना खाते समय ज्यादा हवा पेट में निगल जाते हैं और फिर डकारें आने लगती हैं। इस स्थिति को ही ऐरोफेजिया की स्थिति कहते हैं। कुछ खाते या पीते समय हवा पेट में चले जाने से अकसर ऐरोफेजिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे समस्या से बचने के लिए छोटे निवाले लें और मुंह बंद करके धीरे-धीरे खाने को चबा कर निगलें।

बदहजमी की समस्या

जिन लोगों को बहुत ज्यादा डकार आती हैं, उनमें से लगभग 30 प्रतिशत लोगों को कब्ज की समस्या होती है। इस समस्या के होने पर खाने में उपयुक्त मात्रा में फाइबर शामिल करें और ईसबगोल का भी सेवन करें। इसके अलावा हाज़मा खराब होना, जिसे हम बदहज़मी कहते हैं, की वजह से भी ज्यादा डकार आने की समस्या होती है। ऐसे में डकार आने के साथ पेट में दर्द भी हो सकता है।

डिप्रेशन का संकेत

तनाव कई समस्याओं का अकेला कराण होता है। तनाव या किसी बड़े भावनात्मक परिवर्तन का प्रभाव हमारे पेट पर भी पड़ता है। कई अध्ययनों में भी ये बात सामने आई है कि लगभग 65 प्रतिशत मामलों में मूड में त्वरित व बड़ा बदलाव या तनाव का बढ़ना ज्यादा डकार आने का कारण बनता है।

जीइआरडी

गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज या सीने में तेज जलन के कारण भी ज्यादा डकार आती हैं। इस बीमारी से आंतों में जलन होने लगती है और आहार नलिका (फूट पाईप)में एसिड बनने लगता है। इसमें बचाव के लिए खानपान और जीवनशैली में कई सकारात्मक व स्वस्थ बदलाव करने की जरूरत होती है।

पेप्टिक अल्सर

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम होने पर रोगी को कब्ज, पेट दर्द, मरोड़ व दस्त आदि हो सकते हैं। साथ ही इस रोग का एक बड़ा लक्षण बहुत ज्यादा डकार आना भी हो सकता है। दुर्भाग्यवश इरिटेबल बाउल सिंड्रोम का कोई पक्का इलाज अभी तक मौजूद नहीं है। इस समस्या के अलावा पेप्टिक अल्सर के कारण भी ज्यादा डकारे आ सकती हैं। दरअसल जब आपके पाचन तंत्र को पेट की गैस से और एच.पायलोरी नामक बैक्टीरिया से क्षति पहुंचती है तो डकार आने लगती हैं।

अचानक कॉफी पीना बंद करने से बढ़ती है निगेटिविटी

इसमें कोई संदेह नहीं है कि कॉफी, डायबटीज, कैंसर और कई गंभीर बीमारियों को होने से बचाती है। कॉफी में एल्कॉयड होता है जिसकी वजह से ब्रेन सक्रिय रूप से कार्य करता है। एक कप कॉफी को सुबह-सुबह पीने के बाद आपको अच्छा महसूस होता होगा, फ्रैश लगता होगा। कई लोगों को दिन में कई बार या दो बार कॉफी पीने की आदत भी होती है। पर तब क्या होता है जब आप अचानक से कॉफी पीना बंद कर देती हैं या देते हैं, तब शरीर कैसे रिएक्ट करता है।

जब आप लम्बे समय तक कॉफी का सेवन करते आ रहे होते हैं और अचानक से उसे पीना छोड़ देते हैं, तो आपका शरीर एक असंतुलन महसूस करता है। इस वजह से उन दिनों आलस बना रहता है और दिन भर बोझिलता सी महसूस होती है। साथ ही व्यक्ति की प्रोडक्टिविटी भी कम हो जाती है। आप किसी प्रकार अपने दैनिक कार्यों को करने लग जाएंगे, लेकिन आपकी मानसिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ने लगेगा। आपको लगेगा कि अब आप पहले की तरह फास्ट तरीके से नहीं सोच पाते हैं। साथ ही आपको अपनी ऊर्जा में भी गिरावट महसूस होगी। बेहतर होगा कि आप उस समय मीठे फल अवश्य खाएं। ऐसे में एकदम कॉफी न छोड़ें। रात को सोते समय चाहें तो कॉफी पी लें। हर्बल टी भी सबसे अच्छा विकल्प है। इससे आपको रिलैक्स महसूस होगा और नींद भी अच्छी आएगी। साथ ही आप खुद को ऊर्जावान भी महसूस करेंगे।

> अपने मनपसंद खाने को देखकर किसी का भी मन ललचा सकता है। और कभी-कभी अगर ज्यादा खा भी लिया जाए तो कोई बात नहीं, लेकिन अगर यह आदत बन जाए तो फिर आपको बार-बार भूख लगती है जो आपके लिए अच्छा नहीं हैं।

जानें क्यों लगती है बार-बार भूख...

मेडिकल भाषा में बार-बार भूख लगने को फूड एडिक्शन कहते हैं। रोजाना जरूरत से ज्यादा खाने को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। फूड एडिक्शन एक तरह का इटिंग डिसऑर्डर है। इसमें लोगो को बार-बार भूख लगती है। हालांकि ज्यादातर लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते, लेकिन इस पर अगर कंट्रोल न किया जाए, तो यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

बिना भूख के खाना: बार-बार खाने की आदत होने पर व्यक्ति खाता ही चला जाता है। वह खाने पर पूरी तरह कंट्रोल खो बैठता है। बिना भूख के भी थोड़े-थोड़े समय के बाद वह खाना खाता ही रहता है। उसे भरा हुआ पेट अच्छा लगने लगता है। पहले का खाना थोड़ा सा डाइजेस्ट होते ही वह दोबारा खा लेता है। कई बार तो वह खाना डाइजेस्ट होने का इंतजार भी नही करता और दोबारा खा लेता है।

एनर्जी लेवल: फूड एडिक्शन की एक खास वजह न्यूरोबायलॉजिकल इम्बैलेंस है। एक बार इसका लेवल बॉडी में गिरता है, तो व्यक्ति को कमजोरी महसूस होती है। वह फिर से खाना शुरू कर देता और फिर उसे बॉडी में एनर्जी बनाए रखने के लिए हमेशा खाना पड़ता है।

हालांकि, बार-बार खाने वाला व्यक्ति अपनी इस आदत से गिल्ट महसूस करता रहता है, लेकिन सिचुएशन ऐसी बन जाती है कि वह चाहकर भी कुछ नहीं कर सकता।

वजन बढ़ना व मोटापा: फूड एडिक्शन से वजन बढ़ना व मोटापा होता है। वजन बढ़ने से कई और बीमारियां आपको जकड़ लेती है। जैसे शरीर की काम करने की क्षमता कम हो जाती है और आप जल्दी थकने लगते हैं।

ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना: वह न चाहते हुए भी कई चीजें ऐसी ज्यादा खा लेता है जिनके ज्यादा खाने से कोलेस्ट्रॉल का खतरा बढ़ जाता है और इससे दिल का दौरा, हृदयघात जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

विदेशी भाषा में खास कैरियर

लीक से हटकर करियर के बहुत सारे ऐसे विकल्प भी होते हैं, जहां अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा का ज्ञान फायदेमंद हो सकता है। अगर आपको नई भाषाएं सीखना पसंद हैं, तो आप विदेशी भाषाओं को सीखकर उनमें अपना करियर बना सकते हैं। आज भारत के विभिन्न देशों से बढ़ते व्यापारिक एवं पर्यटन संबंधों ने देश के युवाओं के लिए सुनहरे भविष्य का रास्ता खोल दिया है। वैश्विक परिदृश्य में लगातार भारत में विदेशियों की आवाजाही बढ़ी है। दिन-प्रतिदिन बढ़ते वैश्वीकरण के चलते भारत में विदेशों से बहुत काम आ रहा है। इसके लिए कंपनियों को ऐसे लोगों की जरूरत है, जिन्हें विदेशी भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो। किसी भी भाषा का पुख्ता ज्ञान आपकी सफलता में सहायक सिद्ध हो सकता है। अब यह पुरानी बात हो गई कि जब अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में ही करियर बनाया जा सकता था। जर्मन, चाइनीज, स्पेनिश, फ्रेंच और अरबी भाषाओं की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी मांग रहती है। किसी भी विदेशी भाषा का कोर्स करने के लिए किसी खास विषय या स्ट्रीम से जुड़े होने की बाध्यता नहीं है।

अवसरों का खजाना

इस क्षेत्र में कई तरह के अवसर उपलब्ध हैं, जिनमें टूअर आपरेटर ऑनलाइन विषय लेखक, तकनीकी ट्रांसलेटर, डिकोडर, इंटरप्रेटर एवं ट्रांसलेटर आते हैं। विदेशी भाषाओं में शैक्षिक योग्यता टूरिज्म, मनोरंजन, जनसंपर्क एवं अन्य जनसंचार माध्यम, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, एंबेसी, डिप्लोमेटिक सेवाएं, प्रकाशन और बीपीओ क्षेत्रों में करियर बनाने में महत्त्वपूर्ण साबित होती है। टूरिज्म एवं कॉल सेंटर ऐसे क्षेत्र हैं जहां विदेशी भाषा के कुशल ज्ञान ने करियर के नए आयाम विकसित किए हैं। सरकारी कामों में फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी के अलावा पश्तो, उज्बेक, ताजिक और पुर्तगाली जानने वालों की भी आजकल काफी मांग है। अनुवादक एवं दुभाषिए से संबंधित नौकरियों के अलावा सचिव, एग्जीक्यूटिव और जनसंपर्क में भी रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

कोर्स के लिए योग्यता

इस कोर्स के लिए 12वीं होना अनिवार्य है । अलग-अलग संस्थान के लिए सीमाएं अलग-अलग है। प्रवेश परीक्षा से लेकर किसी में कट ऑफ लिस्ट या फिर सीधे दाखिले का भी चयन है। कई छात्रों का मानना है कि अगर उनकी अंग्रेजी अच्छी है तभी वे इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं लेकिन ऐसा सोचना गलत है। अगर आप हिंदी भाषा में निपुण हैं तो भी आप विदेशी भाषा को सहजता से सीख सकते हैं। बस आपकी किसी भी एक भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है और आपकी बातचीत का अंदाज अच्छा होना चाहिए ।

काम के हिसाब से वेतन

इस क्षेत्र में वेतन कार्य के हिसाब से मिलता है। अगर आप शिक्षण के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं, तो 25 से 30 हजार तक मासिक वेतन मिलता है। ट्रांसलेटर को 100 से 150 रुपए प्रति पेज के हिसाब से मिलते हैं। इंटरप्रेटर को घंटों के हिसाब से मेहनताना मिलता है। सरकारी संस्थानों में इंटरप्रेटर को 20 हजार तक मासिक वेतन मिलता है। विदेशी भाषा में करियर बनाने का अलग ही आनंद और आकर्षण है। विदेशी भाषा जानने से आप उस देश की संस्कृति और रहन-सहन से भी परिचित होते हैं। विदेशी भाषा के ज्ञान द्वारा उस देश के बारे में जानने का अवसर मिलता है। और तो और आपके विदेश जाने के अवसर बढ़ जाते हैं। विदेशी भाषा को सीखने के बाद सबसे बड़ी खूबी यह है कि आप कभी काम की कमी महसूस नहीं करेंगे। कोई भी कंपनी आपको हाथोंहाथ काम देगी।

डिग्री के साथ संवाद क्षमता

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए डिग्री के साथ-साथ संवाद की बेहतर क्षमता का होना जरूरी है। इसके लिए भाषा और संस्कृति का ज्ञान आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंपनियों के व्यवसाय का विस्तार होने से मांग बढ़ेगी। तकनीकी और फार्मास्यूटिकल कंपनियां, कार कंपनियां सभी जगह विदेशी भाषा के विशेषज्ञों की जरूरत पड़ रही है।

प्रमुख संस्थान

- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जेएनयूए नई दिल्ली
- आगरा विश्वविद्यालय, आगरा
- बीएचयू, वाराणसी
- कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता
- पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
- उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा
- पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
- लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

तीन तरह के कोर्स

सर्टिफिकेट कोर्स	अवधि दो साल
डिप्लोमा कोर्स	अवधि दो साल
डिग्री कोर्स	अवधि तीन साल

- बहुत से संस्थानों में बेसिक लेवल और एडवांस्ड लेवल दोनों ही कोर्स करवाए जाते हैं।
- इनमें स्नातकोत्तर डिग्री भी ली जा सकती है।

किस भाषा का है चलन

यूं तो विदेशी भाषा में कई भाषाएं शामिल हैं, जिनमें जापानी, अरैबिक, चाइनीज, स्पेनिश आदि शामिल हैं लेकिन अधिक चलन फ्रेंच और जर्मन भाषा सीखने का है । कई संस्थान ऐसे भी हैं जो केवल फ्रेंच या जर्मन भाषा ही सिखाते हैं और आप यहां से डिप्लोमा से लेकर एडवांस डिप्लोमा, डिग्री और चाहें तो मास्टर्स भी कर सकते हैं। इन भाषाओं में कोर्स करने के बाद आपके सामने रोजगार का खुला आसमान होता है।

रेसिपी

मुह्हामर्रा

सामग्री

3/4 कप कटे हुए अखरोट, 1 टी-स्पून कटा हुआ लहसुन, 3/4 कप ताज़े ब्रेड क्रम्ब्स, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1 टेबल-स्पून अनार के दाने, 5 टेबल-स्पून जैतून का तेल, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** हर्बड पीटा स्ट्रिप्स

विधि

सूखी लाल मिर्च को उपयुक्त मात्रा के गरम पानी में डालकर एक बाउल में रखें, ढक्कन से ढककर 15 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। अच्छी तरह छान लें। लाल मिर्च के साथ, सभी सामग्री को मिलाकर मिक्सर में पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। कम से कम 1 घंटे के लिए फ्रिज में रखकर, हर्बड पीटा स्ट्रिप्स् के साथ ठंडा परोसें।

नाचनी पनीर पॅनकेक

सामग्री

1 कप रागी/नाचनी का आटा, 1/2 कप कसा हुआ लो-फैट पनीर, 2 टेबल-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून तिल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1/4 कप कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1/2 टी-स्पून अदरक का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, **चुपड़ने और पकाने के लिए:** 2 1/2 टी-स्पून तेल, **परोसने के लिए:** हरी चटनी

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में लगभग 1 कप पानी के साथ अच्छी तरह मिला लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करे और द टी-सपून तेल से चुपड़ लें चम्मच भर घोल डालकर गोल घुमाते हुए 125 मिमी (5) व्यास के आकार का पॅनकेक बना लें। द टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

उम्मीद जगाती कश्मीर में लोकतंत्र की बयार

जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म होने के उपरांत एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनावों में मतदाताओं का उत्साह बताता है कि लोगों की लोकतंत्र में गहरी आस्था बरकरार है। पहले चरण में 24 सीटों के लिये हुए शांतिपूर्ण मतदान ने उम्मीद जगायी है कि शेष चरणों में भी यह उत्साह कायम रहेगा। हाल के दिनों में जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी हमलों की श्रृंखला ने शांतिपूर्ण मतदान को लेकर संशय पैदा कर दिया था। लेकिन चुनाव आयोग, राज्य प्रशासन व नेताओं द्वारा जनता को जागरूक करने का सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कुछ शिकवे-शिकायतों के बावजूद कश्मीर का जनमानस शांति व लोकतंत्र में विश्वास रखता है। बहुत सालों बाद कश्मीर में मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें दिखाई दी। ऐसा ही उत्साह हालिया लोकसभा चुनाव में दिखा था जब पिछले साढ़े तीन दशकों के मतदान का रिकॉर्ड टूटा था। इस बार का साठ फीसदी मतदान इसी कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है। निश्चित रूप से इन चुनावों को ऐतिहासिक कहा जा सकता है। साथ ही यह उन विदेशी ताकतों को करार जवाब है जो कश्मीर के मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण अपने निहित स्वार्थों के लिये करते रहे हैं। बहरहाल, साबित हुआ कि देश के अन्य भागों की तरह ही कश्मीर के लोग भी शांति व सुशासन चाहते हैं। वे भी महंगाई व बेरोजगारी से निजात चाहते हैं। इस चुनाव में उन्होंने अलगाववादियों को दरकिनार करके मतदान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बावजूद अनुच्छेद 370 हटाने व राज्य का दर्जा खत्म किये जाने के मुद्दे से बहुत लोग सहमत नहीं थे। कश्मीर को केंद्रशासित प्रदेश बनाये जाने को लेकर भी लोगों की राय में विभाजन देखा गया है। कतिपय राजनीतिक दलों के साथ ही कुछ लोगों ने अनुच्छेद 370 की वापसी व राज्यत्व बहाली के मुद्दे को तरजीह दी। बहरहाल, कुछ मुद्दों पर असंतोष के बावजूद लोगों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की है। विचारों में यह असहमति लोकतंत्र की खूबसूरती भी है। बहरहाल, राजनीतिक दल विशेष के एजेंडे के इतर हमें स्वीकार करना चाहिए कि भारत एक ऐसा गुलदस्ता है, जिसमें विभिन्न धर्मों व संस्कृतियों के लोगों की हिस्सेदारी रही है। किसी राज्य का विशेष स्वरूप देश-काल व परिस्थितियों के अनुरूप भी तय किया जाता रहा है। वो समय की जरूरत रही है। शेष देश को किसी भी राज्य के धार्मिक, सांस्कृतिक व विशिष्ट स्वरूप का सम्मान करना चाहिए। बहुत संभव है किसी क्षेत्र विशेष की सोच का साम्य शेष देश के मिजाज व जरूरतों से भिन्न हो। लेकिन यही विविधता किसी लोकतंत्र की खूबसूरती है और उसका सम्मान किया भी जाना चाहिए। हमें नहीं भूलना चाहिए कि घाटी के लोगों की आकांक्षाओं की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद लोकतंत्र में गहरी आस्था मजबूत हुई है। वहीं ध्यान रखना चाहिए कि भविष्य में बहुसंख्यक कश्मीरी समुदायों के हितों के साथ अल्पसंख्यक कश्मीरी ब्राह्मणों के हितों का संरक्षण भी किया जाए। जिन्हें कतिपय राजनीतिक दलों द्वारा प्रमुख मुद्दा बनाये जाने के बाद भी न्याय नहीं मिला। उम्मीद करें कि विधानसभा चुनाव के बाद जब राज्य में चुनी हुई सरकार अस्तित्व में आए तो राज्य का दर्जा वापसी के बाद रोजगार व विकास के मुद्दों को प्राथमिकता मिले। इस संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में शांति देश के हित में है। जिसके लिये केंद्र से पर्याप्त सहयोग अपेक्षित है। निस्संदेह, राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय हितों को दलीय हितों से ऊपर रखना चाहिए। चुनाव के पहले चरण में मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें बताती हैं कि राज्य के लोग शांति व लोकतांत्रिक व्यवस्था के पक्ष में हैं। यह सुखद ही है कि ये चुनाव राज्य में चुनाव बहिष्कार की धमकियों व चेतावनियों से मुक्त शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए हैं। मतदाताओं ने ऐसी किसी भी आवाज को तरजीह नहीं दी है। उम्मीद करें कि ये चुनाव आतंकवाद के खात्मे के लिये निर्णायक जनादेश लेकर आएं। ताकि राज्य कालांतर अलगाववादी सोच का खात्मा करने में सहायक साबित हो सके।

पहले चरण में 24 सीटों के लिये हुए शांतिपूर्ण मतदान ने उम्मीद जगायी है कि शेष चरणों में भी यह उत्साह कायम रहेगा। हाल के दिनों में जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी हमलों की श्रृंखला ने शांतिपूर्ण मतदान को लेकर संशय पैदा कर दिया था। लेकिन चुनाव आयोग, राज्य प्रशासन व नेताओं द्वारा जनता को जागरूक करने का सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। निष्कर्षत: कहा जा सकता है कुछ शिकवे-शिकायतों के बावजूद कश्मीर का जनमानस शांति व लोकतंत्र में विश्वास रखता है। बहुत सालों बाद कश्मीर में मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें दिखाई दी। ऐसा ही उत्साह हालिया लोकसभा चुनाव में दिखा था जब पिछले साढ़े तीन दशकों के मतदान का रिकॉर्ड टूटा था। इस बार का साठ फीसदी मतदान इसी कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है। निश्चित रूप से इन चुनावों को ऐतिहासिक कहा जा सकता है।

सोशल मीडिया के एंटी-सोशल हीरो मेंढकी के पैरों में घोड़े की नाल

अरविंद त्रिपाठी

तुम्हारे पांव के नीचे जमीन नहीं / कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं... दुष्यंत की ये पंक्तियां आज ज्यादा प्रासंगिक हो गई हैं। नई सदी में सोशल मीडिया ने खोखले सपनों को ऊंची उड़ान दी है। भारत में भ्रष्टाचार विरोधी राष्ट्र-व्यापी अन्ना हजारे के आंदोलन की व्यापकता ने सोशल मीडिया को देश में मजबूती दी थी। वैश्विक परिदृश्य में भी देखें तो विभिन्न सरकारों को अस्थिर करने के लिए सोशल मीडिया एक मजबूत अस्त्र की तरह इस्तेमाल हुआ। युवा पीढ़ी विशेषकर कम प्रतिभाशाली और पहचान के संकट से जूझ रहे कुंठित मानसिकता के लोगों की आत्मरति का प्लेटफॉर्म फेसबुक, ट्विटर (वर्तमान में एक्स), यूट्यूब, इंस्टाग्राम आदि बनते चले गए। लिखने को उन्होंने एक हथियार बनाया, जिसकी धार और मार पर किसी का नियंत्रण नहीं था। यह एक ऐसा मीडिया था जिसका नियामक संगठन और संपादक नहीं था, इसलिए अनियंत्रित और छुपे एजेंडा धारी लोगों को अपनी नकारात्मकता से बहुत लाभ हुआ।

सोशल मार्केटिंग एक नया शब्द-जाल बना, जिसने उन लोगों को रातों रात स्टार बनाया जिन्हें पड़ोसी भी ठीक से नहीं पहचानते थे। आज लगभग सभी व्यापारिक संगठनों, राजनेताओं, सिने जगत के कलाकारों और पब्लिक पर्सनालिटियों ने अपनी सोशल मीडिया टीम बना ली है या किसी प्रोफेशनल टीम को यह काम सौंप दिया है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि किसी भी विवाद के समय अपनी पोस्ट से पल्ला झाड़ने में आसानी रहती है और दोष सोशल मीडिया हैंडलर के मत्थे मढ़ देने की सुविधा रहती है। आप सभी को लोकसभा चुनाव के समय कांग्रेस पार्टी की प्रवक्ता के द्वारा भाजपा नेत्री पर की गई टिप्पणी का विवाद और उनके खुद को निर्दोष साबित करने की चालाकी का तरीका याद ही होगा। भ्रष्टाचार विरोधी राष्ट्र-व्यापी अन्ना हजारे के आंदोलन की व्यापकता ने सोशल मीडिया को देश में मजबूती दी थी।

हम सबने बचपन में अपनी दादी-नानी से अपनी चाल से मुग्ध मेंढकी की कहानी सुनी ही होगी। जिसकी छलांग देखकर उसके परिजन उसकी प्रशंसा करते और वह फूली न समाती। एक दिन उसे अपनी छलांग घोड़े जैसी लगने लगी। उसने सोचा क्यों न घोड़े की तरह अपने पैरों में लोहे की नाल ठुकवा ली जाए और अपनी जाति-प्रजाति में श्रेष्ठ हो जाया जाए। उसने लुहार से कहा और उसके हजार मना करने पर भी उसकी सलाह नहीं मानी। लुहार ने गरम नाल ठोकी और मेंढकी मर गई। यह कहानी सोशल मीडिया के माध्यम से नामचीन हुए लोगों, संस्थाओं और दलों पर सच साबित होती है। चमकीली पन्नी लगी दफ्ती की तलवार और काजल की मूंछ बनाकर क्रांतिकारी का अभिनय तो हो सकता है पर पहली ही बारिश में पोल खुलना तय है।

सोशल मार्केटिंग एक नया शब्द-जाल बना, जिसने उन लोगों को रातों रात स्टार बनाया जिन्हें पड़ोसी भी ठीक से नहीं पहचानते थे। आज लगभग सभी व्यापारिक संगठनों, राजनेताओं, सिने जगत के कलाकारों और पब्लिक पर्सनालिटियों ने अपनी सोशल मीडिया टीम बना ली है या किसी प्रोफेशनल टीम को यह काम सौंप दिया है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि किसी भी विवाद के समय अपनी पोस्ट से पल्ला झाड़ने में आसानी रहती है और दोष सोशल मीडिया हैंडलर के मत्थे मढ़ देने की सुविधा रहती है।

देश ने स्वयं को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की त्रयी कहने वाले अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और कुमार विश्वास का हश्र देख लिया है। उनकी राजनीति के उप-उत्पाद सत्येंद्र जैन, गोपाल राय, राघव चड्ढा, राखी बिड़लान, आतिशी सिंह मार्लेना, आदि अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं। इसी तरह, हत्या के मामले में आरोपी रहे लखनऊ के एक यूट्यूबर पत्रकार भी स्वयं को जोसेफ पुलित्जर से कम नहीं मानते।

छुटभैया पत्रकारिता के माध्यम से राजनेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों में दलाली के माध्यम से लोकप्रियता ने उन्हें ऊंची उड़ान दी। वर्तमान प्रदेश सरकार की निरंतर अनदेखी को उन्होंने अपनी कलम की ताकत माना। पिछले दस वर्षों में किसी ने रुपए देकर उनका एक भी अखबार नहीं खरीदा होगा। दिल्ली के तमाम बड़े पत्रकारों की यूट्यूब की सफलता से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी सोशल मार्केटिंग टीम और सरकार विरोधी मौसमी मेंढकों को एकत्र कर कर बनाए गए चैनलों को स्थापित कर दिया। इसी बीच उन्होंने अपने पंजों में लोहे की नाल खुदवा ली और एक बड़े सेठ को राष्ट्रसेवक घोषित कर उसका मुंबई वाला तालाब ज्वाइन कर लिया। सोचा होगा कि ग्लोबल हो लेंगे, परंतु भेष बदलकर उनके साथी बने आदमखोर भेड़ियों और चालाक लोमड़ियों ने मौसमी मेंढकों की खाल त्यागकर बड़े तालाब में अपनी हिस्सेदारी मांगकर तोतले मेंढक को जमकर धोना शुरू कर दिया। ठीक वैसे ही, जैसे आज भी कुमार विश्वास अपने पूर्व के साथियों के लिए कहते करते रहते हैं।

यह तो बानगी है, कुछ लोगों के गिरने की। न्यूटन ने सेब के गिरने को देखकर गुरुत्वाकर्षण का नियम दिया। काश, यदि उन्होंने आदमी के गिरने की गति का अध्ययन किया होता तो आज मानवता धर्म पर शोध हो रहा होता। भारतीय सभ्यता और दर्शन जिसमें श्रद्धा, समर्पण, धैर्य और संतुष्टि मूल शर्तें हैं, आज की चमक दमक और फर्जी उन्नति की चकाचौंध से प्रभावित नहीं होती।

इसीलिए सोशल मीडिया से उपजे लोग एंटीसोशल जीवन जीकर एकाकी ही रह जाते हैं।

दृष्टि कोण

यौन हिंसा की सोच के खिलाफ चले मुहिम

एक महीने से अधिक हो चला जब कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना हुई थी। इस किस्म के जघन्य कांड ने, वह भी एक सरकारी मेडिकल कॉलेज के अंदर, कोलकाता शहर या यूं कहें कि संपूर्ण पश्चिम बंगाल को झकझोर कर रख दिया। कोई हैरानी नहीं कि युवा डॉक्टर, छात्र, आम महिला-पुरुष और सांस्कृतिक अभिजात्य वर्ग, इनके स्वतःस्फूर्त सामाजिक आंदोलन ने काफी 'लोकप्रिय' रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हिलाकर रख दिया है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और आरोपियों की राजनीतिक पहुंच की कहानियां, प्रशिक्षु डॉक्टरों की सुरक्षा और सम्मान को खतरे का मुद्दा उजागर हुआ। बात जब निष्पक्ष जांच की आई तो राज्य सरकार पर भरोसे की कमी देखी गई। मुख्यमंत्री के लिए इस 'वैधता संकट' से उबरना आसान नहीं होगा। हमने इस आंदोलन के सकारात्मक पहलुओं पर भी गौर किया है : प्रशिक्षु डॉक्टरों का अपनी समस्याओं के लिए लड़ने पर दृढ़ निश्चयी होकर डटे रहना और विरोध करने का उत्सव सरीखा स्वरूप, जिसमें आम नागरिक सड़कों पर उतर रहे थे, देर रात तक सार्वजनिक स्थानों पर जमे रहकर 'न्याय' के गीत गा रहे थे। इसके अलावा, इस जनांदोलन को मुख्यधारा के राजनीतिक दलों के सीधे प्रभाव से बचाने का प्रयास संभवतः दर्शाता है कि 'राजनीति' विशेषकर, जिस किस्म की पेशेवर राजनेता कर रहे हैं, इसने हमारे वक्त में अपने लिए एक बुरा अर्थ अर्जित कर लिया है। हालांकि, तथ्य यह भी है कि इस किस्म के आंदोलन ज्यादा लंबा खिंचते नहीं। सीबीआई अपने निष्कर्षों को उजागर करेगी, सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला सुनाएगी, राज्य सरकार ने डॉक्टरों से समझौता किया, दोषियों को दंडित किया जाएगा, और कुछ -जिनमें मुख्यमंत्री भी शामिल हैं– अपराधी को मृत्युदंड देने का शोर मचाएंगे। फिर, सब कुछ पहले की भांति 'सामान्य' हो जाएगा! संभवतः, जो युवा डॉक्टर जो आज विरोध कर रहे थे, इनमें कुछ ऐसे होंगे जो 'सांसारिक' चीजों को अधिक प्राथमिकता देना शुरू कर देंगे, और आखिरकार किसी कॉर्पोरेट या निजी अस्पतालों का हिस्सा बनकर अपने अमीर ग्राहकों को एक वस्तु के रूप में 'अच्छा स्वास्थ्य' बेचते नज़र आयेंगे। और कोलकाता की गलियों में मुक्ति के गीत गाने वाला सांस्कृतिक अभिजात्य वर्ग भी अपने अनन्य कार्यक्षेत्रों में वापस रम जाएगा। इस बीच, हम बलात्कार की एक और कहानी के बारे में सुनेंगे... मत भूलें कि हमने अपने समाज में यौन हिंसा को लगभग रोजाना की सामान्य घटना बना डाला है। वार्षिक राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 2017 से 2022 के बीच, भारत में कुल 1.89 लाख बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। लेकिन वर्गों में बंटे और जाति-केंद्रित समाज से पीड़िता की परवाह की आस कौन करे, विशेष तौर पर यदि वह महिला एक वंचित समाज से, कोई घरेलू सहायिका या फिर किसी गुमनाम गांव की स्कूली छात्रा हो। तब कोई सामाजिक आंदोलन नहीं होगा, न ही कोई कोलकाता या दिल्ली की गलियों में लैंगिक न्याय के गीत गाएगा। वास्तव में यदि हम इस सड़ांध का विरोध और यौन हिंसा के वायरस से यथोचित रूप से मुक्ति हेतु एक समझदार समाज की ओर बढ़ने की कोशिश करना चाहते हैं, तो हमें 'विषाक्त मर्दानगी' नामक विकृति का मुकाबला करने के लिए एक और आंदोलन में हिस्सा लेने की जरूरत होगी- मानसिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक। खैर, हमारे परिवारों में, लड़के इस मान्यता के साथ बड़े होते हैं कि उन्हें दबंग, सख्त और बहादुर होना चाहिए। हालांकि, 'विषाक्त मर्दानगी' का जीवन को पुष्टि देने वाले गुण जैसे कि साहस, आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति से कोई लेना-देना नहीं है।

कुछ अलग

विस्फोटक पेजर

लेबनान व सीरिया में एक साथ हुए पेजर धमाकों ने इन देशों को ही नहीं, पूरी दुनिया को चौंकाया। लोगों को समझने में देर लगी आजकल उन्नत मोबाइल फोनों के दौर में पेजर का इस्तेमाल? दरअसल, तकनीकी तौर पर बेहद उन्नत इस्राइली फौज व दुनिया में तहलका मचाने वाली खुफिया एजेंसी मोसाद मोबाइल के जरिये अपने कट्टर दुश्मनों को निशाना बनाते रहे हैं। इसी वजह से ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के लड़ाके अपनी स्थिति गोपनीय रखने के मकसद से पेजरों का इस्तेमाल सूचना संकेतों के लिये करते रहे हैं। बहरहाल पेजर धमाकों की श्रृंखला में लेबनान में नौ लोगों के मरने व पौने तीन हजार लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। लेकिन वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है। वहीं सीरिया में पेजर धमाकों की श्रृंखला देखी गई। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम इस्राइल-हिजबुल्लाह संघर्ष के चिंताजनक स्थिति में पहुंचने का संकेत देता है। युद्ध में इस तरह की रणनीति का पहली बार दुनिया के सामने खुलासा हुआ है, जिसमें अपने विरोधी देश के संचार उपकरणों को निशाना बनाकर हमला किया गया हो। जो इस क्षेत्र में लंबे समय से जारी संघर्ष में परिष्कृत नई रणनीति को ही दर्शाता है। वहीं हिजबुल्लाह की सुरक्षा परत की कमजोरियों को भी उजागर करता है। निस्संदेह, हिजबुल्लाह ईरान समर्थित लेबनान की एक प्रमुख ताकत है, जो उन्नत इस्राइली ट्रैकिंग सिस्टम से बचने के लिये अपेक्षाकृत कम उन्नत तकनीक वाले उपकरण पेजर पर निर्भर रहा है। यही वजह है कि हिजबुल्लाह लड़ाकों, चिकित्सकों तथा नागरिकों द्वारा प्रयोग किये जाने वाले पेजर बेरूत के दक्षिणी उपनगरों व बेका घाटी सहित लेबनान के कई गढ़ों में एक साथ फट गए। अस्पताल की तरफ भागती सैकड़ों एंबुलेंसों से पूरे लेबनान में भय व असुरक्षा का माहौल बन गया। यहां तक कि सीरिया के कुछ हिस्सों में भी धमाकों की गूंज सुनायी दी, वहां भी हिजबुल्लाह के लड़ाके इससे प्रभावित हुए। बहरहाल, लेबनान व सीरिया में पेजर धमाकों की श्रृंखला पूरी दुनिया को कई सबक देती है कि संकटकाल में अपने संचार नेटवर्क को बाहरी हस्तक्षेप से बचाने के लिये बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। विज्ञान व तकनीकी उन्नति ने युद्धों का पूरा स्वरूप ही बदल दिया है। परंपरागत सेना व सुरक्षा की सारी अभेद्य दीवारें तकनीक के हमलों के आगे बेकार साबित हो रही हैं। बहरहाल, इन हमलों के लिये, इस्राइली खुफिया एजेंसी पर साजिश करने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, इस्राइल ने इन धमाकों को लेकर कोई दावा नहीं किया है, लेकिन रिपोर्टें बता रही हैं कि निर्माण प्रक्रिया के दौरान पेजर से छेड़छाड़ करके उन्हें धमाकों के मकसद से ज्वलनशील बनाया गया है। जो एक बड़े सुनियोजित ऑपरेशन की ओर संकेत करता है। जिसमें दूर से सुनियोजित तरीके से विस्फोटों को अंजाम दिया गया। इस्राइल ने इन धमाकों के जरिये हिजबुल्लाह को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि भले ही वह गाजा संघर्ष में उलझा हुआ है, इसके बावजूद वह दूसरे मोर्चे पर हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाने की क्षमता रखता है। बहरहाल, यह घटना बताती है कि इस्राइल पर बीते साल हमास द्वारा किए गए हमले व अपहरण की वारदातों के बाद शुरू हुए टकराव का विस्तार होने की आशंका बलवती हुई है। इस्राइल इस समय न केवल हमास बल्कि हिजबुल्लाह व हूती विद्रोहियों के हमलों का एकसाथ जवाब दे रहा है। लेकिन इस्राइल की सीमा से लगते लेबनान में ईरान द्वारा दी गई उन्नत मिसाइलों व राकेटों के लगातार हो रहे हमलों के बीच इस टकराव के विस्तार लेने की आशंका बढ़ गई है।

देश दुनिया से

टूटता यमुना को स्वच्छ बनाने का सपना

दिल्ली-हरियाणा की जीवनदायिनी यमुना की स्थिति बेहद चिंताजनक है; वह ज़हरीली हो चुकी है। इसके पानी में लेड, कॉपर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम जैसे हानिकारक तत्व मौजूद हैं। रसायनों के कारण बजबजाते झाग को रोकने के लिए प्रभावित सीवेज ट्रीटमेंट की जरूरत है। फिर भी, इस चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल ने यमुना के उद्धार के लिए कोई चिंता नहीं जताई। उनकी प्राथमिकता केवल हरियाणा में सत्ता हासिल करना है। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी के संयोजक, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, विधानसभा चुनावों से पहले यह कहते थे कि यमुना शुद्ध होने पर वह पहले स्नान करेंगे।

आज यमुना की स्थिति की किसी को चिंता नहीं है—न आम आदमी पार्टी, न भाजपा, और न ही कांग्रेस को। सभी दल हरियाणा चुनाव में सत्ता हासिल करने की दौड़ में लगे हैं, लेकिन यमुना के प्रदूषण पर कोई चर्चा नहीं कर रहा। दिल्ली-हरियाणा की जीवनदायिनी यमुना की स्थिति बेहद चिंताजनक है; वह ज़हरीली हो चुकी है। इसके पानी में लेड, कॉपर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम जैसे हानिकारक तत्व मौजूद हैं। रसायनों के कारण बजबजाते झाग को रोकने के लिए प्रभावित सीवेज ट्रीटमेंट की जरूरत है। फिर भी, इस चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल ने यमुना के उद्धार के लिए कोई चिंता नहीं जताई। उनकी प्राथमिकता केवल हरियाणा में सत्ता हासिल करना है। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी के संयोजक, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, विधानसभा चुनावों से पहले यह कहते थे कि यमुना शुद्ध होने पर वह पहले स्नान करेंगे। लेकिन उनकी यह घोषणा अब तक केवल एक वादा ही साबित हुई है। पांच वर्षों के बाद भी यमुना की स्थिति पहले से अधिक खराब है, और यह अपने उद्धारक की प्रतीक्षा कर रही है। बीते दशकों का इतिहास बताता है कि यमुना हर साल अधिक प्रदूषित होती गई है, और अब इसका जल गंभीर जानलेवा बीमारियों का कारण बन चुका है। बारिश के मौसम को छोड़ दें, तो दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के अनुसार, यमुना के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जल प्रवाह 23 घन मीटर प्रति सेकंड क्यूमैक्स कम है। यह जल प्रवाह न तो स्नान योग्य है और न ही नदी की पारिस्थितिकी को बनाए रखने के लिए पर्याप्त। दीगर बात है कि जल संसाधन संबंधी एक संसदीय स्थायी समिति ने सिफारिश की थी कि दिल्ली में यमुना के 22 किलोमीटर लंबे हिस्से में 23 घन मीटर प्रति सेकंड का ई-फ्लो रखा जाए। हालांकि, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) का कहना है कि 23 क्यूमैक्स का ई-फ्लो जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) को 12 मिलीग्राम प्रति लीटर तक घटा देगा। बीओडी वह ऑक्सीजन है जिसे सूक्ष्मजीव कार्बनिक पदार्थों को विघटित करने के लिए उपयोग करते हैं।यह जानना जरूरी है कि यमुना के दिल्ली में पड़ने वाले हिस्से के लिए लगभग 80 प्रतिशत प्रदूषण जिम्मेदार है। ई-फ्लो जल प्रवाह की वह न्यूनतम मात्रा है, जो नदी या जलाशय की पारिस्थितिकी को बनाए रखने और उसे स्नान योग्य बनाने के लिए आवश्यक है। हकीकत यह है कि आमतौर पर हरियाणा के यमुना नगर स्थित हथिनी कुंड बैराज से मात्र 10 क्यूमैक्स पानी छोड़ा जाता है। जबकि 23 क्यूमैक्स पानी यानी 43.7 करोड़ गैलन रोजाना अक्तूबर से जून के महीने के दौरान नदी में छोड़ा जाना चाहिए। यह सिफारिश राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रुड़की ने 2019 में ही कर दी थी। लोकसभा की स्थायी समिति द्वारा यमुना पर तैयार रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि यमुना के जल में भारी धातु के प्रदूषक तत्वों की भरमार है, जो जानलेवा बीमारियों का कारण बन रहे हैं। समिति ने न केवल यमुना में पाए जाने वाले बीओडी, सीओडी और फीकल कोलीफार्म जैसे प्रदूषक तत्वों की सूची तैयार की है, बल्कि लेड, कॉपर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम जैसे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक छह धातुओं से होने वाले नुकसान की जानकारी भी दी है। यह रिपोर्ट यमुना के संकट को उजागर करती है और उसके प्रदूषण की गंभीरता को रेखांकित करती है। समिति ने यमुना में झाग बनने से रोकने के लिए दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से प्रवाहित होने वाले समूचे सीवेज का प्रभावी ट्रीटमेंट करने की आवश्यकता बताई है। इसके अनुसार, झाग का मुख्य कारण बिना ट्रीटमेंट वाले सीवेज में सर्फेक्टेंट्स और फास्फेट की मौजूदगी है, जो त्वचा रोग और संक्रमण का खतरा बढ़ाते हैं। समिति ने सुझाव दिया है कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एसटीपी) की तकनीक को उन्नत किया जाए, उनकी क्षमता बढ़ाई जाए, और सभी उद्योगों को साझा अपशिष्ट उपचार संयंत्रों से जोड़ा जाए। इसके अतिरिक्त, जल संसाधन विभाग से यह भी कहा गया है कि ऐसे नियम और दिशा-निर्देश तैयार किए जाएं, जिसमें यमुना सहित सभी नदियों में अपशिष्ट प्रवाहित करने पर दंडात्मक प्रावधान हों। समिति ने पर्यावरण मंत्रालय की आलोचना की है कि उसने 2018 में की गई सिफारिशों पर कार्रवाई में देरी की। जल संसाधन विभाग को यमुना के लिए स्वच्छ गंगा मिशन की तर्ज पर एक कोष स्थापित करने का सुझाव दिया गया है, ताकि सफाई के लिए फंड की कमी न हो। हालांकि, पिछले दो दशकों में करोड़ों रुपये यमुना की सफाई पर खर्च किए गए हैं, लेकिन इसके अमोनिया और बीओडी स्तर में कमी नहीं आई है। यमुना पहले से 20 गुना अधिक प्रदूषित हो चुकी है। आज यमुना बदहाली में जीने को विवश है। इसका अहम कारण यमुना का वोट बैंक न होना है।

आप का नजरिया

निशाने पर बच्चे

हाल ही के दिनों में बच्चों व महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर देशव्यापी चिंता कई मंचों से उजागर हुई है। इन अपराधों के प्रति पुलिस व एजेंसियों की संवेदनहीनता पर अदालतें गाहे-बगाहे सख्त टिप्पणियां कर चुकी हैं। कुछ समय पहले जिला अदालतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भी महिलाओं व बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर गंभीर चिंता जतायी थी। साथ ही त्वरित न्याय से समाधान की बात कही थी। देश के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के वे आंकड़े विचलित करते हैं, जिसमें कहा गया था कि साल 2022 में भारत में हर घंटे में औसतन 18 बच्चे अपराधों के शिकार बने। वहीं पिछले एक दशक में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 75 फीसदी वृद्धि की बात एनसीआरबी ने स्वीकारी है। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की गंभीरता को इस बात से समझा जा सकता है कि वर्ष 2023 में बीते वर्ष की तुलना में जहां अपराधों में कमी दर्ज की गई, वहीं दूसरी ओर बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों में नौ फीसदी की वृद्धि एनसीआरबी के आंकड़ों में दर्ज की गई। यह हमारे नीति-नियंताओं के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए कि देश में बच्चों के खिलाफ अपराधों में क्यों लगातार वृद्धि हो रही है। विडंबना यह है कि एनसीआरबी केवल उन्हीं अपराध के आंकड़ों का उल्लेख करता है, जो थानों में दर्ज होते हैं। दरअसल, बच्चों के खिलाफ बड़ी संख्या में होने वाले अपराध अक्सर दर्ज ही नहीं होते। कानूनी जानकारी न होने और थानों व कचहरियों के चक्कर काटने से बचने के लिये अभिभावक कई मामलों में रिपोर्ट दर्ज ही नहीं करवाते। कुछ मामलों को पुलिस दर्ज करने से बचती है। ऐसे में बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की वास्तविक स्थिति का आकलन करना सहज नहीं होगा। बहरहाल, ये बढ़ते अपराध हमारे समाज में गहरी होती संवेदनहीनता और समाज में नैतिक मूल्यों के पराभव की ओर भी इशारा करती है। दरअसल, बच्चों के खिलाफ अपराध केवल हमारे सामाजिक व्यवस्था में ही नहीं बढ़े, बल्कि इसका दायरा वर्चुअल दुनिया में भी तेजी से बढ़ा है। बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2022 में बच्चों के विरुद्ध पहले साल के मुकाबले बत्तीस फीसदी अधिक साइबर अपराध दर्ज हुए। जो निरंतर गंभीर होती स्थिति को दर्शाते हैं। हाल के दिनों में स्कूल-कालेजों में ऑनलाइन पढ़ाई का दायरा बढ़ने और मोबाइल की सहज उपलब्धता से बच्चों की इस क्षेत्र में सक्रियता बढ़ी है। सस्ते इंटरनेट व मोबाइल फोन ने बच्चों के लिये सोशल मीडिया व गेमिंग की दुनिया में पहुंच आसान बनायी है। लेकिन बच्चे इंटरनेट की आपराधिक दुनिया से अनभिज्ञ हैं। उन्हें इन खतरों से बचाव का प्रशिक्षण न तो स्कूल में दिया जाता है और न ही पुरानी पीढ़ी के अभिभावक दे पाए। जिसके चलते ही वे साइबर अपराधियों का आसान शिकार बनते हैं। दरअसल, कोरोना महामारी तो चली गई, लेकिन इस संकट के चलते उपजी परिस्थितियों ने बच्चों के ऑनलाइन रहने का टाइम बढ़ा दिया है।

फ्रांस ने की भारत को परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण में मदद की पेशकश

पेरिस, 22 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारत और फ्रांस ने अपनी रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मजबूती देने की दिशा में अहम कदम उठाने की योजना बनाई है। फ्रांस ने भारत को परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण में मदद की पेशकश की है, साथ ही 110 किलो-न्यूटन थ्रस्ट विमान इंजन और अंडरवाटर ड्रोन तकनीक के 100 फीसदी ट्रांसफर का भी ऑफर दिया है। ये मुद्दे भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो के राजनयिक सलाहकार के बीच होने वाली रणनीतिक वार्ता में उठाए जाएंगे। बैठक 30 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच पेरिस में होगी।

फ्रांस और भारत के बीच पहले से ही कई क्षेत्रों में सहयोग चल रहा है, जिसमें स्पेस तकनीक अहम है। फ्रांस की पनडुब्बी निर्माण संबंधी पेशकश भारतीय नौसेना की भविष्य की योजनाओं के लिए खास मायने रखती है, जब वह परमाणु हमले वाली पनडुब्बियों के निर्माण पर काम कर रही है। इसके अलावा, फ्रांस ने भारत को हवा, सतह और अंडरवाटर पूर्ण स्पेक्ट्रम स्वायत्त प्रणाली की भी पेशकश की है, जो भारत की खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं को बढ़ाने में मददगार साबित होगी। डोभाल अपनी पेरिस यात्रा के दौरान सफ्रान इंजन के चेयरमैन रॉस मैकइन्स से मिलकर उनके प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे। सफ्रान ने भारत को उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) प्रोजेक्ट के लिए 110 केएन इंजनों के संयुक्त निर्माण की पेशकश की है। यह इंजन भारत की संप्रभु संपत्ति बनेगा, जिसे वह बिना किसी प्रतिबंध के तीसरे देशों को निर्यात कर सकता है। फ्रांस लंबे समय से भारत का एक विश्वसनीय हथियार आपूर्तिकर्ता रहा है, और यह साझेदारी भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को सुदृढ़ करने में मददगार साबित होगी। दोनों देशों ने हिंद महासागर में ध्यान केंद्रित करते हुए इंडो-पैसिफिक में सहयोग को गहरा करने का भी फैसला लिया है। इसके अलावा, डोभाल मैक्रो से मिलकर यूक्रेन-रूस संघर्ष पर भारत के प्रयासों पर भी चर्चा करेंगे, जिसमें मैक्रो ने हाल ही में भारत के प्रयासों की सराहना की है।

न्यूज ब्रीफ

क्वाड की बैठक में उत्तर कोरिया को बताया दुनिया के लिए खतरा, यूएनएससी में बताई सुधार की जरुरत

वॉशिंगटन। क्वाड शिखर सम्मेलन सभी देशों ने एक साथ कहा कि दुनिया के लिए उत्तर कोरिया बड़ा खतरा बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया लगातार मिसाइल परीक्षण कर रहा है इससे दुनिया को बड़ा खतरा हो सकता है। क्वाड देशों ने उत्तर कोरिया के दुनिया को अस्थिर करने वाले बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपणों की निंदा की और इसे गंभीर खतरा बताया। घोषणापत्र में कहा गया है, हम उत्तर कोरिया द्वारा लगातार की जा रही बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों (यूएनएससीआर) का उल्लंघन करने की निंदा करते हैं। इसके अलावा संयुक्त घोषणा में यूएनएससी में प्रतिनिधि बढ़ाने, पारदर्शी, कुशल, प्रभावी, लोकतांत्रिक और जवाबदेह बनाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया। क्वाड शिखर सम्मेलन में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने संयुक्त घोषणा में कहा, वैश्विक और क्षेत्रीय भागीदारों के साथ, हम वैश्विक शांति, समृद्धि और सतत विकास करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और पहलों का समर्थन करना जारी रखेंगे। क्वाड राष्ट्रों ने कहा, हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार करेंगे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी और अस्थायी सदस्यता में विस्तार करेंगे। इसे अधिक समावेशी, पारदर्शी, कुशल, प्रभावी, लोकतांत्रिक और जवाबदेह बनाएंगे।क्वाड शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्षों ने यूएनएससी की स्थायी सीटों के विस्तार पर जोर दिया। सुरक्षा परिषद में अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन राष्ट्रों की भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। बता दें कि भारत भी लंबे समय से यूएनएससी में स्थायी सीट की मांग करता आया है। जो बाइडेन ने यूएनएससी में भारते स्थायी प्रतिनिधित्व की वकालत की है। क्वाड देशों ने अपने घोषणापत्र में सीमा पार आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद की स्पष्ट निंदा की। क्वाड देशों ने आतंकवाद के खिलाफ चर्चा करते हुए मुंबई में 26/11 और पठानकोट हमलों की निंदा की। बयान में कहा गया, हम अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप, आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद से उत्पन्न खतरों को रोकने, पता लगाने और उनका जवाब देने के व्यापक और निरंतर तरीके पर काम करेंगे। हम आतंकवादी हमलों के लिए जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यूएस सीक्रेट सर्विस का स्वीकारनामा, डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में चूक हो गई

वॉशिंगटन । 13 जुलाई को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की नाकाम कोशिश में असफल रहने की बात यूएस सीक्रेट सर्विस ने स्वीकारी है। बता दें पेंसिल्वेनिया की रैली में हुए हमले में एक शख्स की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। रिपोर्ट के अनुसार एजेंसी की आंतरिक समीक्षा रिपोर्ट में सामने आया कि हमलावर ने घटना से कुछ समय पहले रैली स्थल के ऊपर ड्रोन उड़ाया था, लेकिन एजेंटों ने उस तकनीक का इस्तेमाल करने में लापरवाही बरती, जिससे हमलावर की पहचान हो सकती थी। रिपोर्ट में हमले से पहले सीक्रेट सर्विस की एडवांस टीम के स्टेट और लोकल एजेंसियों के साथ कोआर्डिनेशन पर सवाल खड़े किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप की सुरक्षा में लगी सीक्रेट सर्विस, लोकल पुलिस स्नाइपर को पास की छत को सुरक्षित करने का निर्देश देने में नाकाम रही। ट्रंप पर हुए इस हमले के बाद एजेंसी की भूमिका को लेकर उपजे व्यापक आक्रोश के बीच सीक्रेट सर्विस के निदेशक किम्बर्ली चीटल ने इस्तीफा दे दिया था।

इजराइलने हमास के साथ युद्धविराम के लिए रखा नया प्रस्ताव

तेल अवीव । इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के सलाहकार ने अमरिकी राष्ट्रपति बाइडन प्रशासन के

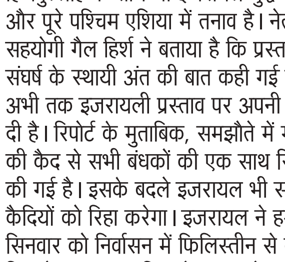

सामने हमास के साथ युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए एक नया समझौता प्रस्ताव दिया है। ये पेशकश तब हुई है, जब लेबनान में पेजर विस्फोट के बाद हिजबुल्लाह के साथ भी इजरायल युद्ध की कगार पर है और पूरे पश्चिम एशिया में तनाव है। नेतन्याहू के करीबी सहयोगी गैल हिर्श ने बताया है कि प्रस्ताव में गाजा में संघर्ष के स्थायी अंत की बात कही गई है। हमास ने अभी तक इजरायली प्रस्ताव पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, समझौते में गाजा में हमास की कैद से सभी बंधकों की एक साथ रिहाई की मांग की गई है। इसके बदले इजरायल भी सभी फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इजरायल ने हमास नेता याह्या सिनवार को निर्वासन में फिलिस्तीन से बाहर सुरक्षित ठिकाने का प्रस्ताव दिया है। गाजा में इजरायली सेना की उपस्थिति पर नई प्रस्तावित डील में बात नहीं की गई है, जो हाल के समय में एक अहम मुद्दा रहा है।

वामपंथी रुझान वाले दिसनायके ने श्रीलंका के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद राष्ट्रीय एकता का किया आह्वान

कोलंबो, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

श्रीलंका के पचपन वर्षीय वामपंथी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके को रविवार को देश के नौवें कार्यकारी राष्ट्रपति के रूप में चुना गया। जो कि छोटे से द्वीप राष्ट्र के सर्वोच्च पद के दावेदार का फैसला करने के लिए अभूतपूर्व दूसरी वरीयता गणना के बाद हुआ।

देश के चुनाव आयोग ने औपचारिक रूप से नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन का प्रतिनिधित्व करने वाले जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) नेता दिसनायके को शनिवार को हुए चुनाव के विजेता के रूप में नामित किया। डेली मिरर के अनुसार पांच साल पहले मतदान में तीन प्रतिशत से भी कम वोट प्राप्त करने के बाद दूसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ते हुए, श्री दिसनायके ने समागी जन बालवेगया (एसजेबी) पार्टी के उम्मीदवार साजिथ प्रेमदासा को जो उनसे दो साल वरिष्ठ हैं को दस लाख बीस हजार वोटों के अंतर से हराया। उनके सोमवार को शपथ लेने की संभावना है।

श्री दिसनायके ने अपनी जीत के तुरंत बाद राष्ट्रीय एकता और एक नए पुनर्जागरण का आह्वान किया और कहा, हम श्रीलंकाई इतिहास को फिर से लिखने के लिए तैयार हैं। श्री दिसनायके ने अपने एक्स हैंडल पर कहा, आशा और अपेक्षा से भरी लाखों आँखें हमें आगे बढ़ाती हैं, और हम एक साथ

मिलकर श्रीलंकाई इतिहास को फिर से लिखने के लिए तैयार हैं। इस सपने को नई शुरुआत से ही साकार किया जा सकता है। सिंहली, तमिल, मुस्लिम और सभी श्रीलंकाई लोगों की एकता इस नई शुरुआत का आधार है। सदियों से हमने जो सपना संजोया है वह आखिरकार सच हो रहा है। यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति के काम का परिणाम नहीं है, बल्कि आप हजारों लोगों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कहा, आपकी प्रतिबद्धता हमें यहां तक ले आई है और इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। यह जीत हम सभी की है।

जेवीपी कैडरों द्वारा किए गए बलिदानों को याद करते हुए उन्होंने कहा, यहां हमारी यात्रा कई लोगों के बलिदानों से प्रशस्त हुई है जिन्होंने इस उद्देश्य के लिए अपना पसीना, आंसू और यहां तक कि अपना जीवन भी दिया। उनके बलिदानों को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंन कहा , हम जिस नए पुनर्जागरण की तलाश कर रहे हैं वह इस साझा ताकत और दृष्टि से उभरेगा। आइए हम हाथ मिलाएं और इस भविष्य को एक साथ आकार दें।

इससे पहले पहली गिनती में किसी भी उम्मीदवार को लोकप्रिय जनादेश का 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल नहीं होने के बाद चुनाव अधिकारियों को दूसरी वरीयता के वोटों की गिनती करनी पड़ी थी। भ्रष्टाचार विरोधी मुद्दे पर लड़ने वाले श्री दिसनायके ने पहले दौर की गिनती में 50 लाख 60 हजार या 42.3 प्रतिशत हासिल करके शीर्ष स्थान हासिल किया और दूसरे स्थान पर रहे प्रेमदासा पर 9.5 प्रतिशत की बढ़त बनाई। विपक्ष के नेता प्रेमदासा को 4 लाख 36 हजार वोट या कुल मतदान का 32.8 प्रतिशत वोट मिले, जबकि मौजूदा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को केवल 20 लाख 30 हजार मत या 17.3 प्रतिशत मत मिले।

इकोनॉमीनेक्स्ट के अनुसार चुनाव आयोग के अध्यक्ष आर.एल.ए.एम.रथनायके ने पहली गिनती समाप्त होने के बाद कहा, दिसानायके ने शीर्ष स्थान हासिल किया है और प्रेमदासा को दूसरे सबसे ज्यादा वोट मिले हैं। इस प्रकार विक्रमसिंघे, एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मैदान में थे, दौड़ से बाहर हो गए। पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे केवल 0.7 प्रतिशत वोट पाकर चौथे स्थान पर रहे। अनुमान है कि 1 करोड 70 लाख से अधिक योग्य श्रीलंकाई लोगों में से 75 प्रतिशत ने अगले पांच वर्षों के लिए अपने राज्य के प्रमुख का चुनाव करने के लिए शनिवार को शांतिपूर्वक अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग किया। दो साल से कुछ अधिक समय पहले आई आर्थिक तबाही के बाद श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल मचने के बाद पहले चुनाव में रिकॉर्ड 38 उम्मीदवारों ने देश के सर्वोच्च पद के लिए प्रतिस्पर्धा की। तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को जुलाई 2022 में विदेश भागना पड़ा क्योंकि देश में अभूतपूर्व भोजन और ईंधन की कमी देखी गई और अपने ऋणों पर चूक हुई। तब से विक्रमसिंघे ही देश का संचालन कर रहे थे।

भारत के भगोड़े उपदेशक को पाकिस्तान ने दिया न्यौता 15 दिन देगा व्याख्यान

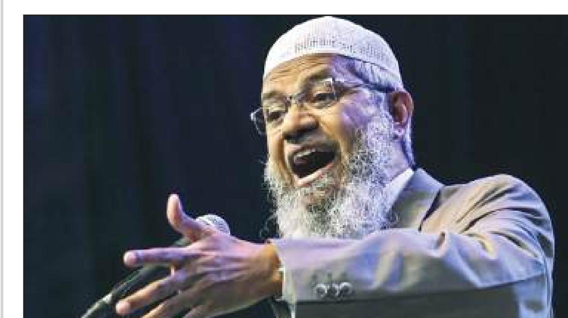

इस्लामाबाद, 22 सितंबर (एजेंसियां) ।

कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशक और भारतीय भगोड़े जाकिर नाइक को पाकिस्तान से बुलावा आया है। यहां 15 दिन रहेगा और अपने उपदेश देकर लोगों को प्रभावित करने की कोशिश करेगा। वह अक्टूबर महीने में 15 दिन तक पाकिस्तान में रहेगा। वह अक्टूबर में इस्लामाबाद, लाहौर और कराची में व्याख्यान देने के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। भारत से 2016 में भाग गए नाइक पर भारत में नफरत फैलाने, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के आरोप हैं। बीस सितंबर को जाकिर नाइक आधिकारिक फेसबुक पेज पर पोस्ट की गई है। इसमें जानकारी दी गई है कि नाइक पाकिस्तान सरकार के निमंत्रण पर पाकिस्तान का दौरा कर रहा है। नाइक अभी मलेशिया में रह रहा है और भारत सरकार लगातार उसके प्रत्यार्पण कराने के प्रयास कर रही है।

फिलहाल जाकिर नाइक मलेशिया में रहता है और भारत वहां से उसके प्रत्यर्पण की कोशिशें जारी रखे हुए है। हाल ही में नाइक ने सोशल मीडिया पर भारतीय

जाकिर नाइक का काम भोले-भाले लोगों को भड़काता है, ये फिलहाल मलेशिया में रहता है और भारत वहां से उसके प्रत्यर्पण की कोशिशें जारी रखे है

मुसलमानों से वक्फ संशोधन विधेयक को अस्वीकार करने का आह्वान किया था। इसके बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू भी ऐक्शन में आ गए थे। रिजिजू ने उन्हें वक्फ संशोधन विधेयक बहस में हस्तक्षेप करने को लेकर सोशल मीडिया पर चेतावनी दी थी। पाकिस्तान में इस दौरान जाकिर का बेटा फारिक नाइक, जो एक इस्लामी विद्वान भी है, उसके साथ मौजूद रहेगा।

वह भी तीनों शहरों में व्याख्यान देगे। जानकारी के मुताबिक कराची का कार्यक्रम मोहम्मद अली जिन्ना के मकबरे के सामने स्थित बाग-ए-कायद में होगा। रिपोर्ट के अनुसार, यह दौरा 5 अक्टूबर को कराची में शुरू होगा और 20 अक्टूबर को इस्लामाबाद में समाप्त होगा।

1977 के ईजी स्ट्रीट मर्डर मामले में आरोपी इटली में गिरफ्तार

मेलबर्न, 22 सितंबर (एजेंसियां) ।

1977 में हुई दो महिलाओं की हत्या के मामले में ऑस्ट्रेलियाई पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। 47 साल बाद आरोपी की इटली के रोम एयरपोर्ट पर गिरफ्तारी हुई है। विक्टोरिया स्टेट पुलिस ने बताया कि 65 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार किया गया है और उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। आरोपी ग्रीक-ऑस्ट्रेलियाई दोहरी नागरिकता रखता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विक्टोरिया पुलिस इस आरोपी को मेलबर्न लाने के लिए प्रत्यर्पण की मांग करेगी। सुजैन आर्मस्ट्रांग (27) और सुजेन बार्टलेट (28) की हत्या की जांच के सिलसिले में यह गिरफ्तारी की गई है।

दोनों महिलाएं 13 जनवरी, 1977 को अपने घर में मृत पाई गई थीं, जबकि आर्मस्ट्रांग का 16 महीने का बेटा दूसरे कमरे में सुरक्षित मिला था। ईजी स्ट्रीट मर्डर के नाम से मशहूर यह मामला ऑस्ट्रेलिया के सबसे चर्चित कोल्ड केस में से एक बन गया है।

विक्टोरिया पुलिस अधिकारी ने इस गिरफ्तारी को महत्वपूर्ण सफलता बताया और कहा कि यह मामला हमेशा विक्टोरिया पुलिस की प्राथमिकता रहा है, और इसे

हासिल करने के लिए कई लोगों ने बहुत मेहनत की है। उन्होंने यह भी बताया कि अभी और काम करना बाकी है, लेकिन गिरफ्तारी एक सकारात्मक कदम है।

पुलिस ने 2017 में इस मामले से संबंधित ठोस जानकारी देने वालों के लिए 1 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (6,80,802 अमेरिकी डॉलर) का इनाम घोषित किया था। विक्टोरिया पुलिस ने फिर से अपील की है कि यदि किसी के पास इन हत्याओं के बारे में कोई जानकारी है, तो वे आगे आकर पुलिस की मदद करें।

यह गिरफ्तारी न केवल परिवारों के लिए न्याय की उम्मीद जगाती है, बल्कि लंबे समय से अनसुलझे मामलों में पुलिस की निरंतरता और प्रयासों को भी दर्शाती है।

ब्रिटेन में तूफान, ओलावृष्टि और भारी बारिश की चेतावनी

लंदन, 22 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारत में खराब मौसम के बाद अब ब्रिटेन में भी मौसम विभाग ने गंभीर चेतावनी जारी की है। शनिवार को ब्रिटेन के कई हिस्सों में तूफान और ओलावृष्टि के कारण जीवन के लिए खतरा पैदा हो जाने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें कुछ ही घंटों में 70 मिलीमीटर तक बारिश की संभावना है। यह अलर्ट विशेष रूप से वेल्स, दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड, मिडलैंड्स और दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के कुछ हिस्सों के लिए जारी किया गया है।

यहां बताते चलें कि शुक्रवार को भी दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड, वेल्स के कुछ हिस्सों, मिडलैंड्स और पश्चिमी लंदन के लिए चेतावनी जारी की गई थी। मौसम विभाग ने बताया कि तूफानी हवाओं की रफ्तार 500 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। इसके साथ ही बिजली गिरने, ओलावृष्टि और भारी बारिश से इमारतों को नुकसान पहुंचने, सार्वजनिक परिवहन में बाधा उत्पन्न होने और बाढ़ की आशंका भी जताई गई है।

मौसम विभाग के मुख्य मौसम विज्ञानी जेसन केली ने कहा, यह चेतावनी उन क्षेत्रों के लिए जारी की गई है जहां गरज के साथ भारी बारिश का सबसे अधिक जोखिम है। उप मुख्य मौसम विज्ञानी डैन हैरिस ने भी अगले हफ्ते भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे सोमवार के लिए भी नई चेतावनी जारी की जा सकती है। इस खराब मौसम को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, विशेषकर वेल्स, दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड और मिडलैंड्स में। तूफानी हवाओं के साथ ओले गिरने और बिजली गिरने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की चेतावनी दी गई है।

नेपाल की विदेश मंत्री ने कनाडा में पश्चिमी देशों से कहा- महिला अधिकार और सम्मान के बारे में हमसे लें प्रेरणा

काटमांडू, 22 सितंबर (एजेंसियां) ।

कनाडा में जारी विश्व भर के महिला विदेश मंत्रियो की बैठक में पश्चिमी देशों के प्रतिनिधियों ने जब यह कहा कि महिलाओं के अधिकार और सम्मान को लेकर एशियाई देशों को हमसे सीखना चाहिए तो मंच पर बैठी नेपाल की विदेश मंत्री ने पश्चिमी देशों की विदेश मंत्रियों को आड़े हाथों लिया।

कनाडा की विदेश मंत्री ने टोरंटो में शुक्रवार और शनिवार को एक सम्मेलन का आयोजन किया है, जिसमें दुनिया भर में जिन देशों में विदेश मंत्रालय का काम महिला के पास है ऐसे सभी विदेश मंत्रियों का दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया था। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विश्व राजनीति में महिला की भागीदारी को बढ़ाना और उन्हें सम्मानजनक स्थान दिलाने को लेकर चर्चा करना था।

पश्चिमी देशों से आई महिला विदेश मंत्रियों ने कहा कि महिलाओं की राजनीति में भागीदारी का विषय हो या राजनीति में उन्हें सम्मानजनक स्थान दिलाने की बात हो यूरोप अमेरिका कनाडा ऑस्ट्रेलिया में बाकी एशियाई देशों की तुलना में स्थिति काफी बेहतर है। एशियाई देशों को उससे सीखना चाहिए। पश्चिमी देशों के द्वारा दिए गए इस तरह के बयान का नेपाल की विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा ने न सिर्फ खंडन किया बल्कि नसीहत देने वाली यूरोपीय सहित अन्य पश्चिमी देशों के विदेश मंत्रियों को सर्ववजनिक मंच से जवाब दिया।

शनिवार को इस सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ राणा ने कहा कि वो एक छोटे से हिमालयी देश का प्रतिनिधित्व करती है और उन्हें गर्व है कि उनकी संस्कृति मे महिला को ईश्वर का दर्जा दिया गया है। उन्होंने संस्कृत का श्लोक यत्र नारयस्तु पूज्यन्ते रमंते तत्र देवता सुना

कर कहा कि पश्चिम वाले की सोच आज तक वहां नहीं गई है जहां हमारे पूर्वज युगों पहले सोचा था।

सम्मेलन में नेपाल की विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा ने भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान जैसे देशों का उद्धाहरण देते हुए कहा कि इन सभी देशों में महिलाओं ने सत्ता का बागडोर सफलतापूर्वक संभाला है। साथ ही उन्होंने कहा कि पूरी दुनियां को महिला को अधिकार की बात का सबक सिखाने वाले बड़े बड़े देशों में आज आज तक कोई भी महिला सत्ता के शीर्ष स्थान तक नहीं पहुंच पाई। उन्होंने अमेरिका, चीन, रूस,कनाडा आदि देशों का नाम लेकर ही कहा कि इन देशों को पहले अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए।

नेपाल की विदेश मंत्री ने कहा कि यह बात सच है कि नेपाल में भी प्रमुख कार्यकारी स्थान पर आज तक महिला नहीं पहुंची है लेकिन राष्ट्रपति, स्पीकर और चीफ जस्टिस जैसे महत्वपूर्ण पद पर पहुंची है। डा राणा ने कहा कि यह बात भी सच है कि महिलाओं को राजनीति में आने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है लेकिन यह समस्या सिर्फ एशियाई देशों में नहीं है बल्कि अमेरिका, चीन, रूस, कनाडा में भी है।

नेपाल की विदेश मंत्री ने कहा कि पश्चिमी देशों की महिलाएं या तो परिवार संभालती है, या राजनीति करती है या अपना दूसरा कैरियर संभालती है। एक संभालने पर वो बाकी नहीं संभाल पाती है। लेकिन एशियाई महिलाएं खास कर हिमालय और हिंद महासागर के बीच की जो महिलाएं हैं वो अपनी शादीशुदा जिंदगी भी संभालती है, परिवार और बच्चों को भी संभलती है, नौकरी पेशा जिंदगी भी बखूबी संभालती है, अपना कैरियर भी संवारती है और मौका मिलने पर इन सभी को संभालते हुए बहुत अच्छे से देश का राजपाट भी संभलती है।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को दूसरे एकदिवसीय में हराकर लगातार 14वां मैच जीता, श्रीलंका की 13 जीत का रिकार्ड भी तोड़ा

लीड्स, 22 सितंबर (एजेंसियां)। **ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले एकदिवसीय मैच में भी 68 रनों से जीत हासिल की थी। इस प्रकार एकदिवसीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया ने अपना लगातार 14 वां मैच जीता है। इसी के साथ ही कंगारुओं ने श्रीलंकाई टीम के लगातार 13 मैच जीतने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया।**

इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड को जीत के लिए 271 रनों का लक्ष्य दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे अधिक 74 रन एलेक्स कैरी ने बनाए, जबकि कप्तान मिचेल मार्श ने 60 रन बनाये। वहीं मैथ्यू शॉर्ट और ट्रेविस हेड ने 29-29 रन बनाये। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम 44.4 ओवरों में ही 270 रनों पर सिमट गयी। वहीं इंग्लैंड के ब्रायडन कार्स ने 3 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा। इसके बाद इंग्लैंड की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 202 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा 49 रन विकेटकीपर जेमी स्मिथ ने बनाए, जबकि ब्रायडन कार्स ने 26 व आदिल राशिद ने 27 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने 32 रनों का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने 3 जबकि जोश हेजलवुड, आरोन हार्डी और ग्लेन मैक्सवेल ने 2-2 विकेट लिए। एडम जंपा ने भी एक विकेट लिया।

इंग्लैंड के स्पिनर आदिल ने बनाया रिकार्ड

लीड्स। स्पिनर आदिल राशिद एकदिवसीय क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले स्पिनर बन गये हैं। आदिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लीड्स में दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान 42 रन देकर 2 विकेट लिए। इस प्रकार आदिल ने अपने 137 एकदिवसीय मैच में 32.22 की औसत से 201 विकेट लिए हैं। उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन 27 रन देकर 5 विकेट लेना रहा है। उन्होंने इस प्रारुप में 8 बार 4 विकेट और 2 बार 5 विकेट लिए हैं। राशिद एकदिवसीय में इंग्लैंड की ओर से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, पहले दोनो ही स्थानों पर तेज गेंदबाज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 269 विकेट और डैरेन गॉफ 234 विकेट हैं। एंडरसन ने 194 मैचों में अपने 269 विकेट लिए। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है। वहीं गॉफ ने 158 मैचों में अपने 234 विकेट लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 44 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है।

न्यूज ब्रीफ

विराट कोहली का डांस वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में रन बनाने में असफल रहे पर उन्होंने प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन किया। विराट का पहले टेस्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें वह नागिन डांस वाले मूव करते हुए नजर आए। उनका यह वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रही है। वहीं इससे पहले उनका एक वीडिया आया था। इसमें वह शाकिब अल हसन के आउट होने के बाद नाच रहे थे। विराट को जो दूसरा वीडिया आया है। इसमें वह फील्डिंग के दौरान बीच मैदान में किसी को नागिन मूव दिखाते नजर आये हैं। कोहली पहले टेस्ट में पहली पारी में 6 रन पर जबकि दूसरी पारी में 17 रन ही बना पाये थे। दूसरी पारी में विराट को जिस प्रकार गलत तरीके से आउट दिया गया उसपर सवाल भी उठे हैं। उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट दिया गया था। विराट के पास रिव्यू लेने का अवसर था पर वह नहीं ले पाये। इस दौरान रीप्ले में दिखा कि गेंद उनके बल्ले से लगकर फिर पैड पर लगी। कोहली ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। इसके बाद से ही वह टेस्ट प्रारुप से दूर थे। ऐसे में प्रशंसकों को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर उसमें वह विफल रहे।

ऋषभ पंत को टीम में बरकरार रखेगी दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान बने रहेंगे। दिल्ली कैपिटल्स का प्रबंधन ऋषभ को रिटने करेगा। इससे पहले अटकलें लगायी जा रही थीं कि कैपिटल्स इस साल के अंत में होने वाली मेगा नीलामी से पहले अपने कप्तान को रिलीज कर सकती है। वहीं अब कहा जा रहा है कि ऋषभ ही प्रबंधकों की पहली पसंद बने हुए हैं। ऐसे में इस क्रिकेटर और टीम प्रबंधन के बीच रिटेंशन फीस को लेकर मतभेद की अफवाहों पर भी अंकुश लग गया है। ऋषभ को अभी 16 करोड़ रुपए मिलते हैं, जो और बढ़ने की भी उम्मीद है। जिस प्रकार से इस क्रिकेटर ने कार हादसे के बाद वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। उससे उनकी मांग और बढ़ी है। टी20 विश्व में शानदार प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में भी ऋषभ ने जिस प्रकार से शतक लगाया है। उससे फ्रेंचाइजी मालिक खुश हैं। इस क्रिकेटर ने साल 2024 में दिल्ली की कप्तानी की थी।
वहीं कहा जा रहा है कि अगर बीसीसीआई पांच रिटेंशन की अनुमति देता है तो अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को भी बरकरार रखा जाएगा। इसके अतिरिक्त विदेशी खिलाड़ियों की सूची में जेक फ्रेजर-मैकगर्क और ट्रिस्टन स्टब्स को भी बनाये रखने की उम्मीद है। छठे रिटेंशन के विकल्प के तौर पर विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को भी शामिल किया जाएगा।

मुशफिकुर बांग्लादेश की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

चेन्नई। बांग्लदेश के मुशफिकुर रहीम ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। मुशफिकुर बांग्लादेश की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। मुशफिकुर ने अश्विन के ओवर में 13 रनों की पारी खेलकर ये रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही इस बल्लेबाज ने सभी प्रारूपों में 464 मैचों में 20 शतकों और 82 अर्द्धशतकों सहित कुल 15,205 रन बना लिए हैं। वहीं इससे पहले पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने 387 मैचों में 25 शतकों और 94 अर्धशतकों सहित कुल 15,192 रन बनाये थे। इसके अलावा अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने 446 मैचों में 14 शतकों और 100 अर्द्धशतकों के साथ 14,701 रन बनाये हैं और वह तीसरे स्थान पर हैं। पहली पारी में मुशफिकुर आठ रन ही बना पाये थे।

चेन्नई टेस्ट : इंडिया ने सीरीज में 1-0 से ली बढ़त

भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 280 रनों से किया पराजित

चेन्नई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने रविवार को दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश को 280 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने पहली पारी में 376 रन बनाए थे। बांग्लादेश की पहली पारी 149 रन पर सिमट गई थी। इसके बाद भारतीय टीम ने 227 रन की बढ़त के साथ दूसरी पारी में बल्लेबाजी की और चार विकेट पर 287 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। इस तरह भारत की कुल बढ़त 514 रन की हो गई थी और बांग्लादेश को 515 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में रविवार को चौथे दिन सुबह बांग्लादेश की टीम दूसरी पारी में 234 रन पर सिमट गई और मैच हार गई। इसी के साथ भारतीय टीम ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा।

रविवार सुबह बांग्लादेश ने चार विकेट पर 158 रन से आगे खेलना शुरू किया। टीम के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने सधी शुरुआत की। दोनों ने पहले एक घंटे में बिना कोई विकेट खोए करीब 35 रन जोड़े। हालांकि ड्रिंक्स ब्रेक के बाद मैच की कहानी पलट गई। अश्विन ने पहले शाकिब को पवेलियन भेजा। शाकिब ने 25 रन बनाए। फिर रवींद्र जडेजा ने लिटन दास को कैच आउट करा दिया। लिटन मात्र एक रन बना सके। इसके बाद अश्विन ने मेहदी हसन मिराज (8) को आउट कर टेस्ट में 37वीं बार पांच विकेट लेने की उपलब्धि हासिल की। जडेजा ने नजमुल हुसैन शांतो को आउट कर बांग्लादेश को 8वां झटका दिया। शांतो ने आठ चौके और तीन छक्कों की मदद से 82 रन बनाए। फिर अश्विन ने तस्कीन अहमद को पवेलियन का रास्ता दिखाया। वह पांच रन बना सके। अंत में जडेजा ने हसन महमूद को 7 रन पर क्लीन बोल्ड कर बांग्लादेश की पारी 234 रन पर समेट दी। इससे पहले शनिवार को जाकिर हसन 33 रन, शदमान इस्लाम 35 रन, मोमिनुल हक 13 रन और मुशफिकुर रहीम 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। भारत की तरफ से दूसरी पारी में रविचन्द्रन अश्विन ने 6 विकेट लिए, जबकि रविन्द्र जडेजा ने तीन विकेट और जसप्रीत बुमराह ने एक विकेट अपने नाम किया।

149 रनों पर सिमट गई थी बांग्लादेश की पहली पारी

बांग्लादेश की पहली पारी 149 पर ही सिमट गई थी। बांग्लादेश के लिए पहली पारी में शादमान इस्लाम 02 रन, जाकिर हसन 03 रन, कप्तान नजमुल हसन शांतो 20 रन, मुश्फिकुर रहीम 08 रन और मोमिनुल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए थे। शाकिब अल हसन ने 32 और लिटन दास ने 22 रन बनाए थे। मेहदी हसन मिराज 27 रन बनाकर नाबाद रहे थे, जबकि तस्कीन अहमद और नाहिद राना ने 11-11 रनों का योगदान दिया था। भारतीय टीम की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिये थे।

भारत ने दूसरी पारी 287 रन पर की थी घोषित

भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी 4 विकेट पर 287 रन बनाकर घोषित की थी। दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शानदार शतक लगाया। पंत ने 109 रन बनाए, जबकि गिल 119 रन बनाकर नाबाद रहे। पंत ने 128 गेंदों पर 13 चौके और 4 छक्के की बदौलत 109 रन बनाए। गिल 176 गेंदों पर 10 चौकों और 4 छक्कों की बदौलत 119 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि केएल राहुल 19 गेंदों पर 4 चौकों की बदौलत 22 रन बनाकर नाबाद रहे। इनके अलावा दूसरी पारी में कप्तान रोहित शर्मा 5 रन, यशश्वी जायसवा 10 रन, विराट कोहली ने 17 रनों का योगदान दिया। दूसरी पारी में बांग्लादेश के लिए मेहदी हसन मिराज ने 2, तस्कीन अहमद और नाहिद राना ने 1-1 विकेट लिये।

भारत ने पहली पारी में बनाए 376 रन

भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 376 रन बनाए थे। स्टार ऑलराउंडर रविंचद्रन अश्विन ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 133 गेंदों पर 113 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 2 छक्के और 11 चौके लगाए। वहीं रवींद जडेजा ने भी अच्छी पारी खेली और बेहतरीन 86 रन बनाए। जडेजा ने अपनी पारी में 2 छक्के और 10 चौके लगाए। इनके अलावा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने अर्धशतक लगाते हुए 56 रन बनाए। ऋषभ पंत ने 39 रन, केएल राहुल 16 रन, रोहित शर्मा 6, विराट कोहली 6, जसप्रीत बुमराह 7, आकाश दीप ने 17 रन का योगदान दिया। बांग्लादेश की ओर से पहली पारी में हसन महमूद ने 5 विकेट, तस्कीन अहमद ने 3, मेहदी हसन मिराज और नाहिद राना ने 1-1 विकेट लिये।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम का ऐलान टीम में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश की टीम को 280 रनों से हरा दिया है और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इसी बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। दोनों टीमों के बीच 27 सितंबर से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच खेला जाएगा।

चयन समिति ने पूर्व टीम पर विश्वास जताया

चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। जो टीम पहले मैच के लिए घोषित की गई थी, वही टीम दूसरे टेस्ट मैच के लिए भी बरकरार रखी है। प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस मैच के लिए भी उपलब्ध रहेंगे। माना जा रहा था कि बुमराह को दूसरे टेस्ट से आराम दिया जा सकता है लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में बरकरार रखा है।

दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल प्लेइंग 11 में शामिल हैं यानि पूर्व टीम मेंकोई बदलान नहीं किया गया है।

सरफराज खान, विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, तेज गेंदबाज यश दयाल, स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल और स्पिनर कुलदीप यादव भी दूसरे टेस्ट के लिए टीम में बरकरार हैं। इन सभी को पहले मैच में खेलने का मौका नहीं मिल पाया था। अब देखना होगा कि कानपुर टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 में कोई बदलाव होता है या इसी टीम के साथ भारतीय टीम उतरने का फैसला करेगी।

ऋषभ पंत की सफलता से उत्साहित हैं उनके कोच देवेंद्र शर्मा

चेन्नई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कार हादसे के बाद पहले ही टेस्ट में शानदार शतक लगाया है। इसमें उनके कोच की सलाह की भी अहम भूमिका रही। कोच देवेंद्र शर्मा ने ऋषभ से कहा था कि अच्छी गेंदों को सम्मान देने के साथ ही सावधानी से बल्लेबाजी करना। इसी सलाह पर अमल कर वह टीम के सबसे अहम खिलाड़ी के तौर पर उभरकर सामने आये हैं।

ऋषभ के कोच देवेंद्र ने कहा कि मैं ऋषभ की सफलता पर बेहद खुश हूं। ये शतक उनके लिए एक अहम है क्योंकि वापसी के बाद यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय शतक है। ऋषभ का यह छठा टेस्ट शतक है। इस पारी से वह पूव कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के एक रिकार्ड की बराबरी पर आ गये। धोनी ने जहां 90 टेस्ट में छह शतक लगाये, वहीं इस बल्लेबाज ने केवल 34 टेस्ट मैचों में ही ये आंकड़ा हासिल कर लिया। ऋषभ छह से ज्यादा बार 90 रन के ऊपर भी आउट हुए हुए हैं। कोच देवेंद्र ने कहा कि गाबा में सीरीज जीतने वाली पारी सभी के लिए अहम रहेगी पर एक कोच के तौर पर मुझे लगाता है कि चेपक मैदान पर खेली पारी भी बेहद अहम है क्योंकि ये कठिन समय में बनी थी।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी को सफलता के लिए आत्मविश्वास की जरुरत होती है और सफेद गेंद की क्रिकेट में आप कितनी भी उपलब्धि हासिल करे, टेस्ट मैचों की आपकी उपलब्धियों को हमेशा ज्यादा वरीयता दी जाती है। साथ ही कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद और जिस तरह से वापसी कर ये पारी खेली गयी है वह गाबा से कम नहीं बल्कि अधिक अहम मानी जाएगी। आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा।

पंजाब किंग्स से जुड़े रिकी पोंटिंग..... दिल्ली कैपिटल्स में रहना एक मुद्दा बन गया

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के मुख्य कोच के रूप में नियुक्ति होते ही दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) से जुड़े अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि उनके लिए दिल्ली कैपिटल्स में रहना एक मुद्दा बन गया था, क्योंकि फ्रेंचाइजी की इच्छा की थी कि वह पूरी तरह से मुख्य कोच के रूप में कार्य करें।

पोंटिंग ने बताया कि आईपीएल 2025 से पंजाब किंग्स का नया मुख्य कोच बनना उनके लिए एक नया अवसर है, खासकर तब जब दिल्ली कैपिटल्स के साथ उनका सात साल का कार्यकाल हाल ही में समाप्त हुआ है। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि हमने दिल्ली में एक अच्छा पारिवारिक माहौल बनाया था। लेकिन फ्रेंचाइजी चाहती थी कि मैं पूर्णकालिक मुख्य कोच के रूप में कार्य करूं, जो मैं नहीं कर सका। इस कारण से मुझे निराशा हुई कि दिल्ली कैपिटल्स के साथ मेरा रिश्ता खत्म हो गया। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2024 सीजन में नौवें स्थान पर रहकर खराब प्रदर्शन किया है और 2014 के बाद से प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी है। अब पोंटिंग के सामने अगली चुनौती खिलाड़ी चयन की होगी, जिसमें आगामी आईपीएल रिटेंशन और बोली प्रक्रिया शामिल है। पोंटिंग का आईपीएल सफर 2008 में शुरू हुआ था, वे कोलकाता नाइट राइडर्स में शामिल हुए थे। इसके बाद मुंबई इंडियंस में कप्तानी की और टीम को 2013 में अपना पहला खिताब दिलाया।

प्रेरिता साहू और मिलन चौहान ने हासिल किया स्वर्ण पदक

इन्दौर। 8वीं दक्षिण एशियाई आत्या पाट्या प्रतियोगिता जो कि भूटान में 13 से 15 सितंबर तक खेली गई थी में इंदौर मध्यप्रदेश की प्रेरिता साहू ने महिला टीम और मिलन चौहान ने पुरुष टीम की और से भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। बता दें कि भूटान में खेली गई इस 8 वीं दक्षिण एशियाई आत्या पाट्या प्रतियोगिता के लिए इंदौर मध्यप्रदेश की ही मयूरी वर्मा को महिला टीम के मैनेजर पद पर मनोनीत किया गया था।

लंदन में आईबीएफ विश्व हैवीवेट मुक्केबाजी के खिताबी मुकाबले में जीत के बाद उत्साहित डेनियल और उसके साथी।

महिला टी20 विश्व कप- यूएई की पिच घरेलू मैदान जैसी, हमें मिलेगा फायदा : मिताली

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट की पूर्व कप्तान मिताली राज का मानना है कि 3 अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में भारत को अन्य टीमों के मुकाबले ज्यादा फायदा होगा क्योंकि यूएई की पिच घरेलू मैदान जैसी ही हैं। आईसीसी ने बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के कारण इसे यूएई के दुबई और शारजाह में कराने का फैसला लिया है।

मिताली ने कहा कि यूएई की परिस्थितियां भी काफी अनुकूल हैं इसलिए हम कह सकते हैं कि हमारी टीम को फायदा मिलेगा लेकिन पूर्व बल्लेबाज ने आत्ममुग्धता से बचने की हिदायत दी क्योंकि हर टीम टूर्नामेंट के लिए पूरी तैयारी कर रही है और मजबूत इरादों के साथ मैदान में उतरेगी। आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय महिला टीम को अभी अपना पहला वैश्विक खिताब जीतना बाकी है।

मिताली ने कहा कि भारतीय महिला टीम ने अभी तक अंडर-19 विश्व कप के अलावा कोई आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैं चाहूंगी कि टीम अच्छा खेले क्योंकि जब हम विश्व कप में जाते हैं तो हर किसी की तरह हम भी अपनी टीम को जीतते हुए देखना चाहते हैं। भारतीय महिला टीम अपने अभियान का आगाज 4 अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। भारत को ग्रुप-ए में आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा है।

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव कमजोरी के साथ बंद, सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपए बढ़कर 6,675-6,725 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में ऊंचे भाव पर कम कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन तथा डी-आयल्ड केक (डीओसी) की कमजोर मांग से सोयाबीन तिलहन के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं बाजार में विशेषकर नरम तेलों (सॉफ्ट आयल) की कम आपूर्ति की स्थिति के बीच सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा बिनौला तेल के भाव सुधार के साथ बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि ऊंचे दाम पर कम कारोबार तथा नई फसल की आवक के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट दर्ज हुई। जबकि डीओसी की कमजोर मांग से सोयाबीन तिलहन के दाम भी सप्ताहांत में गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये बढ़कर 6,675-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 250 रुपये बढ़कर 14,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 40-40 रुपये की मजबूती के साथ क्रमश: 2,175-2,275 रुपये और 2,175-2,290 रुपये टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमश: 70-70 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 4,830-4,880 रुपये प्रति क्विंटल और 4,605-4,740 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके विपरीत सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश: 1,000 रुपये, 700 रुपये और 650 रुपये बढ़कर क्रमश: 12,850 रुपये, 12,450 रुपये और 9,250 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 125 रुपये की गिरावट के साथ 6,350-6,625 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 40 रुपये की गिरावट के साथ 2,270-2,570 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं कम आपूर्ति की स्थिति के कारण कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 450 रुपये की तेजी के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पामोलीन दिल्ली का भाव 1,000 रुपये के सुधार के साथ 13,150 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 1,050 रुपये के सुधार के साथ 12,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। कम स्टॉक के बीच मांग निकलने से समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 650 रुपये के सुधार के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

न्यूज़ ब्रीफ

स्पाइसजेट ने क्यूआईपी को शेयर बेचकर जुटाए 3000 करोड़, नया फंड एयरलाइन को बकाया चुकाने में मदद करेगा

नई दिल्ली। स्पाइसजेट ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईपी) को शेयर बेचकर 3,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे कर्ज संकट से जूझ रही एयरलाइन को मदद मिली है। सोसाइटी जनरल-ओडीआई, गोल्डमैन सैक्स (सिंगापुर) पीटीई-ओडीआई, नोमुरा सिंगापुर लिमिटेड ओडीआई और डिस्कवरी ग्लोबल ऑपर्चुनिटी (मॉरीशस) लिमिटेड विदेशी संस्थाएं उन निवेशकों में शामिल हैं। इन्हें एयरलाइन के योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के तहत शेयर आवंटित किए गए हैं। एक नियामक फाइलिंग के अनुसार एयरलाइन की फंड जुटाने वाली समिति ने 20 सितंबर को 80 से अधिक क्यूआईपी प्रतिभागियों को 61.60 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर 48.70 करोड़ से अधिक शेयर आवंटित करने को मंजूरी दी। कुल मिलाकर 3,000 करोड़ रुपये की सिक्योरिटीज जारी की गई हैं। शनिवार को बीएसई को दी गई फाइलिंग में कहा गया है कि इश्यू में इक्विटी शेयरों के आवंटन के बाद कंपनी की पेडअप इक्विटी शेयर कैपिटल 7,94,67,27,170 रुपये से बढ़कर 12,81,68,57,030 रुपये हो गई है, जिसमें 1,28,16,85,703 इक्विटी शेयर शामिल हैं। 19 वर्षों से उड़ान भर रही स्पाइसजेट कई चुनौतियों का सामना कर रही है और नया फंड जुटाने से एयरलाइन को विभिन्न बकाया चुकाने में मदद मिलेगी। इस पैसे का उपयोग विमान और इंजन लीज पर देने वालों, इंजीनियरिंग वेंडर्स और फाइनेंसर्स सहित लेनदारों की देनदारियों के निपटान के लिए किया जाएगा। पांच आवंटियों को क्यूआईपी में पेश किए गए शेयरों में से प्रत्येक को पांच प्रतिशत से अधिक प्राप्त हुआ है। इससे पहले, सूत्रों ने कहा था कि स्पाइसजेट के प्रमोटर अजय सिंह एयरलाइन में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेच सकते हैं। इश्यू के बाद शेयरहोल्डिंग पैटर्न में आए बदलाव के बारे में बीएसई को कुछ समय बताया जाएगा। इस फंडिंग से स्पाइसजेट को निकट भविष्य में मदद मिलेगी।

अडाणी पोर्ट्स का मार्केट कैप बढ़कर 3.10 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयरों पर बुलिश दिखाई दे रही है। शुक्रवार को ये शेयर 2.16 फीसदी की तेजी के साथ 1438 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। शेयरों में आई तेजी की वजह से कंपनी का मार्केट कैप अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। अडानी पोर्ट्स एंड इकोनॉमिक जोन का मार्केट कैप बढ़कर 3.10 लाख करोड़ रुपये हो गया। आपको बता दें कि ये स्टॉक अभी भी अपने 52 वीक के हाई से करीब 200 रुपये पीछे है। शेयर का 52 हफ्तों का हाई 1607 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने कंपनी के शेयरों पर भरोसा जताया है। ब्रोकरेज ने इसे बाय रेटिंग दी है। मोतीलाल ओसवाल ने इसे 1850 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है जो इसके 52 हफ्तों के हाई से कहीं ज्यादा है और अभी की कीमत से करीब 29 फीसदी अधिक है।

वैश्विक रुख, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तय करेगी शेयर बाजार की दिशा : विश्लेषक

रुपए की चाल और ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा प्रभावित होगी

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर किसी प्रमुख घटनाक्रम के अभाव में घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से इस सप्ताह बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा प्रमुख ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती के बाद पिछले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। बाजार के जानकारों ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती का उभरते बाजारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और भारत वैश्विक निवेशकों के बीच पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने आक्रामक लिवाली की। अकेले शुक्रवार को ही एफआईआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह बाजार को दिशा देने वाला कोई बड़ा संकेतक नहीं है। हालांकि, अमेरिका के वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। एफआईआई प्रवाह भारतीय शेयर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बना रहेगा, साथ ही घरेलू संस्थागत प्रवाह पर भी सभी की निगाह रहेगी। हालांकि, बाजार फिलहाल भू-राजनीतिक जोखिमों से प्रभावित नहीं दिख रहा है, लेकिन यह आगे बाजार के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। डेरिवेटिव निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बाजार के एक अन्य विश्लेषक कहते हैं कि बाजार धीरे-धीरे ऊपर चढ़ रहा है। हमें उम्मीद है कि मजबूत एफआईआई प्रवाह, स्वस्थ घरेलू वृहद कारक और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी के बारे में घटती चिंता के कारण इस सप्ताह भी इसकी सकारात्मक रफ्तार जारी रहेगी। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार की दिशा प्रभावित होगी। उन्होंने कहा हालांकि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की प्रमुख घटना पीछे रह गई है, लेकिन आगे भी बाजार की दिशा के लिए सभी का ध्यान अमेरिका पर रहेगा। इसके अलावा विदेशी कोषों के प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी।

सेंसेक्स की शीर्ष छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.97 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,97,734.77 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 63,359.79 करोड़ रुपये बढ़कर 9,44,226.88 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 58,569.52 करोड़ रुपये बढ़कर 13,28,605.29 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 44,319.91 करोड़ रुपये बढ़कर 9,74,810.11 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 19,384.07 करोड़ रुपये बढ़कर 20,11,544.68 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 10,725.88 करोड़ रुपये बढ़कर 7,00,084.21 करोड़ रुपये और आईटीसी का 1,375.6 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,43,907.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के विपरीत टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 85,730.59 करोड़ रुपये घटकर 15,50,459.04 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 15,861.16 करोड़ रुपये घटकर 7,91,438.39 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 14,832.12 करोड़ रुपये घटकर 6,39,172.64 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 7,719.79 करोड़ रुपये घटकर 6,97,815.41 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमश: टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी और एलआईसी का स्थान रहा।

अगर लेनदेन शुल्क लगा तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता यूपीआई बंद कर देंगे: सर्वे

सर्वे में 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। यूपीआई सेवा पर यदि लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो 75 प्रतिशत उपयोगकर्ता इसका उपयोग करना बंद कर देंगे। हाल ही में जारी किए गए एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वेक्षण के अनुसार 38 प्रतिशत उपयोगकर्ता अपना 50 प्रतिशत भुगतान लेनदेन डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या किसी अन्य प्रकार के डिजिटल माध्यम के बजाय यूपीआई के जरिये करते हैं।

सर्वे कहता है कि सिर्फ 22 प्रतिशत यूपीआई उपयोगकर्ता भुगतान पर लेनदेन शुल्क का बोझ उठाने को तैयार हैं। वहीं 75 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगर लेनदेन शुल्क लगाया जाता है, तो वे यूपीआई का उपयोग करना बंद कर देंगे। यह सर्वे तीन व्यापक क्षेत्रों पर किया गया है। इसमें 308 जिलों से 42,000 प्रतिक्रियाएं मिली हैं। हालांकि प्रत्येक प्रत्येक प्रश्न पर उत्तरों की संख्या अलग-अलग थी। यूपीआई पर लेनदेन शुल्क से संबंधित प्रश्न को लेकर 15,598 प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 2023-24 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लेन-देन की मात्रा में रिकॉर्ड 57 प्रतिशत और मूल्य में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। पहली बार किसी वित्त वर्ष में यूपीआई लेन-देन 100 अरब को पार कर गया है। यह 2023-24 में 131 अरब रहा, जबकि 2022-23 में यह 84 अरब था। रिपोर्ट में कहा गया है कि मूल्य के लिहाज से यह 1,39,100 अरब रुपये से बढ़कर 1,99,890 अरब रुपये पर पहुंच गया है। सर्वे के अनुसार 37 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने मूल्य के लिहाज से अपने कुल भुगतान के 50 प्रतिशत से अधिक के लिए यूपीआई लेन-देन खातों को साझा किया। सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपीआई तेजी से 10 में से चार उपभोक्ताओं के भुगतान का अभिन्न अंग बन रहा है।

इसलिए किसी भी तरह का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लेनदेन शुल्क लगाए जाने का कड़ा विरोध हो रहा है। लोकल सर्किल्स इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों को वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ आगे बढ़ाएगा, ताकि किसी भी एमडीआर शुल्क की अनुमति देने से पहले यूपीआई उपयोगकर्ता की नब्ज को ध्यान में रखा जा सके। यह सर्वे 15 जुलाई से 20 सितंबर के बीच ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

वोडाफोन आइडिया ने नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ किया सौदा

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कर्ज संकट का सामना कर रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 4जी और 5जी नेटवर्क उपकरणों की आपूर्ति के लिए नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग को 30,000 करोड़ रुपये का अनुबंध दिया है। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। यह अनुबंध तीन साल के लिए है। कंपनी ने इससे पहले तीन साल में 6.6 अरब डॉलर या 55,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की घोषणा की थी। यह सौदा इस दिशा में पहला कदम है। कंपनी ने कहा कि वोडाफोन आइडिया ने नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ तीन साल की अवधि में नेटवर्क उपकरणों की आपूर्ति के लिए करीब 3.6 अरब डॉलर (करीब 30,000 करोड़ रुपये) का एक बड़ा सौदा किया है। बयान में कहा गया है कि इस पूंजीगत व्यय कार्यक्रम का लक्ष्य 4जी आबादी के दायरे को 1.03 अरब से बढ़ाकर 1.2 अरब करना, प्रमुख बाजारों में 5जी सेवा शुरू करना और डेटा की वृद्धि के अनुरूप क्षमता का विस्तार करना है। इन नए दीर्घकालिक ठेकों के तहत आपूर्ति आगामी तिमाही में शुरू होगी। बयान में कहा गया है कि 1.2 अरब भारतीयों तक 4जी सेवा (कवरेज) का विस्तार कंपनी की शीर्ष प्राथमिकता है।

जुलाई में देश का कोयला आयात बढ़कर 2.52 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। इसी साल जुलाई में देश का कोयला आयात 40.56 प्रतिशत बढ़कर 2.52 करोड़ टन रहा है। पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में कोयला आयात 1.79 करोड़ टन रहा था। बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज द्वारा जुटाए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। चालू वित्त वर्ष के पहले अप्रैल-जुलाई में कोयला आयात बढ़कर 10.04 करोड़ टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 8.91 करोड़ टन था। एमजंक्शन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगले महीने त्योहारी सीजन से पहले आने वाले हफ्तों में आयात मांग में तेजी आने की संभावना है। समुद्री मार्ग से ढुलाई दरों में नरमी के बीच गैर-कोकिंग कोयले के आयात में तेजी देखने को मिल रही है। हालांकि, इस्पात मिलों की कमजोर मांग के कारण कोकिंग कोयले की मात्रा में कमी आई है। जुलाई में कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 1.65 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 1.01 करोड़ टन था। कोकिंग कोयले का आयात 48.1 लाख टन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष जुलाई में यह 50.3 लाख टन था।

अप्रैल-जुलाई की अवधि के दौरान गैर-कोकिंग कोयले का आयात एक साल पहले के 5.66 करोड़ टन की तुलना में बढ़कर 6.56 करोड़ टन पर पहुंच गया। वहीं कोकिंग कोयले के आयात में 2.02 करोड़ टन के मुकाबले मामूली बढ़त देखने को मिली। कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने पूर्व में कहा था कि भारत को जीवाश्म ईंधन का घरेलू उत्पादन बढ़ाना चाहिए और कोयले का आयात कम करना चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कोयला आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 26.82 करोड़ टन रहा था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आंध्र के...

लेकिन, यह समूचा प्रकरण मंदिरों के अपमान, भूमि संबंधी मुद्दों और अन्य धार्मिक प्रथाओं से जुड़े कई मुद्दों पर चिंतनीय प्रकाश डालता है। अब समय आ गया है कि पूरे भारत में मंदिरों से जुड़े सभी मुद्दों पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अविलंब सनातन धर्म रक्षा बोर्ड का गठन किया जाए। सभी नीति निर्माताओं, धार्मिक प्रमुखों, न्यायपालिका, आम नागरिकों, मीडिया और अपने-अपने क्षेत्रों के अन्य सभी दिग्गजों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर एक सार्थक बहस होनी चाहिए। मेरा मानना है कि हम सभी को किसी भी रूप में सनातन धर्म के अपमान को रोकने के लिए अविलंब एक साथ आना चाहिए। हाल ही में एक लैब रिपोर्ट का हवाला देते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने पिछली जगन मोहन सरकार रेड्डी सरकार पर प्रसादम को अपवित्र करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम को जिस घी से तैयार किया जा रहा था, उसके सैंपल में पशुओं की चर्बी मिले होने की पुष्टि लैब टेस्ट में हुई है। जिसके बाद पूरे देश मे काफी रोष देखने को मिला था।सामने आई जानकारी के मुताबिक, तिरुपति मंदिर में घी सप्लाई करने वाली कंपनी एआर डेयरी को तत्कालीन जगन सरकार की ओर से ठेका दिया गया था। इस घटना के सामने आने के बाद चार सितम्बर से टीटीडी ने कर्नाटक मिल्क फेडरेशन से घी मंगाना शुरू कर दिया है। नायडू सरकार की ओर से नए टेंडर में कई और शर्तें जोड़ी गईं। जिससे प्रसादम की पवित्रता बनी रहे। गुंटूर में उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा, प्रसाद वितरण 100 से अधिक वर्षों से चल रहा है। लेकिन वाईएसआरसीपी के शासन में राजनीतिक लाभ के लिए टीटीडी बोर्ड में बदलाव किया गया। जिसके बाद श्री वेंकटेश्वर ट्रस्ट की स्थापना की गई, जिसके जरिए कई घोटाले किए गए। पूजा के प्रोटोकॉल बदल दिए गए और 300 से अधिक मंदिरों को अपवित्र कर दिया गया। क्या अधिकारी सभी मंदिरों में प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। प्रसाद में मछली का तेल, गोमांस और सूअर की चर्बी पाई गई है। यहां तक कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान अयोध्या को भी टीटीडी से दूषित लड्डू भेजे गए। पवन कल्याण ने आगे कहा कि, वाईएसआरसीपी के शासनकाल में 219 मंदिर नष्ट कर दिए गए। मैंने इन मंदिरों में तोड़फोड़ पर सवाल उठाए है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे और सख्त कार्रवाई की जाएगी। पिछले पांच सालों में टीटीडी बोर्ड ने क्या किया है? हिंदू भक्तों को बताना चाहिए। जो कभी पवित्र था, उसे अपवित्र कर दिया गया है। दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। इस पूरे मामले पर विधानसभा में चर्चा होनी चाहिए। मैं मुख्यमंत्री से जांच करने का अनुरोध करता हूं। यहीं नहीं टीटीडी की कार्रवाई पर एक श्वेत पत्र रिपोर्ट जारी होना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी मंदिरों में प्रोटोकॉल का पालन किया जाए। जाति और राजनीति से परे एकता का समय आ गया है।

जिन्ना के रास्ते ...

लेकिन विदेशों में जाकर यहां की व्यवस्थाओं पर प्रश्न उठाना सरासर गलत है। देश के बाहर जाकर की गई आलोचना का मैं विरोध करता हूं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि भाषा की मर्यादा भी होना चाहिए, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों या फिर कोई और इन्हें लेकर जो बात कही जा रही है, वह गलत है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने वन नेशन वन इलेक्शन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि यह जल्द लागू होना चाहिए। देश में जाति धर्म, क्षेत्र भाषा के नाम पर विभाजन बंद होना चाहिए। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण पर भी कानून लागू होने की बात कही। बता दें कि उज्जैन के मोनतीर्थ आश्रम पर सनातन विथ यूथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में उत्तरप्रदेश के संभल स्थित कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम शामिल हुए। दीप प्रज्ज्वलन के बाद कार्यक्रम में धार्मिक गीतों पर आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई। समारोह के आरंभ में निनाद ग्रुप की पलक पटवर्धन के नेतृत्व में नृत्य प्रस्तुतियां दी गई। इस दौरान दिव्य शक्ति संस्था के कलाकारों और युवतियों ने लाठियां चलाकर कला का प्रदर्शन किया। वहीं, कुछ युवतियों ने तलवार चलाकर आत्मरक्षा और नारी शक्ति की मिसाल पेश की। छोटे बालक बालिकाओं ने योग का भी प्रदर्शन किया। नन्हीं बालिकाओं ने सिर पर जलता दीपक रखकर योग कला का प्रदर्शन किया, जिसकी जमकर सराहना की गई।

अमेरिका ने ...

शताब्दी के टेराकोटा फूलदान, पहली शताब्दी ईसा पूर्व-पहली शताब्दी सीई से संबंधित दक्षिण भारत की पत्थर की मूर्ति, 17-18वीं सदी के दक्षिण भारत के कांस्य में भगवान गणेश, उत्तर भारत के बलुआ पत्थर से बने खड़े भगवान बुद्ध, 15-16वीं सदी के, पूर्वी भारत से 17-18वीं सदी के कांस्य में भगवान विष्णु, 2000-1800 ईसा पूर्व की उत्तर भारत की तांबे की मानवरूपी आकृति, 17-18वीं सदी के दक्षिण भारत के कांस्य निर्मित भगवान कृष्ण, दक्षिण भारत के ग्रेनाइट से बने भगवान कार्तिकेय, 13-14वीं शताब्दी ई.पू. के हैं।

हाल के दिनों में सांस्कृतिक संपत्ति की बहाली भारत-अमेरिका सांस्कृतिक समझ और आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण पहलू बन गया है। 2016 के बाद से अमेरिकी सरकार ने बड़ी संख्या में तस्करी या चोरी हुई पुरावशेषों की वापसी की सुविधा प्रदान की है। जून 2016 में प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान 10 पुरावशेष लौटाए गए। सितंबर 2021 में उनकी यात्रा के दौरान 157 पुरावशेष और पिछले साल जून में उनकी यात्रा के दौरान 105 पुरावशेष मिले। 2016 से अमेरिका से भारत लौटी सांस्कृतिक कलाकृतियों की कुल संख्या 578 है। यह किसी भी देश द्वारा भारत को लौटाई गई सांस्कृतिक कलाकृतियों की अधिकतम संख्या है।

आतंकवाद खत्म ...

लेकिन मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि अब कोई भी शक्ति अनुच्छेद 370 को जम्मू-कश्मीर में वापस नहीं ला सकती।

उन्होंने लोगों से जम्मू-कश्मीर के लिए शांति, प्रगति और समृद्धि की नई सुबह का वादा करते हुए आगामी चुनावों में भाजपा उम्मीदवारों को वोट देने का आग्रह किया। श्री शाह ने जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा के विकास के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए पार्टी की जीत का विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने विधानसभा चुनावों के पहले चरण के मतदान के सफल समापन के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों को बधाई दी।

सेना के जवानों...

जिसके बाद ट्रेन को दोपहर करीब ढाई बजे सागफाटा स्टेशन पर आधे घंटे तक रोका गया। ट्रैक पर रखे डेटोनेटर 2014 के बताए जा रहे हैं। यह पांच साल के लिए ही वैध रहते हैं। छठवें साल में इनका टेस्ट होता है। इन्हें रेलवे ही बनाता है। कानपुर में रविवार को प्रेमपुर स्टेशन पर सिलेंडर रखे होने की सूचना मिलते ही रेलवे के सीनियर अफसर, आरपीएफ, जीआरपी और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अफसरों ने बताया कि मालगाड़ी कानपुर से प्रयागराज जा रही थी। ट्रैक पर रखा 5 किलो का सिलेंडर खाली था। यूपी में 38 दिनों में ट्रेन पलटाने की यह 5वीं साजिश है। इससे पहले कानपुर में ही 8 सितंबर को भरा सिलेंडर रखकर कालिंदी एक्सप्रेस को डिरेल करने की साजिश रची गई थी। पंजाब के बठिंडा में बंगी नगर के पास एक बड़ा रेल हादसा टल गया। यहां दिल्ली की तरफ से एक मालगाड़ी आ रही थी। तभी लोको पायलट को ट्रैक पर सरियों का एक बंडल दिखा। उसने इमरजेंसी लगाकर ट्रेन रोक दी। सूचना मिलने पर रेलवे अधिकारी पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। उधर मुजफ्फरपुर में मुजफ्फरपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन के इंजन के 6 पहिए बेपटरी हुए थे। डिरेल हुए इंजन को मुजफ्फरपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन से जोड़ना था। रेलवे के मुताबिक, इंजिन जोड़ने के दौरान भागलपुर-मुजफ्फरपुर इंटरसिटी जंक्शन पर आ रही थी। इस कारण इंजन को सिग्नल नहीं दिया गया और बिना सिग्नल के इसे आगे बढ़ाया गया, जिसके चलते पहिए बेपटरी हो गए।

कौवे के बिना अधूरा होता है श्राद्ध

भाद्रपद मास की पूर्णिमा से लेकर अश्विन मास की अमावस्या तक चलने वाले पितृपक्ष के दौरान पितरों की आत्मा तृप्ति के लिए पंच बलि भोग में कौवे के भोग का बहुत महत्व माना गया है।

श्राद्ध में पितरों की आत्मा को तृप्त करने के लिए देव, गाय, कौआ और श्वान का भोग सबसे पहले दिया जाता है। इस भोग को ग्रहण कर पितर तृप्त होते हैं और कुटुम्ब के सदस्यों को स्नेह पूर्वक आशीर्वाद देकर धराधाम से उर्ध्व धाम को चले जाते हैं। स्कंद पुराण के अनुसार देवता और पितर गंध और रस तत्व से भोजन ग्रहण करते हैं। इनको ग्रास न/न देने से श्राद्ध कर्म अधूरा ही माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौवों को देवपुत्र भी माना गया है। कौवे को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। श्राद्ध पक्ष में कौवे को खाना खिलाने से पितरो को तृप्ति मिलती है। गरुण पुराण के अनुसार, पितृपक्ष में अगर कौआ श्राद्ध का भोजन ग्रहण कर लें तो पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और यम भी खुश होते हैं और उनका संदेश पितरों तक पहुंचाते है।

प्राचीन शास्त्रों के अनुसार यम ने कौवे को वरदान दिया था कि तुम्हें दिया गया भोजन पूर्वजों की आत्मा को शांति देगा। तब से यह प्रथा चली आ रही है।

धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि पुराण, रामायण, महाकाव्यों एवं अन्य धर्म शास्त्र और प्राचीन ग्रन्थों में पितृपक्ष में कौवों की महत्ता को विस्तृत रूप से बताया गया है। इससे जुड़ी कई रोचक कथाएं एवं मान्यताएं वर्णित हैं।

मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष में पूर्वज अपनों के साथ पृथ्वी पर 15 दिन का समय बिताने के लिए आते हैं। इस अवधि में उनका तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध में कौवे, गाय और स्वान को सबसे पहले भोग दिया जाता है। पितरों को भोजन कराने के लिए कौवे को अंश दिया जाता है जिससे उसके द्वारा ही पितरों को महाप्रसाद का अंश मिलता है। पितर परिजनों के कर्म से प्रसन्न होकर संपन्नता, खुशहाली और वंश वृद्धि का आशीर्वाद प्रदान कर पितृ लोक को वापस लौट जाते हैं।

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त भोजन बनाकर कौवे, गाय, कुत्ते का ग्रास निकालने का विधान है। श्राद्ध में कौवों के नही मिलने से लोगों को पितरों तक भोजन पहुंचाने की परंपरा का निर्वहन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पितृ पक्ष के दौरान कुत्ता और गाय तो सुलभ हैं लेकिन कौवे खोजने पर भी नहीं मिल रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं कहीं कौवे नजर आ भी जाते हैं लेकिन शहरी वातावरण में बडी मुश्किल से नजर आते हैं। कुछ साल पहले तक घरों के मुंडेर पर कौवे कांव-कांव करते बैठे मिलते थे। बढ़ती आबादी के साथ बढ़ते कंक्रीट के जंगल और कम होती हरियाली कौवो के प्राकृतिक आवास छिनने के लिए जिम्मेदार हैं। इसके अलावा खेतों में पेस्टीसाइड का प्रयोग, मोबाइल टावरों से निकलने वाली रेडियोधर्मी किरणें और बढ़ते प्रदूषण कौवे के पलायन का एक बड़ा कारण है। लोगों को कौओं की सालभर भले सुधि नहीं आती हो लेकिन पितृपक्ष में उन्हें ग्रास खिलाने के लिए बरबस याद आते है।

भारत के अलावा दूसरे देशों की प्राचीन सभ्यताओं में भी कौवे को महत्व दिया गया है। गरुड़ पुराण में बताया है कि कौवे यमराज के संदेश वाहक होते हैं। ग्रीक माइथोलॉजी में रैवन (एक प्रकार का कौवा) को अच्छे भाग्य का संकेत माना गया है। वहीं, नॉर्स माइथोलॉजी में दो रैवन हगिन और मुनि की कहानी मिलती है, जिन्हें ईश्वर के प्रति उत्साह का प्रतीक बताया गया है।

यहां है दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर

400 नदियों का पानी और 7 देशों का पत्थर

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हिंदू मंदिर भारत में नहीं है, बल्कि अमेरिका के न्यू जर्सी शहर में स्थित है। न्यू जर्सी शहर न्यूयॉर्क सिटी के पास है। यह दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर जैसा बनाया गया है। सबसे खास बात यह है कि इसे बनाने के लिए 7 देशों के पत्तथरों का इस्तेमाल किया गया है।

पिछले साल 8 अक्टूबर को न्यू जर्सी में स्थित स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन किया गया था। यह मंदिर 191 फुट ऊंचा है। यहां स्वामीनारयण जी की पूजा होती है। इस मंदिर के निर्माण में लगे पत्थरों को बुल्गारिया, इटली, यूनान, तुर्की और भारत समेत 7 देशों से मंगाया गया है। ब्रह्मकुंड या बावड़ी में दुनियाभर की 400 अलग-अलग नदियों और झीलों का पानी है। इसमें भारत की गंगा और यमुना नदी का भी पानी है।

स्वामीनारायण को घनश्याम पांडे भी कहा जाता है। 1781 को भगवान श्रीराम की जन्मभूमि कही जाने वाली अयोध्या के पास छपिया नाम के गांव में उनका जन्म हुआ था। ज्योतिषों ने इन्हें देखकर कहा कि यह बालक दुनियाभर के लोगों को सही दिशा दिखाने का काम करेगा। 8 साल की उम्र में उनका जनेऊ संस्कार हुआ, 11 साल की उम्र में उन्होंने सभी शास्त्रों को पढ़ लिया, जब माता-पिता का देहांत हुआ तो वह अपना घर त्याग दिएं और सन्यासी के रूप में जीवन जीने लगें। भारत के कई देशों में भ्रमण करने के बाद वह गुजरात में रुकें। वहां उनके कई फॉलोअर्स बन गएं। उन्होंने देश में कई कुरीतियों को खत्म करने के लिए काम किया और वह पुरुषोत्म नारायण कहलाने लगें।

तोता मुखी हनुमान जी का है अनोखा मंदिर

महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी को तोता के रूप में हनुमान जी के हुए थे दर्शन

धर्म नगरी चित्रकूट प्रभु श्री राम की तपोस्थली रही है। यह वही स्थान है, जहां प्रभु श्री राम ने अपने वनवास काल के साढ़े 11 साल व्यतीत किए थे। ऐसे में धर्म नगरी में आज हम एक ऐसे मंदिर के बारे में आपको बताने जा रहे हैं। जहां महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी को तोता के रूप में हनुमान जी के दर्शन हुए थे। साथ ही हनुमान जी ने उनको प्रभु श्री राम से मिलने का उपाय बताया था।

धर्म नगरी चित्रकूट के रामघाट में स्थित तोता मुखी हनुमान मंदिर की यह वही स्थान है। जहां गोस्वामी तुलसीदास जी को तोते के रूप में हनुमान जी ने अपना दर्शन दिया था। मान्यता है कि गोस्वामी तुलसीदास जी श्री राम के दर्शन के लिए व्याकुल थे। तभी अमावस्या के दिन प्रभु श्री राम राम घाट की मंदाकिनी नदी में स्नान करने हुए आए हुए थे।

ऐसे में महाकवि गोस्वामी तुलसीदास प्रभु श्री राम को नहीं पहचान सके। तभी वहां मौजूद हनुमान जी ने तोते के रूप में तुलसीदास जी को प्रभु श्री राम के बारे में बताया था। माना जाता है कि चित्रकूट के अलावा कहीं और बजरंगबली ने तोते के रूप में अपने दर्शन किसी को नहीं दिए हैं।

वहीं, चित्रकूट के पुजारी मोहित दास ने लोकल 18 को जानकारी देते हुए बताया कि गोस्वामी तुलसीदास जी को प्रभु श्री राम के दर्शन कहीं नहीं हुए थे। काशी में गोस्वामी तुलसीदास जी को हनुमान जी के दर्शन हुए। हनुमान जी ने गोस्वामी तुलसीदास जी से कहा कि अगर आप कलयुग में प्रभु के दर्शन करना चाहते हैं, तो वह आपको चित्रकूट में हो पाएंगे। तुलसीदास जी ने हनुमान जी की बातों को सुनकर चित्रकूट आ गए और वह चित्रकूट में गुफा बनाकर रहने लगे।

जानकारी के अनुसार अमावस्या का दिन था। तुलसीदास जी रामघाट में चंदन घिसकर भक्तों और संतों को चंदन लगा रहे थे। इन संतों की भीड़ में भगवान श्री राम और भाई लक्ष्मण बालक के रूप में गोस्वामी तुलसीदास जी के पास चंदन लगवाने पहुंच गए। तुलसीदास जी द्वारा उनको चंदन लगा दिया गया, लेकिन वह पहचान नहीं पाए कि यही प्रभु श्री राम हैं। इसी दौरान पेड़ के पीछे छुप कर सब देख रहे बजरंगबली ने तोते के रूप में दोहा सुनाकर तुलसीदास जी को श्री राम की पहचान करवाई, जिसके बाद तुलसीदास जी ने प्रभु के चरण पकड़ लिए। तभी प्रभु श्री राम ने यह देखकर अपने दिव्य रूप में आ गए और और इसी तरह प्रभु श्री राम के दर्शन गोस्वामी तुलसीदास जी को हो गए।

200 साल पहले खुदाई के दौरान मिला था यह पंचमुखी शिवलिंग, बेहद रोचक है कहानी

उत्तर प्रदेश का महाराजगंज जिला पड़ोसी देश नेपाल से सीमा साझा करता है। जिले के अलग-अलग हिस्सों में बहुत से धार्मिक स्थल मौजूद हैं, जिनकी अपनी-अलग अलग मान्यताएं हैं। ऐसा ही एक मंदिर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र इटहिया में मौजूद है। यह मंदिर अपनी खास मान्यता और इतिहास के लिए जाना जाता है। मंदिर परिसर के केंद्र में पंचमुखी शिवलिंग स्थित है, जिसके दर्शन और पूजा के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु यहां आते हैं। सिर्फ महाराजगंज जिले से ही नहीं बल्कि अन्य जगहों से भी लोग इस पंचमुखी शिवलिंग के दर्शन के लिए आते हैं। सावन के महीने में इस मंदिर में श्रद्धालु अनगिनत संख्या में यहां आते हैं।

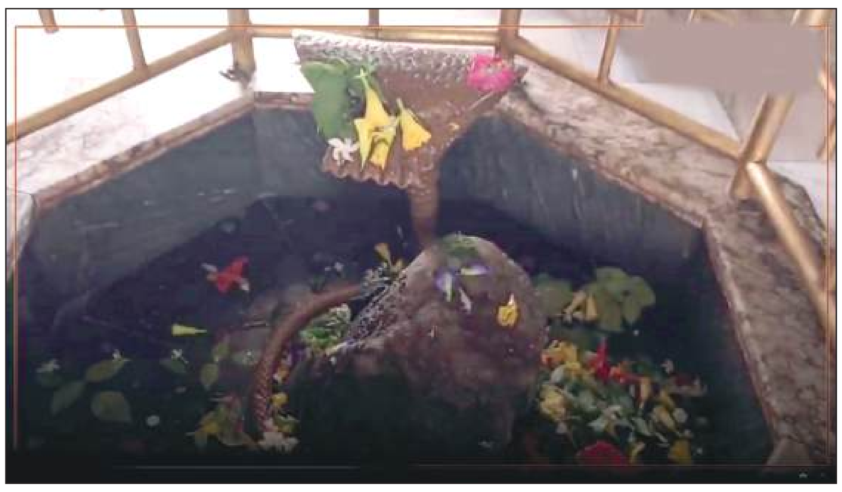

महाराजगंज जिले के इटहिया में स्थित यह पंचमुखी शिव मंदिर अपनी खास मान्यता और इतिहास के लिए जाना जाता है। मंदिर के मुख्य सेवादारों में से एक कन्हैया गिरी जी महाराज ने लोकल 18 से बातचीत के दौरान बताया कि आज से लगभग दो सौ साल पहले एक आम के पेड़ की खुदाई के समय यह पंचमुखी शिवलिंग प्राप्त हुआ था। खुदाई के दौरान प्राप्त इस पंचमुखी शिवलिंग के स्थान पर ही इस मंदिर का निर्माण हुआ है। इस मंदिर के साथ अन्य दूसरी कहानियां भी जुड़ी हुई है, जो प्राचीन मान्यताओं को बताती हैं। उन्होंने बताया कि इस मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

दुर्भाग्य का कारण बनती हैं घर-दफ्तर में मौजूद ये चीजें

आज ही दिखाएं बाहर का रास्ता

भाग्य का जब साथ नहीं मिलता तो हम अपनी किस्मत को कोसने लगते हैं। क्योंकि भाग्य का साथ न मिलने से व्यक्ति को लगातार असफलताओं का सामना करना पड़ता है, जिससे वह परेशान हो जाता है। लेकिन दुर्भाग्य का एक कारण जाने-अनजाने में आपके द्वारा की गई कुछ गलतियां होती हैं।

कई बार ऐसा होता है जब खूब मेहनत करने पर भी सफलता हाथ नहीं लगती। घर पर तमाम सुख-सुविधाएं होने के बावजूद भी लोग परेशान रहते हैं। ऐसा लगता है जैसे मानों खुशियां रूठ गई हों। यदि आप भी ऐसी ही समस्याओं से गुजर रहे हैं तो इसका कारण नकारात्मक ऊर्जा या वास्तु दोष हो सकता है।

वास्तु शास्त्र में ऐसी चीजों के बारे में बताया गया है, जिसे घर, ऑफिस या दुकान आदि जगहों पर रखने से तेजी से नकारात्मक ऊर्ज का संचार होता है और ये चीजें वास्तु दोष का कारण बनती हैं। अगर आपके घर, ऑफिस या दुकान आदि जगहों पर यह चीजें हैं तो इन्हें तुरंत बाहर का रास्ता दिखाएं।

कई बार ऐसा होता है घर पर किसी वस्तु को लाने के बाद परिस्थितियां अनुकूल होने लगती है। तो वहीं कई बार कुछ चीजों को घर पर लाना शुभ भी होता है। आइये जानते हैं उन चीजों के बारे में जो घर-ऑफिस से लिए परेशानियों का कारण बन सकती हैं। इसलिए इन्हें हटा देना ही आपके लिए सही रहेगा।

पेंटिंग :- घर-ऑफिस की साज-सज्जा के लिए लोग दीवारों पर पेंटिंग लगाते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र की माने तो टाइटेनिक जहाज, डूबते हुए जहाज, पियानो, हिंसात्मक पशु, युद्ध आदि जैसी तस्वीरें नहीं रखनी चाहिए। इन तस्वीरों से न सिर्फ भय और निराशा प्रकट होती है, बल्कि ये आपके लिए दुर्भाग्य का कारण भी बन सकते हैं। ऑफिस में इस तरह की तस्वीरें रखने से मनोबल में कमी आती है और शांति भंग होती है।

इसके साथ ही घर-ऑफिस ऐसी जगह होती है जहां शांति और खुशहाली बनी रहनी चाहिए। इसलिए कभी भी डरावनी तस्वीरें जैसे राक्षस या असुरों की डरावनी तस्वीरें न लगाएं।

कांटेदार पौधे :- घर, ऑफिस या दुकान में कई लोग प्लांट्स रखते हैं। खासकर इंडोर प्लांट्स को लोग सजावट और शुद्ध हवा के लिए रखते हैं। यह काफी अच्छा भी होता है। लेकिन जब आप पौधों का चयन सही तरीके से करेंगे, तभी आपको इसका लाभ मिलेगा।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर या ऑफिस के भीतर कभी भी कांटेगर पौधे या जिन पौधे से दूध जैसा सफेद तरल पदार्थ निकलता हो उन्हें नहीं रखन चाहिए। ऐसे पौधे सुख-समृद्धि में बाधा डालते हैं।

समुद्र मंथन से निकली थी कामधेनु गाय

जानिए क्यों मानी जाती है इतनी दिव्य

समुद्र मंथन के दौरान देवताओं और असुरों ने मिलकर समुद्र से 14 रत्न निकाले थे। समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों में एक रत्न कामधेनु गाय भी है। वहीं हिंदू धर्म में गाय को माता के रूप में माना और पूजा जाता है। कामधेनु गाय को दिव्य गाय माना जाता है, यह गाय किसी भी तरह की मनोकामना को पूरी करने वाली होती है। साथ ही यह गाय बेहद शक्तिशाली होती है और इसके शरीर में देवी-देवता निवास करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कामधेनु गाय की कुछ विशेषताओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

क्यों थी इतनी खास

बता दें कि कामधेनु गाय सफेद रंग की है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस गाय का मुख महिला के समान था और शरीर गाय की तरह था। देवताओं और दानवों ने मिलकर जब समुद्र मंथन किया था, तो समुद्र से 14 रत्न निकले थे। जिसमें से एक रत्न कामधेनु गाय थी। यह गाय इतनी दिव्य थी कि किसी भी इच्छा को पूरी कर सकती थी। कामधेनु गाय का स्थाई निवास स्वर्ग है। हालांकि जिसके पास भी यह गाय होती थी, उसको सबसे अधिक शक्तिशाली माना जाता था। मान्यता तो यह भी है कि कामधेनु गाय के दर्शन से ही सभी दुखों का अंत हो जाता है।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के मुताबिक सबसे पहले ऋषि वशिष्ठ के पास कामधेनु गाय था। एक बार ऋषि वशिष्ठ के आश्रम में राजा विश्वामित्र अतिथि बनकर आए। तब ऋषि वशिष्ठ ने कामधेनु गाय की मदद से राजा के सत्कार के लिए अनेकों व्यंजन बनाएं। यह देखकर राजा विश्वामित्र दंग रह गए। क्योंकि ऋषि जो व्यंजन उनको खिला रहे थे, वह महलों में भी मिलने मुश्किल थे। तब राजा ने ऋषि से पूछा कि यह व्यंजन कहां से आए, तो ऋषि वशिष्ठ ने उन्हें कामधेनु गाय के बारे में बताया।

कामधेनु गाय की दिव्यता को सुन राजा के मन में गाय को पाने की इच्छा प्रकट हुई। तब राजा ने ऋषि से इस गाय को मांगा। लेकिन ऋषि वशिष्ठ ने राजा विश्वामित्र को गाय देने से मना कर दिया। जिस पर राजा विश्वामित्र ने ऋषि पर आक्रमण कर दिया।

राजा और ऋषि को युद्ध करता देख कामधेनु गाय को बहुत दुख हुआ और वह स्वर्ग वापस लौट गई। इसके बाद कामधेनु गाय ने स्वर्ग को अपना स्थाई निवास बना लिया।

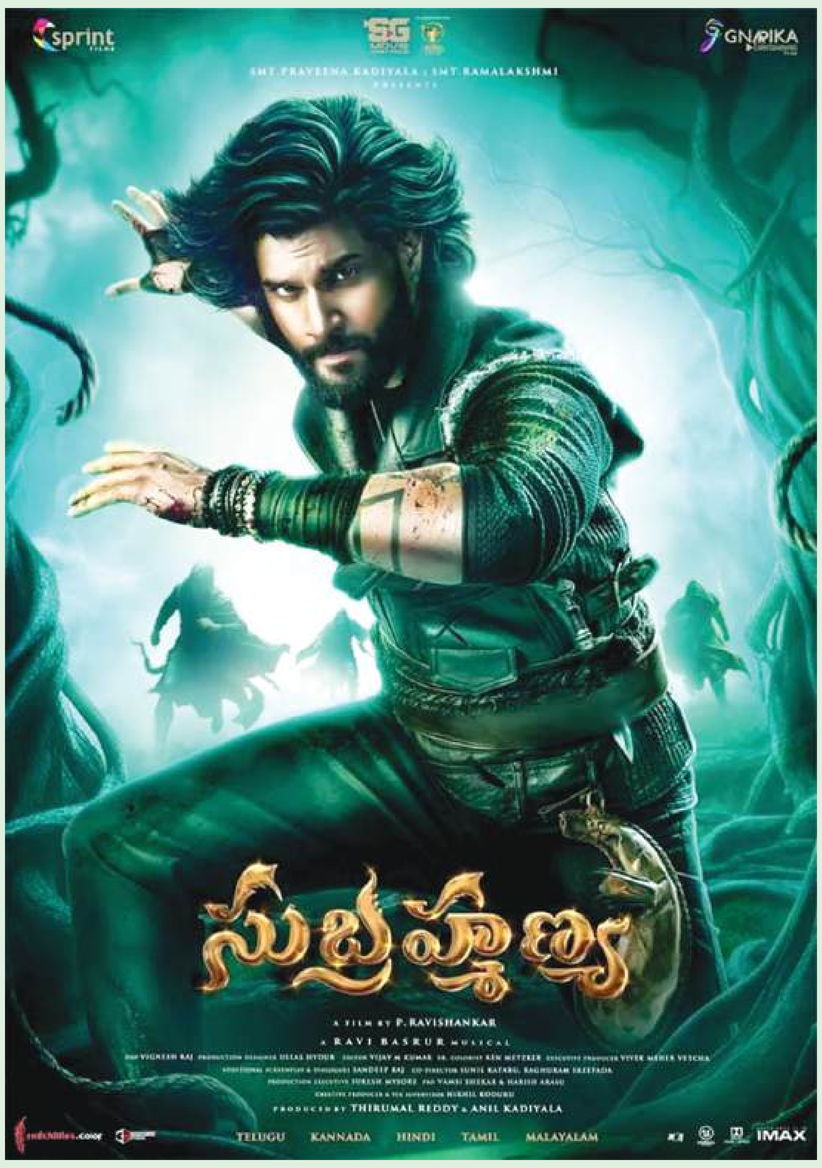

अद्वय की पैन इंडिया फिल्म सुब्रह्मण्यम का फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

कन्नड़ सुपरस्टार डॉ. शिव राजकुमार ने आगामी पैन इंडिया फिल्म सुब्रह्मण्य में मुख्य अभिनेता अद्वय का ध्यान आकर्षित करने वाला पहला लुक लॉन्च किया है। पी. रविशंकर द्वारा निर्देशित, सामाजिक-काल्पनिक साहसिक फिल्म का निर्माण थिरुमल रेड्डी और अनिल कडियाला ने एसजी मूवी क्रिएशन के बैनर तले किया है।

विनायक चतुर्थी के अवसर पर अनावरण किए गए फिल्म के पहले पोस्टर में अद्वय को मुख्य भूमिका में दिखाया गया है, जो विशेष रूप से डिज़ाइन की गई पोशाक पहने हुए हैं और अपनी तीव्रता दिखा रहे हैं।60% निर्माण पूरा हो जाने के बाद, मुंबई के रेड चिलीज़ स्टूडियो में पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है, मुंबई, हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई के प्रमुख स्टूडियो में वीएफएक्स और सीज-ीआई का काम चल रहा है। फिल्म में बेहतरीन तकनीकी विशेषज्ञता है, जिसमें रवि बसरूर का संगीत, विग्नेश राज की सिनेमैटोग्राफी, विजय एम कुमार का संपादन और उल्लास हैदराबाद का प्रोडक्शन डिज़ाइन शामिल है। सुब्रह्मण्य तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम और हिंदी में पूरे भारत में रिलीज़ के लिए तैयार है।फिल्म के कलाकार और क्रू इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं, जिसमें अद्वय हीरो के तौर पर अपनी शुरुआत कर रहे हैं। लोकप्रिय अभिनेता और डबिंग आर्टिस्ट पी. रविशंकर इस फिल्म के साथ अपने बेटे अद्वय को हीरो के तौर पर पेश कर रहे हैं।

हाल ही में फिल्म का प्री-लुक रिलीज़ किया गया, जिसे शानदार प्रतिक्रिया मिली, जिससे प्रोजेक्ट के बारे में चर्चा शुरू हो गई।सुब्रह्मण्य एक रोमांचक सामाजिक-काल्पनिक एडवेंचर फिल्म होने का वादा करता है, जिसमें प्रतिभाशाली कलाकार और क्रू इस पूरे भारत में प्रोजेक्ट को जीवंत करने के लिए एक साथ काम कर रहे हैं। अपनी बेहतरीन तकनीकी विशेषज्ञता और ध्यान खींचने वाले फर्स्ट लुक पोस्टर के साथ यह फिल्म पूरे भारत में दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है।

सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म युध्रा की बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया शुरुआत

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी पिछले काफी समय से एक्शन थ्रिलर फिल्म युध्रा को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म बीते शुक्रवार यानी 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। हालांकि, इसे दर्शकों और समीक्षकों से कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली।अब फिल्म की कमाई के पहले दिन के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। इसने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से ज्यादा रकम बटोरी है।आइए जानते है स्त्री 2 के आतंक के बीच युध्रा ने क्या कमाल किया।सैकनिल्क के मुताबिक, युध्रा ने पहले दिन 4.50 करोड़ रुपये की कमाई की। इस कारोबार के साथ फिल्म ने करण जौहर की एक्शन फिल्म किल को शिकस्त दे दी है। किल ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन कुल 1.25 करोड़ रुपये कमाए थे, जो कि युध्रा से काफी कम हैं।युध्रा को नेशनल सिनेमा डे पर रिलीज होने का भी फायदा मिला है। दरअसल इस खास मौके पर सभी फिल्मों के टिकट की कीमत 99 रुपये रखी गई थी।युध्रा ने पहले दिन किल के अलावा हाल-फिलहाल में आईं कई फिल्मों के कारोबार को मात दी है।इस फिल्म ने जिन फिल्मों के पहले दिन के कलेक्शन को पछाड़ा है, उनमें साउथ के सुपरस्टार विजय सेतुपति की फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम (1.85 करोड़), अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था (1.85 करोड़), जाह्नवी कपूर की उलझ (1.15 करोड़), अक्षय कुमार की सरफिरा (2.50 करोड़) और दिनेश विजान कीमुंज्या (4 करोड़) जैसी फिल्में शामिल हैं।युध्रा एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन रवि उदयावर ने किया है, जिन्होंने दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म मॉम का निर्देशन किया था।इस फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है। सिद्धांत के अलावा फिल्म में मालविका मोहनन और राघव जुयाल भी हैं।इसमें राम कपूर, शिल्पा शुक्ला, गजराज राव और राज अर्जुन भी अहम भूमिकाओं में हैं।इस फिल्म की कहानी से कहीं ज्यादा इसमें सिद्धांत और मालविका की जोड़ी की तारीफ हो रही है।उधर करीना कपूर ने अपनी किसी फिल्म का इतना बुरा हाल पूरे करियर में कभी नहीं देखा होगा, जितना द बकिंघम मर्डर्स का देखा है।सवा करोड़ रुपये की ओपनिंग करने वाली इस फिल्म की कमाई तीसरे दिन 2.15 करोड़ तक पहुंची जरूर थी, लेकिन इसके बाद से यह लगातार घट रही है। चौथे दिन से ही फिल्म लाखों में सिमट गई थी।40 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म का कुल कलेक्शन 8 करोड़ रुपये हुआ है।

थाई स्लिट गाउन पहन नताशा स्तांकोविक ने लगाया ग्लैमर का तड़का

एक्ट्रेस और मॉडल नताशा स्तांकोविक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े हर एक अपडेट्स फैंस के बीच साझा करती रहती हैं। बता दें कि नताशा स्तांकोविक और भारतीय ऑलराउंडर क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने इस साल जुलाई में एक-दूसरे से अलग होने का फैसला किया था। इसके बाद एक्ट्रेस अपने बेटे अगस्तय को लेकर सर्बिया चली गई थीं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वो बेहद ही शानदार लग रहे हैं।नताशा स्तांकोविक ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड और ग्लैमरस अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। इन तस्वीरों में भी उनका ऐसा ही अंदाज देखने को मिल रहा है।नताशा स्तांकोविक ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान सिल्वर कलर का मिरर वर्क लुक में रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज में फोटोज क्लिक करवा रही हैं।खुले बाल, न्यूज शेड लिप्सटिक और लाइट मेकअप कर के मॉडल नताशा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।बता दें कि नताशा अपने हर एक लुक से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाता है।एक्ट्रेस आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर इंटरनेट पर छाई हुई रहती हैं। उनका लेटेस्ट लुक अक्सर इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।

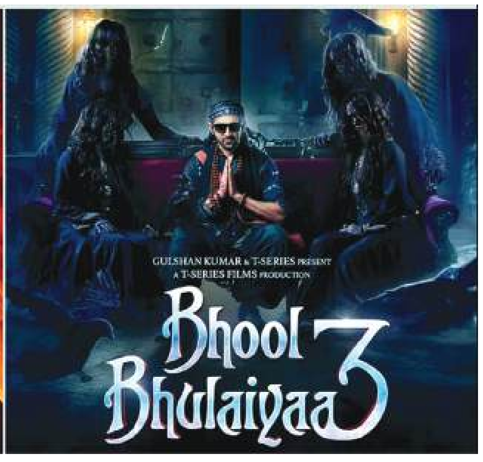

सिंघम अगेन नहीं हुई पोस्टपोन

दिवाली पर कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 से होगा क्लैश

अजय देवगन और करीना कपूर खान स्टारर कॉप एक्शन फिल्म सिंघम अगेन को लेकर बड़ा अपडेट आया है। फिल्म सिंघम अगेन की रिलीज डेट नहीं बदली है। अजय देवगन की सिंघम अगेन दिवाली के मौके पर ही रिलीज होगी। अटकलें थीं कि कार्तिक आर्यन ने अपनी फिल्म भूल भुलैया 3 से क्लेश ना हो इसलिए उन्होंने रोहित शेट्टी से फिल्म की रिलीज डेट बदलने का अनुरोध किया है। दिग्गज फिल्म समीक्षक अब तरण आदर्श ने अपने लेटेस्ट पोस्ट से इन सभी अटकलों को खारिज कर दिया है.तरण आदर्श ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है, फिल्म सिंघम अगेन आगे नहीं बढ़ रही है, फिल्म दिवाली पर ही रिलीज होगी, सिंघम अगेन पोस्टपोन नहीं हुई है, और ना ही यह किसी नई डेट पर खिसक रही है। यह इस दिवाली पर आ रही है और ऑफिशियल एलान बहुत जल्द होने वाला है, जी हां, सिंघम अगेन और भूल भुलैया दिवाली पर बॉक्स ऑफिस पर भिड़ने जा रही है.बता दें, सिंघम अगेन का पहले साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म पुष्पा 2 द रूल से होना था. दोनों ही फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होनी थी, लेकिन दोनों ही इस दिन रिलीज से पैर पीछे खींच लिए. वहीं, 15 अगस्त को रिलीज हुई फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा कब्जा किया कि वह भारत की सबसे कमाऊ फिल्म बन गई। पुष्पा 2 की बात करें तो यह 6 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है और इस दिन इसका मुकाबला विक्की कौशल की फिल्म छावा से होगा।

बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास की बीएसएस12 से संयुक्ता का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज

एक्शन-हल्क बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास की 12वीं फिल्म बीएसएस12, इंडस्ट्री में उनके एक दशक पूरे होने का प्रतीक है और यह उनकी अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना होने का वादा करती है। लुधीर बायरेड्डी द्वारा निर्देशित और मूनशाइन पिक्चर्स के तहत महेश चंदू द्वारा निर्मित, यह रहस्यमय थ्रिलर उच्च बजट और बेहतरीन तकनीकी मानकों का दावा करती है। फिल्म के घोषणा पोस्टर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, और नवीनतम फर्स्ट-लुक पोस्टर में संयुक्ता के किरदार समीरा को एक महत्वपूर्ण भूमिका में पेश किया गया है। संयुक्ता के किरदार के पोस्टर में उन्हें एक परिष्कृत रूप और गंभीर नजर के साथ दिखाया गया है, जो कांच की अलमारियों पर रहस्यमय संरचनाओं से घिरा हुआ है। उनकी भूमिका फिल्म की कहानी के लिए महत्वपूर्ण है, जो 400 साल पुराने दशावतार मंदिर के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास को पहले कभी न देखे गए अवतार में भी दिखाया गया है, जो एक रोमांचक अनुभव का वादा करता है। बीएसएस12 के तकनीकी दल में सिनेमेटोग्राफर के रूप में शिवेंद्र, संगीतकार के रूप में लियोन जेम्स, संपादक के रूप में कार्तिका श्रीनिवास आर और कला निर्देशक के रूप में श्रीनागेंद्र तंगला जैसे अनुभवी पेशेवर शामिल हैं। प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, यह पैन इंडिया फिल्म बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास के करियर में एक मील का पत्थर साबित होने वाली है।जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ेगी, प्रशंसक बीएसएस12 की दुनिया में और अधिक अपडेट और झलकियाँ देखने की उम्मीद कर सकते हैं। शिवेन रामकृष्ण द्वारा प्रस्तुत और मूनशाइन पिक्चर्स के तहत महेश चंदू द्वारा निर्मित इस रोमांचक परियोजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए बने रहें।

एसएसएमबी 29 के शीर्षक से उठा पर्दा?

महेश बाबू-राजामौली की फिल्म के नाम पर टीम ने दिया मजेदार अपडेट

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और फिल्म निर्माता-निर्देशक एसएस राजामौली एसएसएमबी 29 के जरिए पहली बार साथ काम कर रहे हैं। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को लेकर दर्शक लगातार नई जानकारियों का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के नाम को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर प्रशंसक अपडेट मांग रहे हैं। ऐसे में अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है।एसएसएमबी वहीं अब फिल्म के नाम की चर्चा तेज हो गई है। भले ही निर्माताओं ने अभी तक फिल्म पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन एसएसएमबी 29 की स्टार कास्ट और क्रू के बारे में कुछ दिलचस्प अटकलें काफी समय से चल रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि अब अफवाहों का बाजार गर्म है कि प्रोजेक्ट का आधिकारिक शीर्षक लगभग तय हो गया है। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि एसएस राजामौली ने अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म का शीर्षक तय कर लिया है, जो महेश बाबू के साथ उनका पहला ऑनस्क्रीन सहयोग है।भले ही निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक की घोषणा नहीं की है, लेकिन विजुअल डेवलपमेंट आर्टिस्ट टीपी विजयन के हालिया अपडेट ने प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। वे वर्तमान में एसएसएमबी 29 के लिए राजामौली के साथ काम कर रहे हैं। तस्वीर में क्रू मेंबर ने गोल्डन ईगल विंग्स प्रॉप्स की एक जोड़ी की तस्वीर साझा की। इस बीच राजामौली का एक थ्रोबैक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपने एक ड्रीम प्रोजेक्ट गरुड़ के बारे में बात करते हैं।भले ही निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक की घोषणा नहीं की है, लेकिन विजुअल डेवलपमेंट आर्टिस्ट टीपी विजयन के हालिया अपडेट ने प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। वे वर्तमान में एसएसएमबी 29 के लिए राजामौली के साथ काम कर रहे हैं। तस्वीर में क्रू मेंबर ने गोल्डन ईगल विंग्स प्रॉप्स की एक जोड़ी की तस्वीर साझा की। इस बीच राजामौली का एक थ्रोबैक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपने एक ड्रीम प्रोजेक्ट गरुड़ के बारे में बात करते हैं।अब सोशल मीडिया पर अटकलें हैं कि महेश बाबू अभिनीत यह फिल्म भी वही प्रोजेक्ट हो सकती है और इसका नाम गरुड़ हो सकता है। इस बीच कुछ यूजर्स यह भी दावा कर रहे हैं कि एसएस राजामौली निर्देशित इस फिल्म में पौराणिक और काल्पनिक चीजें भी शामिल हो सकते हैं, जो गरुड़ से जुड़े हैं, जिसे भगवान विष्णु का वाहन माना जाता है। हालांकि, पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर इस बारे में खबरें चल रही हैं, लेकिन एसएसएमबी 29 की टीम ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप ख़ुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। अपने वरिष्ठों को नज़रअंदाज़ न करें। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। महिला सहकर्मी बहुत मददगार रहेंगी और अटके कामों को भली–भांति पूरा करने में सहयोग देंगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। छोटे भाई–बहन आपसे राय मांग सकते हैं अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। आपके जीवनसाथी के लबों की मुस्कान पल भर में आपका सारा दर्द ग़ायब करने की क़ाबिलियत रखती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। वाद–विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शरीर के किसी अंग में दर्द होने की संभावना है। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। इस राशि के कारोबारियों को आज कारोबार के सिलसिले में अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपको मानसिक तनाव दे सकती है। नौकरी पेशा लोगों को आज ऑफिस में इधर–उधर की बातें करने से बचना चाहिए। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन इस दौरान आप शराब का सेवन करने से बचना चाहिए नहीं तो समय की बर्बादी हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्त और रिश्तेदार साथ में ज़्यादा वक़्त बिताने की मांग करेंगे लेकिन यह सभी दरवाज़े बन्द करके राजसी आनन्द लेने का समय है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। अगर आप सही लोगों को अपनी क्षमताएँ और प्रतिभा दिखाएंगे, तो जल्दी ही लोगों की निगाहों में आपकी नयी और बेहतर छवि होगी। इस राशि वालों को आज ख़ुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ थकान दूर करेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। गर्लफ्रेंड/बॉयफ्रेंड के साथ अभद्र व्यवहार न करें। नयी योजनाओं को शुरू करने के लिए बढ़िया दिन है। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

सोमवार का पंचांग

दनांक : 23 सितंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 01:52 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 10:07 तक
योग : सिद्धि रात्रि 03:07 तक
करण : वणिज दोपहर 01:52 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:17 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:19 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:12 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– षष्ठी श्राद्ध , भद्रा दोपहर 01:50 से रात्रि 01:08 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम नायब का कांग्रेस पर तंज, बोले– पार्टी हो चुकी बूढ़ी

भूपेंद्र हुड्डा, कुलदीप शर्मा व रघुबीर कादियान का करवाएंगे इलाज

रोहतक, 22 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी रविवार को कांग्रेस पर जमकर बरसे। शहर के गोहाना अड्डे पर जनसभा को संबोधित करते हुए बोले, कांग्रेस बूढ़ी हो चुकी है। गढ़ी सांपला–किलोई, गन्नौर, गोहाना व बेरी से ज्यादा उम्र के प्रत्याशी उतारे हैं। भाजपा भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुलदीप शर्मा, रघुबीर कादियान से लेकर जगबीर मलिक का इलाज करवाएगी। इसके लिए पीएम मोदी ने 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों के उपचार के लिए 5 लाख तक का आयुष्मान कार्ड देने की व्यवस्था की है।

पीएम मोदी ने कर दी है 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों के उपचार के लिए 5 लाख तक की व्यवस्था

सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने पर्ची व खर्ची का इंतजाम कर लिया है। कांग्रेस के फरीदाबाद की एनआईटीसी सीट से प्रत्याशी कह रहे हैं कि हुड्डा साहब 2 लाख नौकरी लगवाएंगे। उनमें से 2 हजार उनके हिस्से में आएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोहतक वालों इससे कांग्रेस की मंशा व सोच का पता चलता है। गन्नौर से कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप शर्मा कहते हैं कि नौकरियों में अपना हिस्सा बांट लेंगे। कांग्रेसी समझ रहे हैं कि उनकी सरकार बन गई, लेकिन आठ अक्तूबर को पता लगेगा कि कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के एक प्रत्याशी ने तो हद कर दी, लोगों के बीच बोले– बगैर घपला के सरकार थौड़ी चाल्या करै। घपलै तो करणे पड़ै सै। पहले अपना घर भऊंगा, फिर रिश्तेदारों व समर्थकों का। एक तरह से कांग्रेस ने अपना रोडमैप तैयार कर लिया है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस झूठ की राजनीति करती है। हिमाचल, कनार्टक व तेलंगाना में इसका खुलासा हो चुका है। हिमाचल में तो हर साल एक लाख नौकरी तो दूर कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे तक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि, कांग्रेसी अब उसी झूठ को हरियाणा में लेकर आएंगे, लेकिन हरियाणा की जनता उनके बहकावे में नहीं आएगी।

उन्होंने एक शेर के जरिए कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा– दिल में कसक है, चेहरे पर नकाब लिए फिरते हैं, जिनके खुद के बही खाते खराब हैं, वे हमारा हिसाब लिए फिरते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस भाजपा से उसका हिसाब मांगती है, लेकिन उन्होंने हुड्डा से 10 सवाल पूछे थे। आज तक जवाब नहीं आया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी 10 साल मुख्यमंत्री रहे हैं।

कांग्रेस सरकार आते ही बदमाशों व नशा तस्करों का होगा पक्का इलाज : हुड्डा

सिरसा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ऐलान किया है कि कांग्रेस सरकार बनने पर बदमाशों और नशा तस्करों का पक्का इलाज किया जाएगा। प्रदेश की वर्तमान और भावी पीढ़ी को बर्बाद करने वाले बदमाशों और तस्करों को हरियाणा में नहीं रहने दिया जाएगा।

श्री हुड्डा रविवार को सिरसा जिले की चारों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए वोट मांगने पहुंचे थे। उन्होंने यहां 16 जनसभाएं कर जनता से कांग्रेस को जिताने की अपील की। श्री हुड्डा ने कहा कि आठ अक्टूबर से पहले बदमाश और नशा तस्कर प्रदेश छोड़ दें। क्योंकि बदमाश और तस्करों को संरक्षण देने वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार जाने वाली है और प्रदेश में प्रचंड बहुमत से कांग्रेस सरकार आने वाली है। भाजपा सरकार ने हर गांव–गली–मोहल्ले तक में नशा पहुंचा दिया है क्योंकि ये सरकार 10 साल से युवाओं को नशेड़ी बनाने की नीति पर काम कर रही है। आज नशे की वजह से पंजाब से भी ज्यादा मौतें हरियाणा में हो रही हैं। पर कांग्रेस सरकार नशे के इस काले साम्राज्य का खात्मा करेगी।

श्री हुड्डा ने डबवाली के गांव चौटाला, अबूब शहर, गंगा, कालुआना, अहमदपुर डेरेवाला, बिज्जूवाली, रिसालिया खेड़ा और बनवाला में जनसभाएं कर कांग्रेस प्रत्याशी अमित सिहाग के लिए वोट मांगे। हुड्डा ने खारिया, ओटू, मौजदिन, मंगाला और भाम्भूर गांव में लोगों से पार्टी प्रत्याशी सर्वमित्र कंबोज को जिताने की अपील की। उन्होंने ऐलनाबाद के मल्लेकां व माधो सिंघाना में प्रत्याशी भरत सिंह बैनीवाल और सिरसा शहर में प्रत्याशी गोकुल सेतिया के लिए भी जनसभाएं की। श्री हुड्डा ने कहा कि सिरसा जिले की सभी सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों को जिताकर जनता आने वाली सरकार में बड़ी भागीदारी सुनिश्चित करेगी। कांग्रेस सरकार बनने पर योग्यता व पेपर के आधार पर निष्पक्ष तरीके से दो लाख पक्की भर्तियां की जाएंगी। इसके अलावा बुजुर्गों को 6000 रुपए पेंशन, कर्मचारियों को पुरानी पेंशन, 300 यूनिट फ्री बिजली, 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर, महिलाओं को 2000 रुपए महीना सम्मान राशि और 25 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की योजना का लाभ भी जनता को दिया जाएगा। साथ ही किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाएगी और ओबीसी में क्रीमी लेयर की लिमिट छह से बढ़ाकर 10 लाख की जाएगी ताकि पिछड़ा वर्ग के लोगों को आरक्षण का पूरा लाभ मिल सके।

कांग्रेस में महिलाओं का सम्मान नहीं होता : अनिल विज

चंडीगढ़, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने रविवार को कहा कि कांग्रेस में महिलाओं का सम्मान नहीं होता और न ही दलितों का सम्मान होता है।

श्री विज ने यहां जारी बयान में कहा कि अगर कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा जैसी बड़ी नेता के बारे में कोई जातिसूचक शब्द बोल सकता है तो समझा जा सकता है कि कांग्रेस में क्या हाल है। केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के कुमारी सैलजा को आमंत्रण देने के बाद उनके भाजपा में आने की संभावनाओं पर श्री विज ने कहा कि संभावनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दी जाती पर यदि श्री मनोहर लाल कुछ कह रहे हैं तो कुछ न कुछ होगा।

कुमारी सैलजा को लेकर नारनौंद के एक काँग्रेसी कार्यकर्ता की जाति सूचक टिप्पणी के बाद से सिरसा की सांसद पार्टी से नाराज बताई जाती हैं। उन्होंने प्रचार से भी खुद को दूर कर लिया है। पार्टी का चुनावी घो–षणापत्र जारी किये जाते समय भी वह मौजूद नहीं थीं। वहीं कांग्रेस का दावा है कि कुमारी सैलजा नाराज नहीं हैं और उनके सोमवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और महासचिव प्रियंका गांधी के हरियाणा में कार्यक्रमों में शामिल होने की संभावना है। हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र हुड्डा पहले ही कुमारी सैलजा को अपनी बहन बताते हुए कह चुके हैं कि ऐसी टिप्पणी करने वाले के लिए कांग्रेस में जगह नहीं है।

हरियाणा पुलिस की राजस्थान में छापेमारी

10 लाख कैश, 27 मोबाइल, 68 एटीएम कार्ड सहित आरोपी गिरफ्तार

झज्जर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस ने साइबर फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश किया है। साइबर थाना झज्जर की पुलिस टीम ने एक अंतरराज्यीय नेटवर्क गिरोह को पकड़ा है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान राजस्थान के अलवर जिले के करोथ गांव निवासी रतनलाल के रूप में हुई है जबकि बाकी तीन आरोपी फरार हैं।

एसीपी ऑफिस महिला थाना में एसीपी अनिरुद्ध चौहान ने बताया कि साइबर थाना झज्जर प्रबंधक अजय मलिक कि देखरेख में साइबर थाना झज्जर की पुलिस टीम ने आरजिया राजस्थान में एक शिकायत के आधार पर दबिश दी। पुलिस को वहां साइबर फ्रॉड में उपयोग होने वाले भारी मात्रा में उपकरण बरामद हुए। जितेंद्र निवासी

पालिका कॉलोनी बहादुरगढ़ ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उसके साथ टॉस्क के नाम पर 21 लाख 90 हजार 331 रुपये की धोखाधड़ी हुई है। इस शिकायत पर साइबर थाना झज्जर मे तैनात सहायक उप निरीक्षक सविता और उसकी पुलिस टीम ने शनिवार को बहादुरगढ़ निवासी व्यक्ति के साथ हुए साइबर फ्रॉड के मामले में लोकेशन ट्रेस करते हुए आरजिया राजस्थान जाकिर नाम के व्यक्ति के मकान पर पहुंची। वहां पर वह नहीं मिला, लेकिन मौके पर भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य सामग्रियां बरामद हुई।

पुलिस ने 9 लाख 97 हजार कैश, 27 मोबाइल फोन, तीन कीपेड मोबाइल फोन, एक करंसी काउंटिंग मशीन, एक सीसीटीवी कैमरा, 27 अलग–अलग विभागों की मोहर, एक पीओएस मशीन, एक हार्ड ड्राइव, 68 एटीएम कार्ड, 37 पैन कार्ड, 27 आधार कार्ड, 7 ड्राइविंग लाइसेंस, 13 वोटर आईडी कार्ड, गैमिग सिस्टम मशीन, 96 फोन पे स्कैनर, 17 सीडी कंप्यूटर, 30 फोन पे स्कैनर स्पीकर, दो लैपटॉप, एक टैब, चार पासपोर्ट, 65 बैंक की चेकबुक, 60 बैंक पासबुक, 56 मोबाइल सिम, 7 पहचान पत्र, एक राउटर, एक वाई–फाई सिम, दो वॉकी टॉकी सेट, 7 पैन ड्राइव, एक हिटची एटीएम डेबिट कार्ड बरामद किया।

क्षमा से होती है आत्मा की शुद्धि : भजनलाल

जयपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने क्षमा से आत्मा की शुद्धि होना बताते हुए कहा है कि क्षमा मांगने से कटुता और द्वेष–भाव समाप्त हो जाता है जिससे समाज में शांति एवं सद्भाव का मार्ग प्रशस्त होता है।

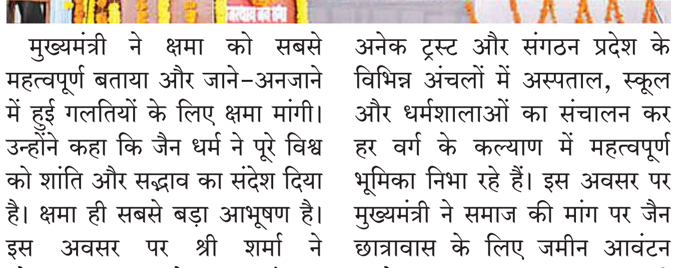

श्री शर्मा रविवार को जयपुर में महावीर पब्लिक स्कूल में राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित सामूहिक क्षमापन पर्व समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गलती होना स्वाभाविक है लेकिन उस गलती को स्वीकार करते हुए क्षमा मांग लेना बहुत बड़ा मानवीय गुण है और सामने वाले को क्षमा करना उससे भी बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि यह दिन हमारे आत्मिक शुद्धिकरण का पर्व होने के साथ समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का स्मरण भी करवाता है। जैन धर्म में क्षमा याचना का बहुत महत्व है। क्षमा याचना से आत्म–शुद्धि होती है जिससे संबंधों में सुधार होता है और मानसिक शांति तथा आध्यात्मिक विकास होता है।

मुख्यमंत्री ने क्षमा को सबसे महत्वपूर्ण बताया और जाने–अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगी। उन्होंने कहा कि जैन धर्म ने पूरे विश्व को शांति और सद्भाव का संदेश दिया है। क्षमा ही सबसे बड़ा आभूषण है। इस अवसर पर श्री शर्मा ने सोलहकारण व्रत के 32 एवं 16 उपवास, दशलक्षण पर्व के 10 उपवास करने वाले त्यागीवृत्तियों का सम्मान भी किया। उन्होंने कहा कि जैन समाज धार्मिक, सामाजिक और लोक कल्याण के कार्यों में विशेष पहचान रखता है। शिक्षा–स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य तथा गरीब–जरूरतमंदों की सहायता में जैन समाज सदैव अग्रणी रहा है। जैन समाज के अनेक ट्रस्ट और संगठन प्रदेश के विभिन्न अंचलों में अस्पताल, स्कूल और धर्मशालाओं का संचालन कर हर वर्ग के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज की मांग पर जैन छात्रावास के लिए जमीन आवंटन करने का सकारात्मक आश्वासन भी दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निवास पर संतों–मुनियों का सदैव स्वागत है।

श्री शर्मा ने कहा कि जैन धर्म का दशलक्षण पर्व मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। यह पर्व न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाता है, बल्कि सामाजिक सामंजस्य और शांति की भी नींव रखता है। उन्होंने कहा कि इन गुणों का अनुकरण कर हम न केवल अपने जीवन को शुद्ध कर सकते हैं बल्कि समाज को भी सुखी और समृद्ध बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि जैन धर्म की सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अस्तेय की शिक्षाएं आज के युग में भी प्रासंगिक हैं।

अहिंसा का सिद्धांत शारीरिक, मानसिक और वाचिक हिंसा से दूर रहने की प्रेरणा देता है। मुनि शशांक सागर, पावन सागर एवं समत्व सागर महाराज ने अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री श्री शर्मा के व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए उनकी सादगी–सहृदयता की सराहना की। इस अवसर पर मुनि सुभद्र सागर, अर्चित सागर, शील सागर एवं संदेश सागर भी मौजूद थे। इनके अलावा समारोह में सांसद मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, जयपुर ग्रेटर नगर निगम उप महापौर पुनीत कर्णावट, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग शामिल हुए।

छात्रों को उत्तरोत्तर विकास के लिये शिक्षा देनी चाहिए : बागड़े

अजमेर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों के जीवन में उत्तरोत्तर विकास के लिए शिक्षा देनी चाहिए।

श्री बागड़े ने रविवार को यहां अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (उच्च शिक्षा) के विश्वविद्यालय शैक्षिक सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपनी मां और परिवार से मिली शिक्षा से बच्चे छोटी उम्र में ही विशेष योग्यताओं को अर्जित कर लेते हैं। शिक्षक को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को केन्द्र में रखकर अध्यापन करवाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थी के जीवन में उत्तरोत्तर विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। शिक्षा बौद्धिक क्षमता बढ़ाने वाली हो। पाठ्यक्रम के अतिरिक्त सहशैक्षिक गतिविधियां भी ज्ञान प्राप्ति की साधन होनी चाहिए। इनसे विद्यार्थी कक्षा उत्तीर्ण होने के लिए आवश्यक पुस्तकीय ज्ञान से अधिक व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करेगा। श्री बागड़े ने कहा कि शिक्षा में सुधार के लिए बनी नीतियों, शिक्षा आयोगों एवं समितियों के सुझाओं का प्रभाव प्राथमिक शिक्षा पर होने से विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रथम का भाव जागृत होगा। भारतीय शिक्षा पद्धति में हमारी संस्कृति, देवधर्म एवं आदर्शों के आचरण को स्थान देना आवश्यक है।

भूमि विवाद को लेकर की गई बदमाशों की गोलीबारी में एक की मौत, एक घायल

अजमेर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर जिले के रूपनगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार को भूमि विवाद को लेकर भू–माफिया की ओर से की गई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गया।

अजमेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि भू–माफिया गिरोह के बदमाशों ने कार में बैठकर गोलियां चलाई इससे रामसर निवासी शकील लंगा (25) की मौत हो गयी जबकि नारायण कुमावत (32) घायल हो गया। उसे अजमेर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि प्रकरण में प्रयुक्त वाहन एवं जेसीबी को भी जब्त कर लिया गया है। अजमेर पुलिस अधीक्षक विश्नोई के निर्देश पर क्षेत्र में नाकाबंदी कराकर बदमाशों की तलाश की गयी, लेकिन अब तक उनका सुराग नहीं लगा है। उधर इस घटना से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया और वे अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। पुलिस उपाधीक्षक (ग्रामीण) सत्यनारायण यादव ने बताया कि ग्रामीणों के समझाकर स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया है। कस्बे में मौके पर फिलहाल पूरी तरह शांति है। बताया जा रहा है कि इस हमले की जड़ श्वेताम्बर जैन समाज छात्रावास की बेशकीमती मौके की जमीन है। जिस पर भू–माफिया गिरोह कब्जा करना चाहता है।

भारत और अमेरिकी सेना का संयुक्त ऑपरेशन

युद्धाभ्यास के अंतिम दिन प्रशिक्षित बाज ने किया प्रदर्शन

बीकानेर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पंछी, नदियां, पवन के झोंके.... कोई सरहद ना इन्हें रोके.... रिफ्यूजी फिल्म का यह गाना हिंदुस्तान के निगाहबान इस बाज पर सटीक बैठती है। विश्वयुद्ध के समय कबूतर खत पहुंचाने का काम किया करते थे लेकिन आज वक्त बदल चुका है। आज के परिंदे सीधे तौर पर जंग के मैदान में उतर रहे हैं। ऐसे ही एक परिंदे की तस्वीर भारतीय सेना ने दिखाई है। दरअसल राजस्थान के बीकानेर में भारत और अमेरिका की सेनाएं आतंकवाद के खिलाफ जॉइंट ऑपरेशन चला रही हैं। इस ऑपरेशन में युद्धाभ्यास के अंतिम दिन भारतीय सेना के प्रशिक्षित बाज अर्जुन ने सर्विलांस का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान बाज अर्जुन के सिर पर कैमरा और पीठ पर जीपीएस चिप लगी हुई थी। इसके बाद बाज ने गांव में चक्कर लगाकर आतंकियों की सटीक पोजीशन की लाइव जानकारी दी।बीकानेर में चल रहे इस युद्ध अभ्यास का उद्देश्य आतंकवाद विर–ोधी अभियान चलाने के लिए दोनों पक्षों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है। जंग का मैदान हो या किसी देश की सरहद, वहां की सेना अपनी सीमा से दुश्मन की नापाक हरकत का जवाब देने के लिए सक्रिय रहती है। लेकिन इतने से ही काम नहीं चलता। सेना को पहले से निगरानी रखनी पड़ती है कि सीमा के उस पार दुश्मन का मूवमेंट क्या है? अब ये काम भारत का जांबाज परिंदा करेगा।

अर्जुन जैसे ही उड़ान भरकर दुश्मन के ठिकाने के ऊपर पहुंचा, वैसे ही उसके सिर पर लगे कैमरे ने उसके हैंडलर को आतंकी ठिकाने की तस्वीरें भेजना शुरू कीं, जिससे हैंडलर को आतंकी कहां छुपे हुए हैं, उनकी संख्या कितनी है और उनके पास कौन–कौनसे हथियार हैं, इसकी जानकारी मिल सके।

हाईकोर्ट के आदेश पर लापता यशी सिंह मामले की जांच सीआईडी नहीं सीबीआई करेगी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के मुजफ्फरपुर की चर्चित एमबीए छात्रा यशी सिंह अपहरण गुमशुदगी मामले में हाई कोर्ट ने मामले की जांच का जिम्मा सीबीआई को दे दिया है। हाई कोर्ट के आदेश के इस आदेश के बाद परिजन में खुशी की लहर है।

मुजफ्फरपुर जिले में दिसंबर 2022 में बीबीगंज की रहने वाली एक एमबीए की छात्रा यशी सिंह अचानक लापता हो गयी थी। वह अपने नाना के घर यानी ननिहाल में रहकर पढ़ाई करती थी। उसने अपना दाखिला शहर के एक चर्चित मैनेजमेंट संस्थान में कराया। घटना के बाद उसके नाना ने अपहरण का केस सदर थाना में दर्ज कराया। मामला दर्ज होते ही पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू तो की लेकिन कई माह तक इस केस में कोई सफलता हासिल नहीं हुई। यही नहीं बल्कि इस केस की हुई जांच में लापरवाही भी पाई गयी थी और तब जिसके बाद मामले जांच को सीआईडी को दिया गया। वही सीआईडी ने भी अपनी पूरी ताकत इस केस में झोंक दी है,लेकिन अबतक एमबीए छात्रा यशी सिंह का कोई भी सुराग को नहीं ढूंढ सके। यही नहीं बल्कि इसको लेकर शहर में अलग अलग जगहों पर पुलिस की जांच की उदासीनता को लेकर के सवाल भी उठा था।जिसके बाद कोर्ट ने इसे लेकर पुलिस और सीआइडी टीम को फटकार लगायी और सीआईडी को हर हफ्ते प्रोग्रेस रिपोर्ट की मांग की। खुद कोर्ट इस मामले की निगरानी कर रही थी। अब यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है, जिसको लेकर के परिजन और इस लड़ाई को लड़ रहे लोगो ने बड़ी जीत बताया है।

मामले में समाजिक संगठन के सदस्य मनोज कुमार ने बताया कि जिले में अब तक दो बच्ची का मामला सामने आया है। उसमे 5 वर्षीय खुशी और एक 23 वर्षीय यशी सिंह शामिल है। दोनो ही मामले में पुलिस की जांच ने का लोगों का भरोसा खो दिया है। खुशी मामले की जांच को हाई कोर्ट ने सीबीआई को दिया था, जिस मामले की जांच चल रही है।

वही यशी सिंह मामले में पुलिस की जांच में कई खामी और लापरवाही बरतने का था। इस मामले में स्थानीय पुलिस ने शुरुआत से ही गंभीरता नही दिखाई। जिसके बाद सीआईडी को केस सौंपा गया था लेकिन सीआईडी को भी इस मामले में अब तक कोई सफलता नहीं मिली। कुछ आरोपी को लेकर जांच पड़ताल की गई, लेकिन यशी सिंह का खिन कोई पता नहीचल पाया।अब हाई कोर्ट ने इस मामले को स्वतः संज्ञान लिया है।

इस दौरान कोर्ट ने स्थानीय पुलिस और सीआईडी दोनों को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले की जांच में आपकी गंभीरता नही है। क्यों न इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दिया जाय।सीबीआई की जांच सौंप दिए जाने से हमारी लड़ाई को उड़ान मिली है और परिजन में भी नई उम्मीद जगी है कि अब सीबीआई बच्ची को खोज निकालेगी।

डीएमसीएच के जूनियर डॉक्टर गए हड़ताल पर, इमरजेंसी सेवा ठप

मरीज और तीमारदार परेशान

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने शनिवार रात से काम करना बंद कर दिया है। इससे इमरजेंसी और गायनिक विभाग में जूनियर डॉक्टरों द्वारा काम बंद कर देने से मरीजों की परेशानी काफी बढ़ गई है। चार दिन पहले मरीज के परिजन को जूनियर डॉक्टरों ने पिटाई कर थी। इस मामले को लेकर बेंता थाना में 30 से 40 डॉक्टरों पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

हालांकि जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन इमरजेंसी और गायनी विभग में पीओडी और एसओडी को मरीजों का इलाज सुनिश्चित करने को कहा है। जूनियर डॉक्टरों ने गायनी विभाग में भी इलाज ठप करा दिया। अगर वे आज से काम पर नहीं लौटते हैं तो मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। माना जा रहा है कि चार दिनों पहले डीएमसीएच के इमरजेंसी विभाग में हुए बवाल को लेकर जूनियर डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के विरोध में उन्होंने काम बंद कर दिया है।

डीएमसीएच उपाधीक्षक डॉ. हरेंद्र कुमार ने जूनियर डॉक्टरों के काम बंद करने की पुष्टि करते हुए कहा है कि इमरजेंसी के अलावा विभिन्न विभागों में मरीजों का इलाज सुनिश्चित करने के लिए वरीय चिकित्सकों से अनुरोध किया गया है। अगर जूनियर डॉक्टर काम पर नहीं लौटते हैं तो विभिन्न विभागों में अतिरिक्त चिकित्सकों की तैनाती की जाएगी। जूनियर डॉक्टरों ने लिखित में कोई आवेदन नहीं दिया है।

तिरुपति लड्डू विवाद पर केंद्रीय मंत्री बोले–

व्यापार का तुष्टिकरण हो गया

पटना (एजेंसियां)।

तिरुपति मंदिर प्रसादम विवाद पर केन्द्रीय मंत्री सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि व्यापार का दृष्टिकरण हो गया है। उन्होंने साधारण बाजारों में भी कई बार ऐसा सुनने को मिलता है। अमुक सामान में अमुक चीज होता है तो उसका बाजार डाउन हो जाता है। यह दूसरा कंप्टीटर ऐसा कर देता है। तिरुपति में कुछ लोगों ने ऐसा किया है। वहां मंदिर की संपत्ति अधिक है। यहां तक कि राम मंदिर में भी कई टन लड्डू आए थे। पॉपुलरिटी बढ़ रही है, इसलिए काउंटर करने के लिए ऐसा किया गया हो। इस मामले की जांच होनी चाहिए और दोषियों पर उचित कार्रवाई होगी चाहिए।

मालूम हो कि आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के लड्डू में फिश ऑयल और जानवरों की चर्बी मिलाने की पुष्टि हुई थी। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार तिरुपति मंदिर में लड्डु का प्रसाद तैयार किया जाता है। उसमें जानवरों की चर्बी और मछली का तेल मिला है। ये सब कुछ उस घी में मिला है। जिससे लड्डू तैयार किया जाता है।

केंद्रीय मंत्री सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि नवादा में महादलितों के घर में आग लगाने की वारदात की घटना को लेकर आज निरीक्षण करने घटनास्थल जाएंगे। निरीक्षण के बाद पीड़ित परिवारों को राहत कार्य और आर्थिक मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि इस घटना में राजद के लोगों का हाथ है। महादलित परिवारों के जमीन पर राजद के लोग कब्जा कर लेते है या फिर औने पौने दाम पर जमीन को खरीद लेते है। उस जमीन पर महादलित परिवार के लोग रहते आ रहे है। उस पर केस चल रहा है। वैसे लोगो को लगा होगा की केस हार जाएंगे। आरोपियों ने वहां से महादलितों को भगाने के लिए ऐसी वारदात को अंजाम दिया है। पूरे बिहार में देखिए तो 100 केस अगर आता है तो उसमे 70 केस में राजद के लोगो की बात सामने आती है। हमने विधानसभा में कई बार मांग की है। कमिशन बिठा कर इसकी पूरी जांच होनी चाहिए।

दरभंगा एम्स के निर्माण के लिए जमीन सर्वेक्षण शुरू

अगले महीने प्रधानमंत्री मोदी करेंगे शिलान्यास

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा में बिहार के दूसरे एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) के निर्माण को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। सोभन बाईपास के पास एम्स निर्माण के लिए बिहार सरकार द्वारा दी गई 187 एकड़ जमीन पर सर्वेक्षण का काम शुरू हो चुका है। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने घोषणा की थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्तूबर महीने में दरभंगा एम्स का शिलान्यास करेंगे, जिसके बाद निर्माण कार्य गति पकड़ेगा।

शिलान्यास की घोषणा के तुरंत बाद सर्वेक्षकों की एक टीम को शोभन बाईपास क्षेत्र में भेजा गया। मिथिलांचल के लोगों में एम्स की स्थापना को लेकर नई उम्मीदें जाग गई हैं। एम्स के निर्माण से इस क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं में सुधार होने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी एम्स निर्माण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है। राज्य सरकार की ओर से सभी आवश्यक तैयारियों को समय पर पूरा करने का आश्वासन दिया है।

एम्स की भूमि पर जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए विशेष नक्शा तैयार किया जा रहा है।

सर्वेक्षण टीम का नेतृत्व कर रहे संजय मंडल ने बताया कि सर्वेक्षण के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि जमीन पर कितनी मिट्टी भराई की आवश्यकता होगी। अनुमानित तौर पर 10 से 15 फुट मिट्टी भराई की जरूरत हो सकती है। शोभन-एकमी बाईपास से चार फीट नीचे तक मिट्टी भराई की जाएगी, जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

एम्स के निर्माण से इस क्षेत्र में व्यापक विकास की उम्मीद है। फोरलेन सड़क से कनेक्टिविटी के कारण लोगों के लिए यहां तक पहुंचना आसान होगा। वर्षों से अनुपयोगी पड़ी जमीन अब संभावनाओं से भरी हुई है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

दरभंगा एम्स के निर्माण से मिथिलांचल के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी। साथ ही यह पूरे क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास का आधार बनेगा।

जिले के प्रभारी बंदोबस्त पदाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि बलिया मौजे की जमीन का सर्वेक्षण भी शुरू कर दिया गया है, जहां एम्स का निर्माण प्रस्तावित है। सर्वेक्षण के आधार पर मिट्टी भरने का काम जल्द ही शुरू होगा, जिससे निर्माण कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो।

जमुई के सिकंदरा में कार्यक्रम के दौरान छज्जा गिरने से दो लोग की मौत

मुंगेर (एजेंसियां)।

जमुई जिले के सिकंदरा थानाक्षेत्र के ऋषिडीह गांव में शनिवार की देर रात एक निजी कार्यक्रम के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। यहां घर का छज्जा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद गांव में मातमी सन्नाटा छा गया है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के मुताबिक, यह हादसा तब हुआ जब ऋषिडीह गांव में एक निजी कार्यक्रम चल रहा था। कुछ लोग घर के जर्जर छज्जे पर बैठे थे, जबकि अन्य लोग नीचे बैठकर कार्यक्रम देख रहे थे। अचानक छज्जा कमजोर होने के कारण गिर गया, जिससे छज्जे पर बैठे लोग और नीचे बैठे लोगों पर भारी मलबा गिर गया। इस दौरान घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई और ग्रामीणों ने घायलों को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान जोगिंदर यादव (55) और जद्दु यादव (52) के रूप में हुई है, जो दोनों ऋषिडीह गांव के निवासी थे। वहीं, घायलों में अशोक यादव, कौशल यादव, सोनू साव, दरमन यादव, ईश्वर यादव, चानो यादव और अधिक यादव शामिल हैं। सभी घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर उपचार के लिए जमुई सदर अस्पताल रेफर किया गया है। जबकि कुछ का इलाज अलीगंज और जमुई के निजी क्लीनिक में चल रहा है।

वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही सिकंदरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। सिकंदरा थानाध्यक्ष मिंटू कुमार सिंह ने बताया कि छज्जा गिरने की इस दुखद घटना में दो व्यक्तियों की मौत हो गई है और सात लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

इधर, इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतकों के परिवारों के साथ गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हादसा घर के छज्जे की जर्जर स्थिति के कारण हुआ। गांव के लोग मृतकों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

दो मोटरसाइकिल और ट्रक में भीषण टक्कर एक की मौत

पूर्णिया(एजेंसियां)।

पूर्णिया में रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक बच्चे सहित चार लोग घायल हो गए। इस घटना में दो बाइक और ट्‍क जबरदस्त तरीके से टकरा गए,

जिसमें बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर सभी घायलों को इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया। साथ ही क्षतिग्रस्त बाइक को लेकर थाने चली गई।

घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना सदर थानाक्षेत्र के कटिहार मोड़ के पास हुई है। वहीं, मृतक की पहचान भागलपुर जिले के रगड़ा चौक निवासी सचितानंद ठाकुर के बेटे संतोष ठाकुर (50) के रूप में हुई है।

घटना को लेकर मृतक के भतीजे राकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि संतोष ठाकुर अपने बेटे आर्यन को स्कूल से लेने के लिए आए थे। आर्यन को लेकर वे घर जा रहे थे, तभी कटिहार मोड़ के पास दो बाइक में टक्कर हो गई। उसके बाद ट्रक ने दोनों बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। घायल आर्यन कुमार (14) सहित अन्य तीन लोगों को इलाज के लिए पूर्णिया मैक्स सात अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

राकेश कुमार ने आगे बताया कि चाचा रगड़ा चौक पर सीमेंट-बालू की दुकान चलाते थे। उनका एक बेटा और एक बेटी है। वहीं, सदर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया और लाश को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

16 साल तक काम करने के बाद पकड़ाए दो शिक्षक, फर्जीवाड़ा कर नौकरी ली

जांच में हुआ बड़ा खुलासा

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी में एक बार फिर 16 साल काम करने के बाद दो फर्जी शिक्षक पकड़े गए है। बता दें कि बेलसंड व बथनाहा प्रखंड के स्कूलों में फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर नियोजित दो शिक्षकों पर कानूनी कार्रवाई होगी। निगरानी अन्वेषण जांच ब्यूरो ने जांच में फर्जी ट्रेनिंग सर्टिफिकेट पर बहाल शिक्षकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के लिए बेलसंड व बथनाहा थानाध्यक्ष को पत्र लिखा है।

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो मुजफ्फरपुर प्रक्षेत्र के वरीय पुलिस उपाधीक्षक कन्हैया लाल ने थानाध्यक्ष को अलग-अलग पत्र लिखकर मामले की जानकारी देते हुए संबंधित शिक्षकों व अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने को कहा है। पुलिस उपाधीक्षक ने थानाध्यक्ष से कहा है कि हाईकोर्ट के आदेश पर वर्ष 2006 से 2015 तक नियोजित शिक्षकों का शैक्षणिक व प्रशैक्षणिक आदि प्रमाण पत्रों की निगरानी जांच चल रही है। इसकी जिम्मेवारी निगरानी अन्वेषण ब्यूरो पुलिस अधीक्षक पटना द्वारा उन्हें (डीएसपी) दी गई है।

सीतामढ़ी जिले के उक्त वर्षों में नियोजित शिक्षकों के शैक्षणिक प्रशैक्षणिक प्रमाण पत्रों की जांच चल रही है। संबंधित प्राधिकार व बोर्ड से संबंधित शिक्षकों का प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराने पर फर्जी व फेक पाया गया है। उन्होंने कहा है कि स्थापना डीपीओ द्वारा उपलब्ध कराये गये फोल्डर में शैक्षणिक व प्रशैक्षणिक प्रमाण पत्रों के जांच के क्रम में बेलसंड प्रखंड के ग्राम पंचायत राज महथी उर्फ चंदौली के तहत नियोजन वर्ष 2008 में प्रावि भड़वारी डोम टोला में पदस्थापित शिक्षक सुबोध कुमार पिता राधेश्याम ठाकुर महिन्दवारा भाया रामपुरहरि थाना रुन्नीसैदपुर निवासी द्वारा नियोजन के समय जमा किए गये शिक्षक प्रशिक्षण अंक पत्र वर्ष 2002-03, रौल नंबर 073, रौल कोड एयू, प्राप्तांक 1363 का सत्यापन एससीईआरटी असम गोहाटी व डायट कचर उधारबोंड असम से कराने पर फर्जी पाया गया है।

इसी तरह बथनाहा प्रखंड नियोजन इकाई के तहत मवि पोखरभिंडा में वर्ष 2008 में पदस्थापित मवि हरनहिया जलसी के शिक्षक सुशील कुमार साकिन पो. रेवासी थाना रीगा का शिक्षक प्रशिक्षण अंक पत्र वर्ष 2006-07, रौल नंबर 028, रौल कोड एएम, प्राप्तांक 1776 एससीईआरटी असम गोहाटी के कार्यालय अभिलेख से सत्यापन कराने पर अंक पत्र फर्जी व मनगढंत पाया गया है। सर्टिफिकेट फर्जी पाया जाना प्रमाणित करता है कि नियोजित उक्त शिक्षकों द्वारा अन्य अज्ञात के साथ मिलीभगत कर फर्जी प्रमाण पत्र की कूटरचना कर अवैध रुप से नियोजन प्राप्त किया है। उन्होंने थानाध्यक्ष से फर्जी प्रमाण पत्र पर नियोजित शिक्षकों व अन्य अज्ञात के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर अनुसंधान करने का अनुरोध किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com